अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं
8 मार्च
धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

शुक्रवार 08 मार्च 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 13 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 320

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चुनावी समर

कश्मीर,नौकरी, पेपर लीक, परिवारवाद...मुद्दों पर वादे-आरोप

सरकार में आए तो 30 लाख नौकरियां देंगेः राहुल गांधी

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्र में पार्टी की सरकार बनने पर युवाओं को 30 लाख सरकारी नौकरियां देने की घोषणा की. कहा कि सरकार में आने के बाद पहला काम होगा कि 30 लाख सरकारी नौकरियां हम देंगे. वे भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत बांसवाड़ा में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा, युवाओं के लिए कांग्रेस पार्टी क्या करने जा रही है? सबसे पहला कदम, हमने गिनती की है- हिंदुस्तान में 30 लाख सरकारी पद खाली हैं ... मोदी जी इनको भरवाते नहीं हैं. भाजपा इन्हें भरवाती नहीं है. ये भी कि कांग्रेस पार्टी युवाओं को 5 ऐतिहासिक गारंटी दे रही है. ये पांच ऐतिहासिक काम हैं : युवाओं के लिए भर्ती भरोसा, 30 लाख खाली पद भरना, पहली नौकरी पक्की करना, पेपर लीक से मुक्ति, गिग कर्मियों के लिए सामाजिक सुरक्षा व 'युवा रोशनी' के तहत स्टार्ट अप के लिए 5,000 करोड़ रुपये... ये ह आपके लिए करने जा रहे हैं. सरकार में आते ही ये सारे कार्य हमारी प्राथमिकता रहेगी. - शेष पेज 7 पर

कांग्रेस की युवाओं की 5 ऐतिहासिक गारंटियां

अनुच्छेद 370 पर कांग्रेस ने देश को गुमराह किया : मोदी

श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद जम्मू-कश्मीर विकास की नयी ऊंचाइयों को छू रहा है और स्वतंत्र रूप से सांस ले रहा है. मोदी ने गुरुवार यहां बख्शी स्टेडियम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर अनुच्छेद 370 पर न केवल जम्मू-कश्मीर के लोगों को बल्कि पूरे देश को गुमराह करने का आरोप लगाया. प्रधानमंत्री ने आगामी रमजान के पवित्र महीने और महाशिवरात्रि के पर्व के लिए अपनी अग्रिम शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर विकास की नयी ऊंचाइयों को छू रहा है. ये वो नया जम्मू कश्मीर है, जिसके लिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बलिदान दिया था. मोदी ने एक बार फिर से परिवारवाद पर भी जमकर हमला बोला और कहा कि मेरा परिवार तो देश की जनता है. अनुच्छेद 370 नहीं हटने से किस परिवार का फायदा हो रहा था. आज इसके हटने से कश्मीर को फायदा हो रहा है.

श्रीनगर की रैली में कांग्रेस पार्टी को निशाने पर लिया

संदेशखाली पर गलत सूचना दे रहे लोग : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल को महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित राज्य बताते हुए कहा कि कुछ लोग संदेशखाली को लेकर गलत सूचना फैला रहे हैं. लोकसभा चुनाव की आधिकारिक घोषणा से पहले महिलाओं के अधिकार को लेकर यहां आयोजित रैली व पैदल मार्च का नेतृत्व करते हुए ममता बनर्जी ने यह बात कही. भाजपा पर निशाना साधते हुए ममता बनर्जी ने कहा, भाजपा नेता संदेशखाली को लेकर झूठी अफवाह फैला रहे हैं, लेकिन उनकी पार्टी द्वारा शासित राज्यों में महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों को लेकर खामोश हैं. ममता बनर्जी ने पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि हम आपको चुनाव में हराएंगे, इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां से चुनाव लड़ेंगे. वे जहां से लड़ेंगे हमारी पार्टी उन्हें हराएगी. उन्होंने यह भी कहा पश्चिम बंगाल में महिलाएं सबसे अधिक सुरक्षित हैं.

महिला सम्मान को लेकर सीएम ममता ने किया पैदल मार्च

भाजपा 'वॉशिंग मशीन' सभी दाग मिटा लें : पवार

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने गुरुवार को भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह एक 'वॉशिंग मशीन' बन गई है, जिसमें भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे लोग अपने दाग मिटाने के लिए शामिल हो सकते हैं. उन्होंने झारखंड में हेमंत सोरेन और दिल्ली में अरविंद केजरीवाल समेत गैर-भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को निशाना बनाने के लिए केंद्र की आलोचना की. पवार ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की आलोचना समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधा. पुणे जिले के लोनावाला में राकांपा (शरद) के कार्यकर्ताओं के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए पवार ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भ्रष्टाचार की चर्चा करते हुए अविभाजित राकांपा की आलोचना करते थे, पर अब साथ हैं. पवार ने उप-मुख्यमंत्री अजित पवार का नाम लिए बिना कहा, उन्होंने महाराष्ट्र में 70,000 करोड़ रुपये के सिंचाई घोटाले का जिक्र किया.

कहा- हेमंत सोरेन व केजरीवाल को निशाना बनाया गया है

सर्राफा

सोना (बिक्री)	60,900
चांदी (किलो)	77,000

ब्रीफ खबरें

पूर्व जस्टिस गंगोपाध्याय भाजपा में शामिल हुए

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से इस्तीफा देने के दो दिन बाद अभिजीत गंगोपाध्याय आज गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये. अभिजीत गंगोपाध्याय ने कोलकाता स्थित मित्र इंस्टीट्यूशन (मेन) से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की. इस क्रम में उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय के हाजरा लॉ कॉलेज से उच्च शिक्षा पायी.

यूपी में 13 हजार मदरसों को अवैध करार दिया गया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एसआईटी ने 13 हजार मदरसों को अवैध करार देते हुए बंद करने की सिफारिश की है. खबरों के अनुसार अवैध मदरसों के मामले में एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट यूपी सरकार के हवाले कर दी है. एसआईटी की रिपोर्ट के बाद मदरसा बोर्ड इन अवैध मदरसों पर कार्रवाई की कवायद में जुट गया है. एसआईटी ने जिन मदरसों को अवैध बताया है, उनमें अधिकतर नेपाल की सीमा पर हैं.

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 4% बढ़ा

नयी दिल्ली। होली से पहले केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनधारकों के महंगाई भत्ते और महंगाई राहत को 46 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया गया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में महंगाई भत्ते को बढ़ाने का फैसला लिया गया है. 1 जनवरी से लेकर 30 जून 2024 तक के लिए महंगाई भत्ता को बढ़ाया गया है.

के. करूणाकरण की बेटी भाजपा में शामिल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के दिग्गज दिवंगत नेता और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरन की बेटी पद्मजा वेणुगोपाल गुरुवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं. पद्मजा के भाई के. मुरलीधरन वडकरा से कांग्रेस के सांसद हैं. इससे पहले, केरल के पूर्व मुख्यमंत्री एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी भाजपा में शामिल हुए थे. अनिल को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए केरल की पत्तनमतिट्टा सीट से उम्मीदवार बनाया है.

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.0	19.7
जमशेदपुर	31.8	19.2
डालटनगंज	30.7	14.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ऋतिक कंपनी का कारनामा, मामले को दबाने की कोशिश

एक बिरहोर बच्ची की मौत की कीमत 40 हजार

प्रवीण कुमार। रांची/हजारीबाग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदिम जनजातियों को उत्थान के लिए झारखंड से बड़ी योजनाओं की घोषणा करते हैं. वहीं झारखंड के केरेडारी प्रखंड में बिरहोर परिवारों को बिना पुनर्वासित किये एनटीपीसी के एमडीओ ऋतिक कंपनी द्वारा कोयला खनन किया जा रहा है, जहां मानव आधिकार और बाल अधिकार का उल्लंघन कर ऋतिक कंपनी कोयला खनन कर रहा है. यह खनन कार्य पराग गाव के बिरहोर टोला के 38 कदम की दूरी पर की जा रही है. पिछले 3 साल से चल रहे खनन के कारण बिरहोर परिवार बीमार हो रहे हैं.

चट्टी बरियातू पंचायत के पगार गांव के बिरहोर टोला निवासी किरनी बिरहोर (10 वर्ष), पिता बीरु बिरहोर की मौत 28 फरवरी की रात में हो गई थी. एनटीपीसी ने बच्ची की मौत के मामले को अपने परियोजना क्षेत्र से बाहर का बताकर पल्ला झाड़ लिया था, लेकिन कोयला खनन कार्य कर रही एनटीपीसी के एमडीओ ऋतिक कंपनी ने बिरहोर बच्ची की मौत पर परिवार को 40 हजार मुआवजा दे दिया है. इसमें 5 हजार नगद और 35 हजार पिता बिरु बिरहोर के बैंक खाते में दिया है.

28 फरवरी को हुई थी मौत : चट्टी बरियातू पंचायत के पगार गांव के बिरहोर टोला निवासी किरनी बिरहोर(10 वर्षीय) की मौत 28 फरवरी की रात में हो गई थी.एनटीपीसी ने बच्ची की मौत के मामले को अपने परियोजना क्षेत्र से बाहर का बता पल्ला झाड़ लिया था. मामले को दबाने के लिए खनन कर रही एनटीपीसी के एमडीओ ऋतिक कंपनी ने बच्ची के परिजनों को 40 हजार मुआवजा दे दिया, जिसमें 5 हजार कैश व 35 हजार पिता को दिए गए.

पिता बीरु ने कहा- खून की उलटी करते मर गयी किरणी

बच्ची की मौत के बाद शव जल्द दफनाने का जोर

किरणी के पिता बिरू बिरहोर ने बताया कि बच्ची की मौत के बाद शव जल्दी दफनाने के लिए कंपनी ने जोर भी दिया. इस बात को लेकर भी कंपनी वाले जोर दे रहे थे. बिरहोर टोला के वार्ड सदस्य ने कहा किरणी की मौत प्रदूषण के कारण हुई है. वह कुछ दिन से बीमार थी. उसे इलाज के लिए केरेडारी स्वास्थ केंद्र ले गए जहां उचित इलाज का व्यवस्था नहीं होने से वापस लौट गए. फिर किरणी की मौत हो गई. कंपनी के लोग आपने प्रभाव और पैसे के बल पर यहां कुछ भी कर ले रहे है.

खदान से होकर इसी रास्ते से बिरहोर परिवार बाजार आते-जाते हैं.

बच्ची की मौत के मामले की होगी जांच : डीसी

हजारीबाग डीसी नैंसी सहाय ने कहा कि मामले की जांच के लिए जिला में उच्च स्तरीय कमेटी गठित की गई है, रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी. डीसी ने कहा है कि मामला गंभीर है.

किस घटना-दुर्घटना में कितना मिलता है मुआवजा

- मनरेगा मजदूरों की किसी भी दुर्घटनाओं में मौत होने दो लाख और सामान्य मौत पर एक लाख रुपए मुआवजा दिया जाता है
- हाथी के हमले में मौत होने पर 6 .5 लाख है मुआवजा राशि वन विभाग देता है

पीएम मोदी ने क्या की थी घोषणा

15 नवंबर 2023 को झारखंड के खूंटी से पीएम मोदी ने पीवीटीजी डेवलपमेंट मिशन की घोषणा की थी. इसका मकसद कमजोर आदिवासी समूहों (पीवीटीजी) की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है. मिशन में पिछड़ी अनुसूचित जनजातियों के लिए बस्तियों में सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल व स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य व पोषण, सड़क तक बेहतर पहुंच जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल है.

क्या कहते हैं टोला के बच्चे

- बैजू बिरहोर (12) ने कहा कि यहां रहने में डर लगता है.
- अंकित बिरहोर(12) का कहना है कि ब्लास्टिंग से घर हिल जाता है रात दिन शोर होता है, धूल उड़कर हमलोगों के भोजन में मिल जाता है. इसे खाकर हम बीमार हो रहे हैं.
- अशु बिरहोर (11)ने भी कहा कि हमलोगों की कोई मदद नहीं कर रहा है.

बैजू बिरहोर

अशु बिरहोर व अंकित बिरहोर

सीएम ने 2454 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया

30 हजार रिक्त पद भरेंगे: सीएम

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि आने वाले 3 से 4 महीनों में 30 हजार रिक्त पदों को भरा जाएगा. यह घोषणा गुरुवार को सीएम चंपाई सोरेन ने 2454 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देने के दौरान किया. मौके पर सीएम द्वारा स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक (पीजीटी) बायोलॉजी के 253, केमिस्ट्री के 259, फिजिक्स के 313 और भूगोल के 195 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिले. वहीं, नगर विकास और आवास विभाग के पाइपलाइन इंस्पेक्टर के लिए 15, स्ट्रीट लाइट इंसपेक्टर के 55 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया. कृषि विभाग के कनीय अभियंता के 9 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया है. खान निरीक्षक के 34 अभ्यर्थी हैं. विद्युत विभाग के कनीय अभियंता के 53 और पथ निर्माण विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग के 1268 सिविल अभियंता को नियुक्ति पत्र दिया गया. राज्यसभा सांसद महुआ माजी, प्रधान सचिव सुनील कुमार, सचिव प्रशांत कुमार, राजेश शर्मा, सचिव अबू बकर सिद्दीकी, सचिव अरवा राजकमल, सचिव उमाशंकर सिंह, निदेशक शशि रंजन समेत अन्य शामिल रहे.

जनजातीय भाषाओं के शिक्षकों की भी बहाली : सीएम ने कहा जल्द जनजातीय भाषाओं के शिक्षकों की भी बहाली होगी. प्राथमिक विद्यालयों में जनजातीय भाषा की पढ़ाई शुरू होगी.

रांची में आयोजित कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र देते सीएम चंपाई सोरेन.

सीएम ने मेधा डेयरी प्लांट का किया शिलान्यास

किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

जमशेदपुर। जमशेदपुर के मानगो बालीगुमा में गुरुवार को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने मेधा डेयरा प्लांट का शिलान्यास किया. 68 करोड़ की लागत से बनने वाले इस डेयरी प्लांट से प्रतिदिन 50 हजार लीटर दूध का उत्पादन हो सकेगा, जिससे शहर और आस-पास में दूध की कमी पूरी होगी. शिलान्यास के दौरान कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी, बहरागोड़ा विधायक समीर महंती पोटका विधायक संजीव सरदार समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे. मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि इस डेयरी प्लांट के शुरु होने से शहर में दूध की समस्या खत्म हो जाएगी.

मुख्यमंत्री ने रखी मानगो फ्लाईओवर की आधारशिला

जमशेदपुर। जमशेदपुर के मानगो को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए गुरुवार को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने मानगो फ्लाईओवर की आधारशिला रखी. यह फ्लाईओवर मानगो में स्वर्णरेखा नदी के ऊपर से बनेगा, जिसके लिए कुल लागत 252 करोड़ रुपये आएगी. मानगो के डिमना रोड और न्यू पुरुलिया रोड की तरफ से कंपनी के कर्मचारियों और अधिकारियों ने लेवलिंग का काम शुरू कर दिया है पथ निर्माण विभाग के इंजीनियरों ने बताया कि 18 महीने के अंदर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य पूरा कर लेना है.

गाजिया में खरकई व संजय तट पर बांध का शिलान्यास

आदित्यपुर। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने गुरुवार को अपने ही विधानसभा सभा क्षेत्र के गम्हरिया प्रखंड अंतर्गत गाजिया बराज में मुख्य रूप से खरकई और संजय नदी तट पर उज्जैनपुर से अवलाटांड़ चमारू तक एफलेक्स बांध और भीमखांदा माइक्रो लिफ्ट पाइप लाइन सिंचाई योजना समेत 356 करोड़ रुपये की 84 छोटी बड़ी योजनाओं का शिलान्यास किया. स्वागत भाषण सुवर्णरेखा परियोजना के अभियंता प्रमुख नागेश मिश्रा ने किया. उन्होंने कहा कि आज गजिया बराज से 3 हजार हेक्टेयर जमीन को सालों भर पानी देने की योजना का शिलान्यास हो रहा है.- शेष 7 पर देखें

वे दिन हवा हुए जब पसीना गुलाब था

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

राजनीति में आलाकमान कल्चर कांग्रेस की ही देन है. कांग्रेस में आलाकमान की नजर से ही सब कुछ होता था.

इस समय प्रकृति और राजनीति दोनों अठखेलियां खेल रही हैं. प्रकृति वसंत के आगोश में समायी हुई है. लेकिन राजनीति में अभी पतझड़ ही चल रहा है. समुद्र तट से लेकर पहाड़ों तक उत्तर-दक्षिण, पूरब-पश्चिम चारों तरफ तकरार जारी है. खास तौर से विपक्षी दलों में. आये दिन पत्ते झड़ रहे हैं. कांग्रेस को ही देख लीजिए. लगता है पेड़ ही ठूठ हो जायेगा. एक समय था, आलाकमान हवाई अड्डे से मुख्यमंत्री बदल देता था और कोई चूं नहीं करता था. गजब की हनक थी. आलाकमान नेताओं को ताश की गड्डी की तरह फेंटता रहता था और जिसे चाहता था जोकर बना देता था. राजनीति में आलाकमान कल्चर कांग्रेस की ही देन है. कांग्रेस के इसी चमत्कारिक स्वभाव के कारण एक बार अटल बिहारी वाजपेयी ने कह दिया था कि कांग्रेस अपने मुख्यमंत्रियों को चपरासियों की तरह हटा रही है. अगली जनसभा में उन्हें चपरासियों ने घेर लिया. उन्होंने कहा कि आप हमारा अपमान कर रहे हैं. माफी मांगिए. हमें हटाने के लिए नोटिस देना पड़ता है. कांग्रेस में आलाकमान की नजर से ही सब कुछ होता था, क्या समय था. खुर्शीद अकबर की मानें तो-

सरों पर ताज रखे थे, कदम पर तख्त रखा था
वो कैसा वक्त था, मुट्ठी में सारा वक्त रखा था

कोई नजर में चढ़ जाता था, कोई नजर से गिर जाता था. किसी पर नजर टेढ़ी हो जाती थी तो कोई नजर की सीध में आ जाता था. उसके नजर उठाने और गिराने से ही सियासी मौसम बदल जाता था. बड़े-बड़े तुर्रम खां भीगी बिल्ली बने रहते थे. दरबार में कोर्निश बजाते भी थे तो चेहरे पर झिल्ली ही पड़ी रहती थी. पता नहीं आलाकमान किस पर रीझ जाये और किस पर खीझ जाये. सियासत में चर्चा-ए-कयामत आलाकमान के जलवे से ही शुरू होती थी और उसी के इशारे पर खत्म हो जाती थी. लेकिन अब बेदर्द सियासत ने बेहाल कर दिया है. वे दिन हवा हुए जब पसीना गुलाब था.

कवि भूषण ने शिवाजी के हमलों से खौफ में जी रही बेगमों की दुर्दशा के बारे में लिखा है कि तीन बेर खाती थी, वे तीन बेर खाती हैं. यानी जो तीन बार खाना खाती थीं, वे तीन बेर (फल) खाकर ही गुजारा कर रही हैं. संभव है कि यह किसी को अतिश्योक्तिपूर्ण लगे, लेकिन कांग्रेस महज दस वर्षों में निहत्था हो जायेगी, यह कल्पनातीत है. हालत यह है कि उसके सबसे बड़े नेता अपनी पुश्तैनी सीट अमेठी, रायबरेली से लड़ने से घबरा रहे हैं. नेहरू जी की फूलपुर सीट पर कांग्रेस दावा तक नहीं कर रही है. जो उत्तर प्रदेश कांग्रेसी दिग्गजों का गढ़ रहा है, वहां यह पार्टी सपा की कृपापात्र बन कर रह गयी है. गोविंद बल्लभ पंत, सुचेता कृपलानी, संपूर्णानंद, चंद्रभानु गुप्त, कमलापति त्रिपाठी, वीर बहादुर सिंह, नारायण दत्त तिवारी जैसे दिग्गजों की ही नहीं, मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी, राहुल की कर्मभूमि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस हताश है, निराश है. उसे सपा से मिली डेढ़ दर्जन सीटों पर भी कायदे के उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं. - शेष पेज 7 पर देखें

स्पैनिश महिला से गैंगरेप मामला

झारखंड हाईकोर्ट ने सरकार से मांगी विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट

संवाददाता। रांची

झारखंड के दुमका जिले में स्पैनिश मूल की महिला के साथ गैंगरेप की घटना पर स्वतः संज्ञान से दर्ज मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में हुई. हाईकोर्ट के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एस चंद्रशेखर एवं जस्टिस नवनीत कुमार की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को विस्तृत आंकड़े के साथ-साथ इस मामले में की गयी कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का दिया निर्देश दिया है. अदालत ने पूछा है कि विदेशी पर्यटकों के राज्य की सीमा में प्रवेश की जांच के साथ उनके सुरक्षा व सहायता के लिए राज्य सरकार ने किस प्रकार का एसओपी जारी की है. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को यह बताया गया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

दुमका में हुई थी घटना

पिछले शुक्रवार को दुमका जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के कुरुमाहाट में बाइक टूर पर निकली स्पैनिश मूल की महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था. स्पैनिश महिला अपने पति के साथ बाइक पर निकली थी. रात में जंगल में रुक गई थी, तभी घटना घटी.

पलामू राजद और कोडरमा माले को देने पर बनी सहमति, चाईबासा गया झामुमो के खाते में, लोहरदगा से दावा छोड़ा झामुमो

मिशन लोस चुनाव : इंडी गठबंधन के सीट शेयरिंग का खाका तैयार

कौशल आनंद । रांची

इंडिया गठबंधन का लोकसभा चुनाव में सीट शेयरिंग का खाका दलों ने तैयार कर लिया है. सीट शेयरिंग को लेकर मिली जानकारी के अनुसार नए समीकरण के तहत राजद को पलामू और कोडरमा माले को दिया जा सकता है. जबकि चाईबासा सीट पर झामुमो का दावा रंग ले आया है.

गीता कोड़ा के भाजपा में चले जाने के बाद यह सीट कांग्रेस झामुमो को देने पर सहमति प्रदान कर दी है. इसके बदले पूर्व में झामुमो का दावा वाली सीट लोहरदगा छोड़ने को राजी हो गया है. हालांकि अभी एक पेंच बना हुआ है. राजद केवल पलामू सीट पर राजी नहीं हो रहा है. इसलिए कांग्रेस और झामुमो एक और राजद नेता तेजस्वी यादव से बात करेंगे. इसके बाद सहमति बनने की उम्मीद है. इंडिया गठबंधन चुनाव की घोषणा होने के बाद सीट शेयरिंग और प्रत्याशियों का एलान करेगी.

खास बातें

- प्रत्याशियों का ऐलान चुनाव घोषणा के बाद करेंगे दल
- राजद केवल पलामू सीट पर तैयार नहीं हो रहा है

झामुमो बिहार की सीटों को लेकर राजद पर बना रहा है दबाव

झामुमो राजद को इस बात को लेकर दबाव बना रहा है कि अगर चतरा सीट पर वह दावा नहीं छोड़ता है तो इसके बाद बिहार में झामुमो सीट का दावा करेगी. ऐसे पूर्व में ही दिल्ली की बैठक के दौरान झामुमो ने बिहार की जमुई सीट पर अपने दावेदारी की है. अगर राजद केवल पलामू पर राजी नहीं होता है तो वह राजद से जमुई सीट पर अड़ सकता है. इसलिए जमुई पर ही राजद के लिए चतरा सीट की दावेदारी टिकी है.

झामुमो ने बंगाल और ओडिशा में भी किया है एक-एक सीट पर दावा

इसके अतिरिक्त झामुमो ओडिशा के मयूरभंज और बंगाल की झारग्राम सीट पर भी कांग्रेस से दावेदारी प्रस्तुत कर चुका है. मगर कांग्रेस की ओर से अभी तक हरी झंडी नहीं मिल रही है. क्योंकि अभी बंगाल को लेकर टीएमसी से सीट शेयरिंग पर बात पटरी पर नहीं आयी है. वैसे मिल रही जानकारी के अनुसार टीएमसी बंगाल में कांग्रेस को छह से सात सीट देने पर राजी हो गया है, जबकि वामदल अकेले ही बंगाल में चुनाव लड़ेंगे. यह सहमति पूर्व में ही बन चुकी है. इसके पीछे की वजह टीएमसी और वामदल बंगाल में एक दूसरे के कट्टर विरोधी हैं, इसलिए दोनों का वोट एक दूसरे में कन्वर्ट होने की संभावना नहीं है. अगर वामदल इंडी गठबंधन के तहत चुनाव लड़ते हैं तो इसका फायदा भाजपा को होगा. इसलिए अंततः वामदल अकेले चुनाव लड़े, इस पर सहमति बन चुकी है.

माले से विनोद सिंह या राजकुमार यादव हो सकते हैं कोडरमा से प्रत्याशी

कोडरमा से विनोद सिंह या पार्टी के पुराने प्रत्याशी राजकुमार यादव भाजपा के अन्नपूर्णा देवी के खिलाफ उतारा जा सकता है. झामुमो और कांग्रेस कोडरमा के अलावा और कोई सीट वामदल को देने के मूड में नहीं है. वामदल पहले से ही हजारीबाग, कोडरमा, धनबाद, राजमहल सीट पर दावेदारी करते आया है.

हजारीबाग से वैश्य के खिलाफ वैश्य प्रत्याशी ही देने का प्लान

हजारीबाग से चूंकि भाजपा ने एक वैश्य समुदाय के प्रत्याशी मनीष जायसवाल को उतार दिया है. इसलिए कांग्रेस इस सीट से अब किसी वैश्य प्रत्याशी को उतारने की तैयारी कर रही है. जिसमें बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद का नाम सबसे उपर चल रहा है. वैसे गोपाल साहू भी रेस में हैं.

धनबाद में कांग्रेस पूर्णिमा नीरज सिंह को मैदान में उतार सकती है

वैसे तो धनबाद से कई टिकट के दावेदार हैं, जिसमें ददई दूबे, अजय दूबे मन्नान मल्लिक प्रमुख हैं. मगर इस सीट से कांग्रेस किसी नए चेहरे को उतारना चाहती है. इसमें झरिया से कांग्रेस विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह को उतार सकती है. हलांकि पूर्णिमा नीरज सिंह पर भाजपा भी डोरे डाल रही है

इंडिया गठबंधन सीट शेयरिंग का नया समीकरण

कांग्रेस : गोड्डा, धनबाद, रांची, खूंटी, चतरा, हजारीबाग.

झामुमो : चाईबासा, दुमका, राजमहल, गिरिडीह, लोहरदगा.

राजद : पलामू

माले : कोडरमा

नोट : जमशेदपुर पर अभी सस्पेंस कायम है, इस सीट पर झामुमो-कांग्रेस दोनों की नजर है.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने चुनाव को लेकर राज्यस्तरीय समीक्षा की

फेक न्यूज व भ्रामक पोस्ट पर निगरानी रखें : के. रवि कुमार

प्रमुख संवाददाता । रांची

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर राज्य के मतदान केंद्रों पर आवश्यक बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित होने से बेहतर परिणाम सामने आएंगे. मतदाता मतदान केंद्र पर ज्यादा से ज्यादा पहुंचेंगे. इससे मतदान प्रतिशत बेहतर हो सकेगा. इसके लिए सभी को सकारात्मक सोच के साथ आपसी समन्वय से काम करने की आवश्यकता है. निर्वाचन कार्य में सभी ईमानदारी पूर्वक कर्तव्य निर्वहन करें. सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी अपने-अपने जिले में चल रहे निर्वाचन से संबंधित कार्यों को ससमय पूर्ण करें. निर्वाचन के कार्य में किसी प्रकार की कोताही अक्षम्य है. ये बातें झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के.रवि कुमार ने कही. वे गुरुवार को लोकसभा चुनाव 2024 के अंतर्गत अबतक की गई तैयारियों को लेकर रांची के होटल बीएनआर चाणक्य में आयोजित राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे. बैठक में जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- उपायुक्त, आईजी, डीआईजी, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक आदि निर्वाचन कार्य से जुड़े वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे.

मतदान केंद्रों को मॉडल बूथ के रूप में तैयार करें : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्य के सभी मतदान केंद्रों को आदर्श मतदान केंद्र के रूप में तैयार किया जाना है. उन्होंने सभी बूथों पर दिव्यांग मतदाता, महिला एवं पर्दानशी मतदाता, वरिष्ठ मतदाता की सहायता के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश दिया. उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य गर्मी के मौसम में हो रहा है, ऐसे में सभी मतदान केन्द्रों पर शेड एवं पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाएं, ताकि मतदाताओं को कोई असुविधा नहीं हो. शहरी मतदाता के लिए मतदान केंद्रों के समीप ही पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चत करें. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बीएलओ द्वारा उनके मतदान केंद्रों पर की गई बेहतर व्यवस्था के लिए सम्मानित कर प्रेरित करने का निदेश दिया.

मतदान दिवस को महापर्व के रूप में मनाएं

- बूथ पर आवश्यक बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित कराने से बेहतर रिजल्ट आएंगे
- **निर्वाचन से संबंधित कार्यों को ससमय पूर्ण करें जिला निर्वाचन पदाधिकारी**
- लोकसभा चुनाव में राज्य के सभी मतदान केंद्रों को मॉडल बूथ के रूप में करें तैयार
- **गर्मी के मद्देनजर मतदान केन्द्रों पर शेड एवं पेयजल की व्यवस्था करें सुनिश्चित**
- मतदान केंद्रों पर की गई बेहतर व्यवस्था के लिए बीएलओ होंगे सम्मानित

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदान दिवस के दिन को सभी मतदाता लोकतंत्र के महापर्व के रूप में मनायें. सभी मतदाता महापर्व में भागीदार बनें, इसके लिए लोगों के बीच संदेश प्रसारित एवं प्रचारित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर ऐसी व्यवस्था व माहौल तैयार करें, जैसे कि जिस खुशी व उल्लास के साथ लोग पर्व त्योहार मनाते हैं, उसी प्रकार मतदाता उत्साहपूर्वक मतदान दिवस के दिन मतदान केन्द्रों पर पहुंचे और मतदान करें.

पुलिस पदाधिकारी विधि व्यवस्था रखें सख्त

मुख्य निर्वाचन पदा. ने निर्वाचन कार्य के दौरान विधि-व्यवस्था सख्त रखने का निर्देश सभी पुलिस पदाधिकारियों को दिया. उन्होंने शराब व नगदी अवैध आवागमन पर कड़ी निगरानी रखते हुए सख्ती से रोक लगाने का निदेश दिया. साथ ही सोशल मीडिया पर फेक न्यूज व असामाजिक तत्वों द्वारा किये जा रहे भ्रामक पोस्ट पर निगरानी रखते हुए प्रावधान अनुरूप सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

प्रतिबंधित सामग्रियों के आवागमन पर रोक

आईजी ऑपरेशन सह झारखंड पुलिस के राज्य नोडल पदाधिकारी एवी होमकर ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सभी जिले में पुलिस पदाधिकारियों द्वारा की गई तैयारियों एवं कार्रवाई की भी समीक्षा की गई. विधि व्यवस्था संधारण तथा निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराने को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण करने का निर्देश पुलिस पदाधिकारियों को दिया गया है. उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में की जाने वाली कार्रवाई एवं अर्धसैनिक बल से कार्रवाई की अपेक्षाएं, सीमावर्ती राज्यों के साथ समन्वय, बॉर्डर चेक पोस्ट पर अबतक की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई. साथ ही नगदी, नकली एवं अवैध शराब, नशीले एवं अन्य प्रतिबंधित सामग्री की तस्करी व आवागमन पर पूर्ण रोक के लिए विशेष कार्य योजना तैयार की जा रही है। इसके लिए सभी पुलिस पदाधिकारी को निदेशित किया गया है. भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के आलोक में सभी पुलिस पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है. उन्होंने कहा कि पुराने वारंटी, अपराधियों एवं निर्वाचन कार्य को प्रभावित करनेवालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की गई. बैठक में पावर प्रजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा अपने जिले में चल रहे निर्वाचन कार्य से संबंधित अबतक की गई तैयारियों के बारे में जानकारी दी.

15 जिलों के एसपी को चुनाव कराने का अनुभव नहीं है

संवाददाता । रांची

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर झारखंड में समीक्षा बैठक का दौर जारी है. एक तरफ जहां पुलिस मुख्यालय द्वारा सभी जिलों के एसपी को चुनाव से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया, वहीं दूसरी तरफ झारखंड निर्वाचन आयोग भी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गया है. लेकिन झारखंड के कुल 24 जिलों में से 15 जिलों के पास एसपी के रूप में चुनाव कराने का अनुभव नहीं है. ऐसे में राज्य में भयमुक्त माहौल में चुनाव संपन्न कराने को लेकर जिलों के एसपी, एसएसपी के साथ लगातार समीक्षा बैठक की जा रही है.

होटल बीएनआर में हुई समीक्षा बैठक : चुनाव आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन को लेकर कितनी तैयारियां हुई है और उनकी स्थित क्या है, ये जानने के लिए रांची के बीएनआर होटल में आज गुरुवार को एक हाई लेवल समीक्षा बैठक आयोजित की गयी. इस बैठक निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के साथ-साथ चुनाव कार्यों में लगे राज्य के सभी आईजी, डीआईजी, डीसी, एसएसपी, एसपी सहित डीईओ और नोडल अधिकारी मौजूद रहे. बीएनआर में आयोजित इस बैठक में पुलिस मुख्यालय के कई अधिकारी और आईजी ऑपरेशन भी मौजूद है. बैठक का मुख्य उद्देश्य

नोडल पदाधिकारी ने दिया प्रशिक्षण

बीते तीन मार्च को राज्य के सभी रेंज आईजी, डीआइजी, एसएसपी/एसपी और डीएसपी को भी लोकसभा चुनाव को लेकर नोडल पदाधिकारी ने प्रशिक्षण दिया था. लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस को कई तरह की तैयारी करनी है. पुलिस पर सुरक्षा बलों की तैनाती, नकल अभियान, बूथ प्रबंधन के साथ-साथ प्रधान मंत्री सहित विभिन्न स्टार प्रचारकों की सुरक्षा की जिम्मेवारी है.

चुनाव आयोग ने जारी किये हैं निर्देश

लोकसभा चुनाव के दौरान लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति, खासकर नक्सली इलाकों में मतदान कैसे कराया जाये, पिछले दिनों चुनाव के दौरान किस तरह की गड़बड़ी का सामना करना पड़ा, किन इलाकों में कौन से नक्सली ग्रुप सक्रिय हैं और उनसे कैसे निपटना है, चुनाव आयोग ने इस संबंध में निर्देश जारी किये हैं.

राज्य में भयमुक्त माहौल में चुनाव संपन्न कराना था. साथ ही सुरक्षा, मतदान केंद्रों, संवेदनशील इलाकों और नक्सल प्रभावित इलाकों में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव कराने को लेकर तैयारियों पर था.

पदस्थापन को लेकर चुनाव आयोग ने जारी की सूची

रांची । लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा 10 मार्च के बाद कभी भी हो सकती है. वहीं प्रशासनिक अधिकारी चुनाव की तैयारी में युद्ध स्तर पर लगे हैं. हालांकि जिन अधिकारियों पर चुनाव कार्यों को संपन्न कराने की जिम्मेवारी होती है, उसमें से कई का तबादला चुनाव आयोग के नए निर्देश पर किया जाता है. जानकारी के अनुसार, इसकी तैयारी भी विभाग और कार्मिक के स्तर पर की जा रही है.

जानें किस संसदीय क्षेत्र में कौन-कौन से जिले आते हैं

रांची : रांची और सरायकेला.

हजारीबाग : हजारीबाग, कोडरमा और रामगढ़

चतरा : चतरा, लातेहार और पलामू

पलामू : पलामू और गढ़वा

लोहरदगा : लोहरदगा, रांची और गुमला

खूंटी : खूंटी, चाईबासा, रांची, सरायकेला, सिमडेगा और गुमला

सिंहभूम : चाईबासा और सरायकेला

जमशेदपुर : जमशेदपुर

धनबाद : धनबाद और बोकारो

गिरिडीह : गिरिडीह, बोकारो और धनबाद

कोडरमा : कोडरमा, हजारीबाग और गिरिडीह

गोड्डा : गोड्डा, देवघर और दुमका

दुमका : दुमका, जामताड़ा और देवघर

राजमहल : साहिबगंज, पाकुड, दुमका और गोड्डा

बजट से 12 हजार करोड़ रुपये हो सकता है सरेंडर

रवि भारती । रांची

चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के समाप्त होने में 23 दिन ही शेष बचे हैं. ऐसे में राज्य सरकार के लिए बजट की राशि खर्च करना बड़ी चुनौती है. 2023-24 के लिए 116418.00 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान है. इसमें से अब तक 69070 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं. जानकारी के अनुसार इस बार भी 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि सरेंडर होने की संभावना जताई जा रही है. वहीं सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष के दौरान विकास योजनाओं के लिए बजट में निर्धारित राशि अनुपूरक के माध्यम से बढ़ायी. हालांकि जनवरी तक सिर्फ 54 फीसदी राशि ही खर्च हो पायी है. इस स्थिति को देखते हुए वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन विकास मद में खर्च की जानेवाली निर्धारित राशि में से 16500.00 करोड़ रुपये के सरेंडर होने का अनुमान है.

गृह और ऊर्जा विभाग खर्च करने में आगे

वर्तमान में गृह और ऊर्जा विभाग खर्च करने में आगे हैं. गृह विभाग के लिए 7553.86 करोड़ रुपये बजट का प्रावधान था, जिसमें से 6183.51 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है. वहीं ऊर्जा विभाग ने 15635 करोड़ रुपये में 14344.38 करोड़ रुपये खर्च किए हैं. प्राथमिक शिक्षा में 7244.5 करोड़ में से 5600 करोड़ और माध्यमिक शिक्षा के 3672.71 करोड़ में से 2723.78 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं. महिला बाल विकास विभाग ने 5896.47 करोड़ में से 4905.98 करोड़ रुपये खर्च किए हैं.

विभाग	बजट (करोड़ में)	खर्च (करोड़ में)
तकनीकी शिक्षा	455.94	255.29
परिवहन	224.36	129.90
नगर विकास	1717.03	792.90
जलसंसाधन	1664.51	1268.64
लघु सिंचाई	313.60	236.16
ग्रामीण कार्य	3414.20	2377.59
पंचायती राज	640.50	355.11
माध्यमिक शिक्षा	3672.71	2723.78
प्राथमिक शिक्षा	7244.15	5600.00
महिला बाल विकास	5896.47	4905.98
कृषि	2007.91	963.19
पशुपालन	407.34	258.11
भवन निर्माण	655.91	437.09
कैबिनेट	91.25	64.33
राज्यपाल सचिवालय	16.35	11.11
मंत्रिमंडल निर्वाचन	268.78	207.50
सहकारिता	650.31	532.71
ऊर्जा	15635.47	14344.38
वित्त	160.54	74.22
खाद्य आपूर्ति	1897.48	1067.89
वन पर्यावरण	1354.94	698.01
स्वास्थ्य	4898	3408.81
उच्च शिक्षा	1595.58	1378.12
गृह	7553.86	6183.51
उद्योग	603.65	217.51
सूचना जनसंपर्क	383.71	263.24
श्रम	937.19	706.48
खान	60.39	33.73
जेपीएससी	37.67	11.71
पेयजल	3836	3438.39
निबंधन	33.35	20.20
पथ	5627.66	3807.68
ग्रामीण विकास	3651.53	2919.74

झारखंड में ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर अब आवाज भी उठने लगी

सौरभ सिंह । रांची

लोकसभा चुनाव से पहले झारखंड में जमकर तबादले किये जा रहे हैं. इन ट्रांसफर-पोस्टिंग में नियमों को ताक पर भी रखा जा रहा है, जिसके खिलाफ अब आवाज भी उठने लगी है. गिरिडीह के खोरी महुआ डीएसपी साजिद जफर ने स्थानांतरण को अन्यायपूर्ण निर्णय बताकर इस्तीफा देने की बात तक कह दी है. उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि तबादले का अन्याय पूर्ण फैसला देखकर मैंने नौकरी से इस्तीफा देने के फैसला लिया है. यह पहला मामला नहीं है, जब किसी डीएसपी रैंक के अधिकारी ने तबादले के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकाली थी. इससे पहले भी डीएसपी रैंक के अधिकारी सोशल मीडिया पर तबादले के खिलाफ अपनी आवाज उठायी थी.

डीएसपी किशोर रजक ने भी सोशल मीडिया पर निकाली थी भड़ास : डीएसपी किशोर कुमार रजक ने भी 20 फरवरी 2019 को ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर फेसबुक पर अपनी भड़ास निकाली थी. डीएसपी किशोर रजक ने अपने फेसबुक वॉल पर लिखा था कि वे मानसिक तनाव में हैं, उनका जीवन अस्थायी हो चुका है जिस वजह से वे काम नहीं कर पा रहे हैं. लिखा था कि बचपन से जातीय भेदभाव का शिकार नहीं हुआ था. अब पढ़ लिखकर कुछ बना हूं तो धीरे-धीरे अपनी सदियों से वंचित जाति के होने का एहसास कर रहा हूं. जोश, ऊर्जा, ईमानदारी, मेहनत, मेरिट ये सब बकवास लगने लगा है. यदि पैसा, पैरवी और किसी खास जाति का होना ही मेरिट है तो इसे कहां से लाऊं. विशिष्ट इंडिया रिजर्व बटालियन (एसआईआरबी)-2 खूंटी में दो डीएसपी की एक महीने पहले ही पोस्टिंग हुई थी. उनलोगों का कल ट्रांसफर हो गया. एसआईआरबी में अभी मैं ही हूं सिर्फ. असम, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान ड्यूटी के लिए भेजा जा चुका हूं. झारखंड के भी कई जिलों में ड्यूटी कर चुका हूं. अब कब कहां ड्यूटी के लिए भेजा जायेगा पता नहीं. बाकी मित्र की तरह स्थायी रूप से काम नहीं कर पा रहा हूं. मानसिक रूप से परेशान हूं. जय हिंद! जय भारत. उनके ऊपर लगे आरोपों को प्रमाणित मानते हुए राज्य सरकार ने उनकी दो वेतन वृद्धि असंचयात्मक प्रभाव से रोकने का आदेश दिया था. साथ ही 27 सितंबर 2019 को शुरू की गयी विभागीय कार्यवाही को निस्तार भी कर दिया गया था.

तबादले से कई पुलिस अधिकारियों में नाराजगी

सरकार ने बीते दिनों सैकड़ों की संख्या में पुलिस अधिकारियों का तबादला किया. इनमें से कई ऐसे पुलिस अधिकारी हैं, जिन्होंने ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर नाराजगी जताई है. नाम नहीं छापने के शर्त पर कई अधिकारियों ने बताया कि लंबे समय से सेटिंग में थे, इस बार भी सेटिंग पोस्टिंग मिली है.

कई ऐसे जिले जहां 5 से 8 माह में बदल दिये एसपी

झारखंड के कुछ जिलों में बीते दिनों एसपी का तबादला किया जा गया है. लेकिन राज्य के कई ऐसे जिले हैं, जहां पांच से आठ माह के अंदर ही एसपी बदल दिये गये हैं. इनमें बोकारो, गुमला और देवघर जिला शामिल है. हालांकि देवघर में सुभाष चंद्र जाट के बाद से तुरंत-तुरंत एसपी बदलने का सिलसिला रुका है.

जमीन हस्तांतरण मामले में कोर्ट ने मांगा जवाब

रांची । एनटीपीसी द्वारा फर्जी ग्राम सभा कर फॉरेस्ट क्लीयरेंस का एनओसी लेने के मामले की जांच के लिए दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने तीन सप्ताह में केंद्र सरकार, राज्य सरकार और एनटीपीसी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण राय की बेंच में हुई. इस पूरे मामले को लेकर हजारीबाग के रहने वाले मंटू सोनी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है.

राष्ट्रपति से मिलेगा इंडिया गठबंधन का प्रतिनिधिमंडल

रांची । इंडिया गठबंधन के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने के लिए समय मांगा है. इसको लेकर झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडे ने राष्ट्रपति के सचिव को पत्र लिखा है. पत्र में लिखा गया है कि झारखंड के मंत्री, सांसद, विधायक और वरिष्ठ नेता राष्ट्रपति से मिलना चाहते हैं. अतः प्रतिनिधिमंडल को मिलने के लिए समय निर्धारित किया जाये. इसकी जानकारी खुद विनोद कुमार पांडे ने दी है.

कोर्ट की सुरक्षा को लेकर रेंज के डीआईजी मुख्यालय को देंगे रिपोर्ट

संवाददाता । रांची

कोर्ट की सुरक्षा को लेकर रेंज के डीआईजी पुलिस मुख्यालय को रिपोर्ट देंगे. कोर्ट सुरक्षा को लेकर यह निर्देश पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी हुआ है. सभी कोर्ट परिसर और आवासीय परिसर में सीसीटीवी लगाने का काम किया जा रहा है. पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वह जैप आईटी से संपर्क स्थापित कर हर हाल में 31 मार्च तक सीसीटीवी लगाने का कार्य पूरा कर लें. रेंज डीआईजी को निर्देश दिया गया है कि वे अगले 10 दिनों के भीतर सभी न्यायालय में सुरक्षा व्यवस्था का औचक निरीक्षण करेंगे. इस दौरान अगर कोई कमी पाई जाती है, तो उसकी विस्तृत रिपोर्ट बनाकर पुलिस मुख्यालय को समर्पित करेंगे.

CLASSIFIED

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in शुक्रवार 08 मार्च 2024 फाल्गुन कृष्ण पक्ष 13 , संवत 2080 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ वर्ष : 1, अंक : 320 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

अपने देश को स्वर्ण पदक दिलाने वाली महिला खिलाड़ी सड़क पर सब्जी बेचने को मजबूर

गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ी अब सब्जी बेच खींच रही परिवार की गाड़ी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

सैयद रमीज जावेद । रांची

वॉलीबॉल खिलाड़ी है दिव्यांग पुष्पा मिंज 2023 में अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप में गोल्ड दिलाया था, मगर सरकारी उपेक्षा के कारण अब झेल रही है आर्थिक तंगी, सड़क पर कर रही काम

आठ मार्च यानि महिला दिवस. इस दिन सरकार से लेकर राजनेता, सामाजिक संगठन के लोग महिलाओं के सम्मान और बढ़ावा देने के लाख दावे करते हैं, लेकिन यह दावा सिर्फ एक दिन के लिए रहता है.

फिर साल भर बाद फिर से यही रिपीट होता है, लेकिन ये दावे कभी हकीकत में नहीं बदलते. महिलाएं हर क्षेत्र में अपने दम-खम पर आगे बढ़ती है. लाखों-करोड़ों लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन चुकी झारखंड की बेटी पुष्पा मिंज की कहानी कुछ अलग है. देश को गोल्ड मेडल दिलाने वाली पुष्पा आज सड़क पर सब्जी बेच रही है. उसकी ओर अब तक न सरकार की नजर गई, न ही महिलाओं के विकास का दंभ भरने वाले सामाजिक संगठन आगे आए. हालांकि इस काम से उसे कोई परेशानी नहीं है, मगर उसका मन तो खेल के मैदान में ही रहता है, जहां उसके सपने साकार होते हैं. उसकी प्रतिभा निखर कर आती है. उसके खाते में कई मेडल हैं. आज सारे मेडल बेकार साबित हो रहे हैं.

आर्थिक तंगी से मजबूर है यह अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी

रांची के रेलवे ट्रैक के पास किराए के मकान में रहने वाली अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पुष्पा मिंज आर्थिक तंगी झेल रही है. पेट पालने के लिए पुष्पा कडरू ब्रिज के नीचे सब्जी बेचने को मजबूर है. दिव्यांग पुष्पा मिंज ने अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीता. नरकोपी की रहने वाली पुष्पा ने देश और राज्य का नाम रोशन किया. छोटे से गांव से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना किसी भी लिहाज से पुष्पा के आसान नहीं था. लेकिन देश की ये होनहार खिलाड़ी सब्जी बेचकर अपने परिवार का पालन पोषण करने पर मजबूर है.

प्रैक्टिस का खर्च जुगाड़ने के लिए बेचती हैं सब्जी

पुष्पा मिंज परिवार की गाड़ी खींचने के साथ अपनी प्रैक्टिस का खर्च भी सब्जी बेच कर निकाल रही है. कहती भी हैं कि हौसला कभी नहीं हारना चाहिए. सफलता एक दिन आपके कदम चूमेगी. पुष्पा ने अप्रैल 2023 में नेपाल में हुए अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप में भारत के दिव्यांग टीम ने गोल्ड जीतकर देश का नाम ऊंचा किया था. इसी टीम की पुष्पा मिंज को भी गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था, लेकिन जीवन यापन करने और प्रैक्टिस का खर्च उठाने के लिए पुष्पा रांची कडरू ब्रिज के नीचे सुबह पांच बजे से नौ बजे तक सब्जियां बेच रही है.

ब्रीफ खबरें

पूर्व सीएम हेमंत की न्यायिक हिरासत बढ़ी

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई है. अब वे 21 मार्च तक बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में ही रहेंगे. ईडी कोर्ट में न्यायिक हिरासत की अवधि पूरी होने पर गुरुवार को उनकी पेशी हुई. बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पीएमएलए की विशेष अदालत में उन्हें पेश किया गया. इसके साथ ही कोर्ट ने राजस्व कर्मचारी भानु प्रताप की भी न्यायिक हिरासत बढ़ायी है. बता दें कि जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं.

रांची-बनारस वंदे भारत 12 से चलेगी

रांची। झारखंड को एक और रांची से बनारस वंदे भारत की सौगात मिलनेवाली है. इस ट्रेन से रांची से बनारस का सफर साढ़े छह घंटे में तय होगा। पीएम नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे. इस ट्रेन की शुरुआत 12 मार्च को होगी. पीएम ट्रेन का उद्घाटन वर्चुअली करेंगे. रांची रेल मंडल ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है. इससे पहले दो वंदे भारत ट्रेन रांची से हावड़ा व पटना के लिए संचालित हैं. रांची-बनारस वंदे भारत ट्रेन रांची से सुबह 5.50 में खुलेगी और दोपहर 12.10 में बनारस पहुंचेगी. वहीं, दोपहर में 1.30 बजे बनारस से चलेगी.

अमित महतो सहित अन्य चार हुए बरी

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने सिल्ली के पूर्व विधायक और खतियानी पार्टी के अध्यक्ष अमित महतो, विशाल महतो, मधुसूदन महतो और हेमंत कुमार महतो को सड़क निर्माण कार्य में लगी कंपनी से रंगदारी मांगने के केस में साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है. इस मामले की सुनवाई अपर न्यायायुक्त दिनेश कुमार के कोर्ट में हुई. राज्य सरकार ने न्यायिक दंडाधिकारी के उस आदेश को चुनौती दी थी.

लॉटरी के अवैध कारोबार में तीसरे नंबर पर है जामाडोबा का तनवीर

परचून दुकानदार तनवीर बन बैठा लॉटरी माफिया

अवैध लॉटरी का कारोबार 3

रिजवान शम्स । धनबाद

- 150 से अधिक हॉकर बेचते हैं तनवीर के ब्रांड की लॉटरी, कभी चलाता था चाय-पान की दुकान
- धनबाद, पुरुलिया समेत कई स्थानों पर बनाई है करोड़ों की प्रॉपर्टी
- तनवीर का चचेरा भाई अली भी कमाई देख लॉटरी कारोबार में कूदा
- चर्चित ठेकेदार का पोता शमसू भी निकाल चुका है अपने ब्रांड की लॉटरी

नाबालिगों का इस्तेमाल, महिलाएं निशाने पर

इस इलाके में लॉटरी के धंधेबाजों ने महिलाओं को भी टारगेट करना शुरू कर दिया है. खबर के मुताबिक कुछ नाबालिगों को लॉटरी बेचने के काम में लगा दिया गया है. जो घरों में जाकर महिलाओं को टिकट बेचने का काम करता है. महिलाओं को लाखों रुपये इनाम उठने का लालच दिया जाता है और अब उनके बक्से में पाई-पाई जोड़ जमा की गई पूंजी पर डाकेबाजी शुरू हो गई है.

एक-दो इनाम देने के बाद करते हैं धोखाबाजी

लॉटरी कारोबार के ये शातिर अपन ब्रांड की लॉटरी जब बाजार में उतारते हैं तो मोटी कमिशन पर हॉकर सेट करते हैं, फिर शुरुआत में ही कई छोटे-छोटे प्राइज भी उठवा देते हैं और उसका खूब प्रचार करवाते हैं कि उसके ब्रांड में खूब इनाम उठ रहा है. इसके बाद फिर धोखेबाजी का खेल शुरू हो जाता है. कई बार तो ऐसा भी हुआ है कि प्राइज उठने के बाद इनाम की रकम देने और लेने में विवाद हो गया है. हालांकि जिस ब्रांड में विवाद की खबर आ जाती है, उस लॉटरी की बिक्री घट जाती है. इस कारण ये कारोबारी विवाद को सतह पर आने से रोक देते हैं.

ऐसे करते हैं इनाम में हेराफेरी...

चूंकि लॉटरी खुद छपवाना है और आज की तारीख में कंप्यूटर और लैपटॉप में सारा डिटेल एक ही क्लिक में हासिल हो जाता है, ऐसे में ये शातिर तकनीकी रूप से काफी सक्षम होकर काम करते हैं. इनकी बिक्री की हुई लॉटरी का सारा ब्योरा इनके लैपटॉप में रहता है, इसमें ये लोग आसानी से देख लेते हैं कि किस स्लॉट की टिकट कितनी बिकी है, इसके बाद इनाम की घोषणा की जाती है. बंगाल में बिकने वाली लॉटरी में जो नंबर खेलता है, कई लॉटरी संचालक उसी नंबर पर यहां भी इनाम रखते हैं, ताकि ये आरोप न लगे कि ये नंबर खुद से निकाला गया है, ताकि खेल में इमानदारी की झलक दिखे, लेकिन बंगाल की लॉटरी की ओरिजनल साइट के बजाय अपनी साइट लोगों को दे देते हैं, यह साइट लॉटरी में आने वाले इनाम के नंबर को बताता है, ओरिजनल साइट की हूबहू लेकिन नकली साइट बनाकर, मनमानी नंबर खिलवाकर इनाम की रकम डकार जाते हैं.

जेल भेजे जाएंगे लॉटरी बिक्रेता : राजेश

जोड़ापोखर के इंस्पेक्टर राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि उनके क्षेत्र में लॉटरी का अवैध कारोबार किसी भी कीमत पर चलने नहीं दिया जाएगा. जो लोग भी इस कारोबार में संलिप्त हैं, उनके पकड़कर सलाखों के अंदर डाला जाएगा. हालांकि उन्होंने कहा कि फिलहाल उनके क्षेत्र में ऐसे कारोबार की सूचना नहीं है.

तनवीर के बारे में बताया जा रहा है कि उसकी लॉटरी न सिर्फ जामाडोबा बल्कि भौंरा कोलियरी, डिगवाडीह, जोरापोखर, बरारी, लालबंगला, कालीमेला, फूसबंगला रमजानपुर आदि इलाकों में बेखौफ बेची जाती है. यहां दर्जनों लोग तनवीर के लिए हॉकर का काम करते हैं. जो प्रतिदिन लॉटरी लेकर निकलते हैं और फिर बेची गई लॉटरी की रकम जामाडोबा आवास पहुंच कर तनवीर को देते हैं.

तनवीर का चचेरा भाई अली का भी अपना ब्रांड : तनवीर के पड़ोस में रहने वाले उसके चचेरे भाई अली ने भी लॉटरी के कारोबार में मोटी कमाई देखी और उसमें कूद पड़ा. अब वो भी अच्छा खासा कारोबार कर रहा है. दोनों भाइयों का मकान एक दूसरे के ठीक अगल-बगल में है. अली के ब्रांड की लॉटरी भी इसी इलाके में खूब बिकने लगी है. अली के अलावा इस इलाके में एक बड़े चर्चित ठेकेदार के पोते ने भी लॉटरी के कारोबार को आत्मसात कर लिया है. शमसु नामक उक्त व्यक्ति भी इन दिनों काफी सक्रिय रहकर कारोबार फैला रहा है. हालांकि अभी उसका कद इन दोनों के मुकाबले में छोटा है, लेकिन कमाई की मलाई इसने भी चख ली है.

छह माह की गर्भवती को हाथी ने पटककर मार डाला

नोवामुंडी। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के सोसोपी गांव में जंगली हाथी ने गर्भवती महिला को पटककर मार डाला. जानकारी के अनुसार सोसोपी गांव निवासी बोर्जो बोबोंगा की पत्नी सुकुरमुनी तिउ गुरुवार की सुबह शौच के लिए जंगल गई थी. घर आने के क्रम में पीछे से आ रहे जंगली हाथी के घेरे में आ गई. हाथी ने उसे उठाकर पटक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई. महिला का पति को घटना की सूचना मिलते ही जंगल की ओर दौड़ा और देखा कि उसकी पत्नी के लाश के पास वही जंगली हाथी खड़ा है और उसने हाथी के हटने का इंतजार किया. हाथी के हटते ही पति ने अपनी मां की सहायता से अपनी पत्नी को उठाकर घर लाया. इसके बाद 108 एंबुलेंस की सहायता से जगन्नाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया, जहां डॉक्टर शर्मा के द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया. परिजनों ने महिला का पोस्टमार्टम के करने की बात कही. महिला के पति के अनुसार महिला लगभग 6 महीने की गर्भवती थी.

भाजपा से हरिहर व झामुमो से सरफराज होंगे रास के कैंडिटेट!

प्रमुख संवाददाता । रांची

झारखंड से राज्यसभा की उम्मीदवारी का पिक्चर लगभग क्लीयर हो गया है. राजनीति के गलियारों में चल रहे तमाम कयासों को भी विराम लग गया है. झामुमो की ओर से डॉ सरफराज अहमद ने और भाजपा की ओर से बड़े व्यवसायी हरिहर महापात्रा ने विधानसभा से नामांकन पत्र खरीदा है. साथ ही 10 हजार रुपये जमानत की राशि भी जमा की है. बताते चलें कि सरफराज अहमद ने कुछ महीने पहले गांडेय विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था. उसी समय से कयास लगाया जा रहा था कि सरफराज अहमद को राज्यसभा भेजा जाएगा.

कौन हैं हरिहर महापात्रा : हरिहर महापात्रा नाहर विमानन कंपनी स्पाइजेट से जुड़े हैं. उन्होंने स्पाइसजेट में 1,100 करोड़ रुपये का निवेश करके उसे आर्थिक संकट से उबारने में अहम भूमिका निभाई थी. इसके बाद हरिहर महापात्रा स्पाइसजेट में 19 फीसदी हिस्सेदार बन गए हैं. इस निवेश के बाद कंपनी के प्रमोटर अजय सिंह की हिस्सेदारी 56.49 फीसदी से कम होकर 38.55 फीसदी रह गई. हरिहर महापात्रा 2017 में बीजेपी में शामिल हुए थे.

दोनों से विधानसभा से खरीदा नामांकन पत्र, जमानत की राशि भी की जमा करा दी

झारखंड की दो सीटों के लिए चुनाव 21 मार्च को

झारखंड में दो सीटों के लिए राज्यसभा चुनाव 21 मार्च को है. नामांकन की अंतिम तिथि 11 मार्च है. नामांकन के लिए सिर्फ चार दिन बजे हैं. इसमें तीन दिन शुक्रवार, शनिवार और रविवार को छुट्टी ही है. इसके हिसाब से अब सिर्फ एक दिन सोमवार यानी 11 मार्च ही बचा है.

बहन को अपनी शादी का कार्ड देकर लौट रहे थे दो भाई

दो भाइयों की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत, शादी घर में मातम

संवाददाता । धनबाद/जामताड़ा

11 और 12 मार्च को थी दोनों चचेरे भाइयों की शादी, शादी वाले घरों में पसर गया मातम

जामताड़ा जिले के फतेहपुर में मंगलवार की देर रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई. दोनों चचेरे भाइयों की इसी सप्ताह शादी होनी थी. अपनी ही शादी का कार्ड लेकर दोनों बहन के घर गए थे. वापस लौटने के क्रम में दोनों हादसे का शिकार हो गए और दोनों ने दम तोड़ दिया. दोनों मैथन के रहने वाले हैं. इस हादसे के बाद पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ पड़ी है. शादी वाले घरों में मातम पसर गया है.

जानकारी के मुताबिक ताराजोरा निवासी नवल किशोर खिरहर और अजय खिरहर दोनों सगे भाई हैं. इन दोनों भाइयों का एक- बेटा है. नवल के पुत्र का नाम उदय कांत तो भूतपूर्व सैनिक अजय के पुत्र का नाम पिंटू कुमार है. 11 मार्च को उदय तो 12 मार्च को पिंटू की शादी होनी थी. दुमका जिले के तालझारी थाना के हेठतीनपरा गांव में तय हुई थी, जबकि अजय के बेटे पिंटू की शादी जामा थाना के हल्दीपट्टी गांव में 12 मार्च को होनी थी. पिंटू और उदय मंगलवार की शाम बहन के पास शादी का कार्ड लेकर बाइक से पहुंचे थे. शाम होने के कारण बहन ने दोनों भाई को जाने से रोका, लेकिन दोनों भाई यह कहकर निकल गए कि उन्हें और भी काम है. फतेहपुर बलराम पेट्रोल पंप के समीप दोनों भाई सड़क पार करने का इंतजार कर रहे थे, तभी पीछे से अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी. इस घटना में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए. इसके बाद दोनों को इलाज के लिए जामताड़ा अस्पताल ले जाया गया. जहां उदय की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया. धनबाद पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया जबकि इलाज के दौरान पिंटू ने जामताड़ा अस्पताल में अंतिम सांसें लीं.

रणनीति दावेदारी के लिए कांग्रेस प्रभारी व प्रदेश अध्यक्ष ने रखी थी बैठक

कांग्रेस प्रभारी के सामने भिड़े मन्नान-ददई

खास बातें

- कोयलांचल के दो दिग्गज नेताओं में हुई नोंकझोंक
- सारे दावेदारों ने रखी अपनी-अपनी बात

संवाददाता । धनबाद

लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारी तय करने के लिए बुधवार को कांग्रेस के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर के सामने ही कोयलांचल के दो दिग्गज नेताओं में नोंकझोंक हो गई. अपने-अपने भाषण के दौरान दोनों नेताओं ने एक दूसरे के बारे में जमकर जहर उगला. मन्नान मल्लिक ने कहा कि जब कांग्रेस से चुनाव लड़ने का इच्छा रखते हैं तो फिर बार-बार अन्य राजनीतिक पार्टियों में उछल कूद क्यों करते हैं, वहीं जवाब में ददई दुबे ने भी आरोप लगा दिया कि उनका बेटा जब चुनाव के मैदान में था, तब आपका बेटा वोट दिलाने के बहाने रकम की डिमांड कर रहा था. हालांकि विवाद बढ़ा नहीं. बाद में कांग्रेस के उम्मीदवारों ने अपवी-अपनी बात प्रदेश अध्यक्ष व प्रभारी के समक्ष रखी. अंत में दोनों वरीय नेताओं ने कहा कि उम्मीदवार तय करने की जिम्मेवारी आलाकमान पर है, जिस पर सभी उम्मीवारों ने हामी भर दी है.

इस दौरान जलेश्वर महतो, पूर्णिमा नीरज सिंह, अजय दुबे, अनूप सिंह ने भी अपनी-अपनी बात रखी. बता दें कि बुधवार को झारखंड प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर बुधवार को धनबद पहुंचे थे.

दोनों के धनबाद आने का मकसद यही था कि यहां के दावेदारों में कौन सबसे मजबूत है, यह तय कर आलाकमान को खबर देना. दावेदारों के साथ जिला के लगभग दो सौ से अधिक प्रतिनिधि भी मौजूद थे. कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि आलाकमान का निर्णय ही अंतिम होगा. ये एलान भी किया जिस-जिस बूथ से कांग्रेस के नेता को लीड मिलेगी, उस क्षेत्र के विकास के लिए एक करोड़ रुपये पार्टी फंड से दिया जाएगा. प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि इस चुनाव में भाजपा की आंतरिक सर्वे में यह खुलासा हो गया कि भाजपा पूरे देश 183 सीटों से नहीं बढ़ पा रही है.

राजनीति हजारीबाग में पूर्व वित्त मंत्री के घर पर जुटे कांग्रेस के नेतागण

यशवंत बने कांग्रेस व भाजपा के विक्षुब्धों के केंद्र

खास बातें

- जयंत सिन्हा के टिकट कटने के बाद जुटने लगे विक्षुब्ध
- अंबा प्रसाद, शिवलाल महतो जैसे नेताओं ने किया मंथन

विशेष संवाददात । रांची/हजारीबाग

हजारीबाग से केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा का टिकट कटने और विधायक मनीष जायसवाल को भाजपा का टिकट मिलने के बाद उनकी घेराबंदी में भाजपा के विक्षुब्ध और कांग्रेस नेता जुट गये हैं. गुरुवार को हजारीबाग लोकसभा चुनाव को लेकर समन्वय समिति की बैठक प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर की अध्यक्षता में हुई, जिसमें प्रत्याशी को लेकर रायशुमारी के साथ-साथ चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई. इस सीट के कांग्रेस नेता जयशंकर पाठक, उमाशंकर अकेला यादव, अंबा प्रसाद, यशवंत सिन्हा, रामगढ़ से ममता देवी, सौरभ नारायण सिंह अपनी-अपनी दावेदारी पेश की है.

पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत के घर बन रही है रणनीति : मनीष जायसवाल की घेराबंदी को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा केंद्र बिंदु में हैं. बुधवार को सिन्हा के घर पर भाजपा के विक्षुब्ध, कांग्रेस सहित कई दलों के नेता पहुंचे. सबने मनीष जायसवाल के खिलाफ मजबूत प्रत्याशी देने पर चर्चा की. सिन्हा से कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद, शिवलाल महतो सहित रामगढ़ व हजारीबाग के कई विक्षुब्ध भाजपा नेता मिले. उनके आवास पर रणनीति मनीष की घेराबंदी की रणनीति बनायी गयी. यशंवत से भी चुनाव में उतरने का आग्रह किया गया.

कांग्रेस विधायक उमाशंकर अकेला व पूर्व मंत्री यशवंत सिन्हा के बीच अलग से मुलाकात और बातचीत हुई. विधायक अकेला ने कहा कि अगले दो दिनों में हजारीबाग सीट के लिए महागठबंधन की ओर से मजबूत उम्मीदवार दिया जाएगा. नेताओं ने यशवंत के आवास से भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल को दो लाख वोट से हराने की हुंकार भरी. इधर पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने भी हजारीबाग लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा की है.

ब्रीफ खबरें

अंचलाधिकारी से वार्ता के बाद आंदोलन समाप्त

बाघमारा। आरटीआई के तहत सूचना उपलब्ध नहीं कराने पर चिटाही के सुनीति कुमारी ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार को बाघमारा अंचल कार्यालय में धरना दिया. सुनीति ने बताया कि उसके चिटाही बस्ती के घर सहित अन्य कुछ लोगों के आवास का बिजली पानी काट दिया गया है. ऊपर से अंचल कार्यालय द्वारा बार बार नोटिस देकर गांव वाले को परेशान किया जा रहा है. अभी तक बस्ती में पानी बिजली का कनेक्शन का हुआ ही है. उक्त नोटिस के आलोक में आरटीआई लगाई थी. जिसका जवाब अब तक अंचलाधिकारी नही दिया है.

अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त, प्राथमिकी दर्ज

महुदा। जिला खनन पदाधिकारी एवं महुदा थाना प्रभारी धीरज कुमार के द्वारा गुरूवार को तेलमच्चो मोड़ के समीप बालू लदे एक ट्रेक्टर को जब्त किया गया. हालांकि कागजात मांगने पर पुलिस को चकमा देकर चालक भाग निकले में कामयाब हो गया.जिसके बाद टीम ट्रेक्टर को जब्त कर थाना ले आई. खनन पदाधिकारी राहुल कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोगों के द्वारा अवैध तरीके से ट्रेक्टर से बालू बाहर भेजा जा रहा है. इसी के आलोक पर छापामारी कर बालू लदे ट्रेक्टर को पकड़ा गया है.आगे भी यह अभियान जारी रहेगा.

सिंदरी में धूमधाम से साईं महोत्सव संपन्न

सिंदरी। सिंदरी ऊँ श्री साईं संस्थान में 16 वां स्थापना दिवस साईं महोत्सव गुरुवार को धूमधाम से संपन्न हो गया. इस अवसर पर सिंदरी में भव्य साईं पालकी यात्रा में लोगों ने साईं बाबा के प्रति श्रद्धा प्रकट की. साईं महोत्सव में सिंदरी ही नहीं पूरे धनबाद जिला के विभिन्न क्षेत्रों सहित बोकारो से भी लोगों ने पहुंचकर साईं बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया. सिंदरी ऊँ श्री साईं संस्थान के संरक्षक रविन्द्र प्रसाद ने बताया कि साईं महोत्सव की शुरुआत बाबा के प्रातः कांकड़ आरती से की गई.

गुरुद्वारा में मेडिकल कैंप का आयोजन

सिंदरी। गुरुवार को जिला, आयुष समिति धनबाद के दो प्रखण्ड स्तरीय आयुष कैंप का आयोजन सिंदरी गुरुद्वारा में किया गया. कार्यकम का शुभारंभ सिंदरी विधायक की पत्नी तारा देवी, जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी कुमकुम आलुष, डॉ. कविता, अनन्या पाण्डेय, डॉ हिमा दीराज की उपस्थिति में किया गया. आयुष के डॉक्टरों ने तारा देवी और भाजपा आईटी सेल के अमर कांत झा को औषधीय पौधा देकर सम्मानित किया. कैंप में शूगर और बीपी जांच कर लगभग 200 से ज्यादा मरीजों के बीच दवा का वितरण किया गया.

'बीएलओ भ्रमण करें वोटर का नाम न छूटे'

मैथन। एग्यारकुण्ड प्रखंड के बीडीओ मधु कुमारी एवं अंचलाधिकारी कृष्ण कुमार मरांडी ने प्रखंड सभागार में गुरुवार को बीएलओ पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की. बैठक में सर्वप्रथम बीएलओ पर्यवेक्षकों द्वारा नवनियुक्त बीडीओ को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया. बीडीओ मधु कुमारी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले बीएलओ एवं सुपरवाइजरों की महत्वपूर्ण भूमिका होता है. सभी बीएलओ घर-घर भ्रमण करें, एक भी वोटर का नाम ना छुटे इसे विशेष रूप से ध्यान रखें.

मैनुअल लोडिंग सहित अन्य मांगों को लेकर एटक समर्थकों ने किया अनिश्चितकालीन चक्का जाम

लोडिंग प्वाइंट पर एटक व संयुक्त मोर्चा समर्थकों में तनातानी

संवाददाता। कतरास

बीसीसीएल एरिया पांच के सिजुआ क्षेत्र के तेतुलमुड़ी लोडिंग प्वाइंट में गुरुवार को एटक व संयुक्त मोर्चा समर्थकों के बीच घंटों तनाव का माहौल बना रहा.दोनों पक्ष एक दूसरे से दो दो हाथ करने को आतुर थे .एक ओर जहां मैनुअल लोडिंग सहित चार सूत्री मांगों को लेकर एटक समर्थकों ने अनिश्चितकालीन चक्का जाम कर दिया .वहीं दूसरी ओर चक्का जाम के विरोध में संयुक्त मोर्चा डटा रहा . पहले एटक समर्थक यूनियन के झंडे के साथ पहुंचे और डंप के मुख्य गेट पर धरना पर बैठ गए और विधायक ढुल्लू महतो जिंदाबाद, हमारी मांगें पूरी करो का नारा लगा रहे थे.कुछ देर बाद संयुक्त मोर्चा

समर्थक सुरेश महतो, अनुज कुमार सिन्हा, मनोज महतो के नेतृत्व में कोल डंप में काम चालू कराने के पक्ष में जुलूस की शक्ल में सिजुआ गेट के समीप पहुंचे जहां पुलिस ने अंदर जाने से मना कर दिया. सभी जलेश्वर महतो जिंदाबाद, मजदूर एकता जिंदाबाद का नारा लगाते हुए धरने पर बैठ गए.

खास बातें

- संयुक्त मोर्चा डटा, लगाया ढुल्लू मुर्दाबाद का नारा
- दोनों पक्ष एक दूसरे से दो-दो हाथ करने को आतुर

तीनों रास्ते पर पुलिसकर्मी तैनात

दूसरी ओर एहतियात के तौर पर जोगता, लोयाबाद थाना की पुलिस तथा जिला मुख्यालय की पुलिस, सीआईएसएफ जवान डंप के तीनों रास्ते पर तैनात कर दिए गए थे. बीच बीच में पुलिस गश्त कर रही थी. किसी बाहरी व्यक्ति को डंप के अंदर जाने पर रोक लगा दी गई थी. पुलिस द्वारा नया मोड़ तथा बेलदरिया बस्ती के समीप मोटरसाइकिल साइकिल की जांच की जा रही थी. संयुक्त मोर्चा समर्थकों का कहना था कि सब कुछ ठीक ठाक चल रहा है फिर मेहनतकश मजदूरों के साथ नाइंसाफी क्यों किया जा रहा है.

परेशानी किस बात की हो रही है

एटक नेता सह विधायक ढुल्लू समर्थक प्रकाश वर्मा तथा राजाराम यादव ने कहा कि आखिर असंगठित मजदूरों को काम दिलाने की हम मांग कर रहे हैं तो फिर दूसरे को परेशानी किस बात की हो रही है. जबतक मैनुअल लोडिंग, प्रभावित परिवार को रोजगार, डंप पेयजल की व्यवस्था तथा डंप से उड़ने वाले डस्ट पर नियंत्रण की मांग प्रबंधन नहीं मानेगा तब तक आंदोलन जारी रहेगा. चक्का जाम आंदोलन में रामेश्वर राम, रीता देवी, छोटू रवानी, गोविंद चौहान, सावित्री देवी, उर्मिला देवी शामिल थी.

सरायढेला के राधास्वामी मार्केट में चोरों ने शटर तोड़ा

बालाजी आभूषण दुकान से बीस लाख की चोरी

संवाददाता। धनबाद

सरायढेला थाना क्षेत्र के राधा स्वामी मार्केट में मौजूद बालाजी आभूषण दुकान का शटर तोड़कर चोरों ने बीस लाख से भी अधिक की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया है. मामले की शिकायत पीड़ित दुकानदार शंभू अग्रवाल ने सरायढेला थाने में की है. देर शाम तक चोरी गई संपत्ति का सही आकलन नहीं हो पाया था, अंदेशा है कि चोरी गई जेवरात की कीमत में इजाफा हो सकता है.

27 सालों से उनकी दुकान चल रही : वारदात के बारे में धैया निवासी शंभू अग्रवाल ने बताया कि पिछले 27 सालों से उनकी दुकान चल रही है. मंगलवार की रात करीब आठ बजे रोजाना की तरह दुकान बंद थी. सुबह पड़ोसी दुकानदारों ने फोन कर चोरी की खबर दी. वहां जाने पर पाया कि चोरों ने शटर आदि तोड़कर दुकान में प्रवेश किया था और दुकान में रखे तीस हजार रुपये नगद समेत सोने और चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया. दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरा को खोल दिया और डीवीआर भी साथ ले गए. आसपड़ोस की दुकान में लगे सीसीटीवी को खंगलने पर देखा कि दो चोर रात करीब एक बजे पहुंचे थे. दोनों अपने चेहरे पर रुमाल ढक रखे थे, इस कारण दोनों का चेहरा फुटेज में साफ नहीं दिख रहा है. इसके अलावा इन दिनों के अलावा अन्य के भी इस वारदात में शामिल होने का संदेह है. हालांकि

खास बातें

- एक बजे रात में दो चोरों ने शटर तोड़ कर किया प्रवेश
- सीसीटीवी के साथ डीवीआर भी खोलकर साथ ले गए चोर

दो टन अवैध कोयला सहित छह मोटरसाइकिल जब्त, प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता। मधुबन

वरीय अधिकारियों के निर्देश पर गुरुवार को मधुबन व खरखरी की पुलिस ने संयुक्त रूप से छापामारी कर आशाकोठी खटाल के समीप रेलवे लाइन के किनारे जमा किए गए दो टन कोयला सहित छह मोटरसाइकिलें जब्त कर ली. पुलिस ने जब्त कोयला व मोटरसायकिल को थाना ले आई है. साथ ही अज्ञात कोयला चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है.

इस सम्बंध में मधुबन थाना प्रभारी जयप्रकाश ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार उक्त छापामारी की गई है. जिसमें 25 बोरा कोयला सहित छह बिना नंबर की

मोटरसाइकिलों को जब्त किया गया है.उन्होंने बताया कि इस तरह की छापेमारी जारी रहेगी.क्षेत्र में शांति व्यवस्था पुलिस की पहली प्राथमिकता है. अवैध कारोबार किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.वहीं मधुबन थाना प्रभारी जय प्रकाश की लिखित शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है.

मार्केट के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में उक्त फुटेज में बाहर मौजूद चोर के साथियों की जानकारी मिल सकती है. मामले की शिकायत पाकर पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है.

'जल शक्ति मिशन का हिस्सा है यह संयंत्र'

मैथन। एमपीएल में अपशिष्ट एवं वर्षा जल संग्रह यानी सतही जल का पुनर्चक्रण एवं इस्तेमाल के लिए प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किया गया है. जिसका उद्घाटन गुरुवार को एमपीएल के सीईओ विजयंत रंजन ने फीता काटकर किया. मौके पर सीईओ रंजन ने कहा कि एमपीएल के लिए यह बड़ी उपलब्धि है. इससे पानी का समुचित इस्तेमाल हो सकेगा. इसके लिए उन्होंने पर्यावरण विभाग टीम की सराहना की और कहा कि इससे न सिर्फ केन्द्र सरकार के जल शक्ति मिशन को बल मिलेगा, बल्कि एमपीएल भी इस उद्देश्य को सार्थक करते हुए मिशन का सशक्त हिस्सा बनेगा. इस सिस्टम के बहाल होने से पानी की बर्बादी कम होगा और रिसायकिल कर पुनः इसे इस्तेमाल में लाया जाएगा.

एसबीआई के सामने कांग्रेस का प्रदर्शन

धनबाद। चुनावी बॉन्ड पर एसबीआई की भूमिका को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रधान कार्यालय धनबाद के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया .उक्त कार्यक्रम जिला अध्यक्ष संतोष सिंह के नेतृत्व में किया गया .जिला अध्यक्ष ने कहा की एसबीआई जानबूझकर मोदी के चंदे के धंधे को छुपाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में समय मांग रही है . जबकि आज कंप्यूटर का समय है, एक क्लिक में सारे डेटा सामने आ जाते हैं. ऐसी स्थिति में जून महीने में एसबीआई के द्वारा डाटा उपलब्ध किए जाने से स्पष्ट दिखता है कि दाल में कुछ काला है. एसबीआई कुछ छुपाना चाहती है. अगर एसबीआई इस डाटा को जाहिर कर देती है तो निश्चित रूप से इस सरकार को कितना धन अवैध रूप से मिला है वह लोगों को पता चल जाएगा.

कोर्ट की खबरें

रंजय हत्याकांड में भाई संजय का बयान दर्ज

संवाददाता। धनबाद

- राजा ने फोन कर कहा था कि रंजय को गोली मार दी गई है
- हत्या से पहले रंजय ने बताया था कि हर्ष ने दी है जान मारने की धमकी

विधायक संजीव के करीबी रंजय सिंह ऊर्फ रवि रंजन सिंह की हत्या के चर्चित मामले में गुरुवार को मामले के अहम गवाह मृतक रंजय के भाई संजय सिंह का बयान अदालत में दर्ज किया गया. संजय सिंह नीरज हत्याकांड में जेल में बीते सात वर्ष से बंद है जिसे गवाही के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में कोर्ट में लाया गया था.धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखलेश कुमार की अदालत को दिए बयान मे संजय सिंह ने कहा कि घटना 29 जनवरी 2017 की है शाम 5:30 बजे वह मेंशन में था राजा यादव ने उसे फोन कर कहा कि रंजय को बिग बाजार के पास चाणक्य नगर जाने वाले रास्ते में गोली मार दी गई है, वह वहां गया और राजा जादव तथा अन्य के सहयोग से रंजय को टेंपू से सेंट्रल अस्पताल ले गए वहां पर रंजय को मृत्त घोषित कर दिया गया था. घटनास्थल पर स्कूटी और खून गिरा हुआ था. संजय ने कहा कि राजा यादव ने बताया था कि गोली मारने वाले दो लोग थे जो जींस और कला शर्ट पहने हुए थे.

संजय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश किए गए नंदकिशोर सिंह उर्फ मामा की पहचान की और कहा कि बाद में उसे पता चला कि हर्ष सिंह और नंदकिशोर सिंह ने रंजय की हत्या की है. संजय ने कहा कि घटना के पहले रंजय सिंह ने उससे कहा था कि हर्ष सिंह ने कंबाइंड बिल्डिंग के पास उसे जान मारने की धमकी दी थी.सुनवाई के दौरान दुमका जेल में बंद आरा बेरथ निवासी नंद कुमार सिंह उर्फ बबलू उर्फ रूना सिंह उर्फ मामा को को जिला एवं सत्र न्यायाधिश अखलेश कुमार की अदालत मे वीसीएस के द्वारा पेश किया गया जबकि हर्ष सिंह की ओर से अधिवक्ता ने प्रतिनिधित्व का आवेदन दिया था बचाव पक्ष की ओर से वरीय अधिवक्ता समर श्रीवास्तव, आयूष श्रीवास्तव, सिद्धार्थ शर्मा ने प्रति परीक्षण किया जबकि अभियोजन का संचालन अपर लोक अभियोजक समीत प्रकाश ने किया.अदालत ने अभियोजन को गवाह पेश करने का निर्देश दिया है.रूना सिंह ऊर्फ मामा ऊर्फ नंद किशोर सिंह 8 अगस्त से जेल में बंद है . पांच नवंबर 18 को सरायढेला थाना प्रभारी निरंजन तिवारी ने मामा को शूटर बताते हुए उसके विरूद्ध अदालत में चार्जशीट दायर की थी. जबकी चंदन शर्मा ,हरेन्द्र सिंह के विरूद्ध अनुसंधान जारी रखा है. रंजय सिंह उर्फ राजीव रंजन सिंह की हत्या बिग बाजार के सामने चाणक्य नगर मोड़ पर 29 जनवरी 2017 के संध्या करीब 5:30 बजे रामेश्वर तिवारी के घर के समीप गोलियों से भून कर कर दी गई थी.

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को बीस वर्ष कैद

धनबाद। शादी की नीयत से नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी लाला टोला श्यामडीह निवासी शिक्षक रोहित कुमार लाला को धनबाद पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने बीस वर्ष कैद एवं पंद्रह हजार रुपए जुर्माने की सजा दी है. बुधवार को अदालत ने उसे दोषी करार दिया था .अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए 7 मार्च की तारीख निर्धारित की थी. प्राथमिकी पीड़िता के बहन की शिकायत पर कतरास थाने में 16अक्टूबर 21 को दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मताबिक 12 अक्टूबर 21 को सुबह 10:00 बजे पीड़िता अपने दोस्त के साथ घर जा रही थी तो आरोपी शिक्षक ने रास्ते में उसे धमकी दी कि तुम्हारे भाई और बाप को मार देंगे. आरोप है कि आरोपी शिक्षक पीड़िता को अपने साथ जबरन ट्रेन से रांची ले गया वहां किराए के मकान में उसे तीन माह रखा और और उसके साथ दुष्कर्म किया.

तैयारियों में जुटा महकमा, नक्सल इलाकों में सक्रियता बढ़ी

धनबाद। धनबद पुलिस महकमा की तरफ आगामी लोकसभा चुनाव 2024 की सुरक्षात्मक तैयारियां की जा रही है. इसी अभियान के तहत पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय 2 संदीप कुमार गुप्ता गुरुवार को टुंडी पहुंचे और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर मतदान के प्रति वोटरों को जागरुक करते हुए सुरक्षा का पुख्ता भरोसा दिलाया.पुलिस उपाधीक्षक टुंडी थाना क्षेत्र के संवेदनशील कदैया ग्राम पहुंचे, जहां दोनों पक्षों से वार्ता कर समाज में मैत्री संबंध बढ़ाने व आपसी सौहार्द बनाये रखने की अपील की. उन्होंने बैठक में उपस्थित ग्रामवासियों से शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव कराने में पुलिस व जिला प्रशासन को सहयोग करने की अपील भी की.

नहीं दिखे राज सिन्हा, ढुल्लू, चर्चा का बाजार गर्म

धनबाद। लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक में धनबाद विधायक राज सिन्हा , पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, रागनी सिंह और बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो नहीं दिखे .इसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है.उक्त बैठक गुरुवार को भाजपा के जिला कार्यालय में लोकसभा प्रभारी सुरेश प्रसाद की अध्यक्षता में हुई .जिसमें बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी , सांसद पीएन सिंह,मुख्य सचेतक विरंची नारायण , निरसा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता सहित ग्रामीण व महानगर के दर्जनों कार्यकर्ता के साथ साथ पदाधिकारी उपस्थित थे . बाबूलाल मरांडी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बैठक में मुख्य रूप से चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई .

मुखिया ने प्रशिक्षित महिलाओं को सहयोग का दिया भरोसा

संवाददाता। महुदा

मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड रांची के सहयोग से स्वाभिमान संस्था द्वारा गुरुवार को हाथुड़ीह पंचायत के कुमारडीह गांव में लाख से बनने वाली चूड़ी का पच्चीस दिवसीय प्रशिक्षण चलाया गया, जिसका समापन गुरुवार को किया गया . इस अवसर पर हाथुड़ीह पंचायत की मुखिया संगीता घोषाल, पूर्व मुखिया संपत घोषाल, वार्ड सदस्य सुप्रिया चटर्जी, राकेश बाउरी, स्वाभिमान संस्था के सचिव सुषमा देवी, अध्यक्ष भुनेश्वरी देवी, के अलावे समूह की महिलाएं उपस्थित थी. समापन सत्र पर मुखिया संगीता घोषाल ने कहा कि प्रशिक्षण खत्म हो जाने के बाद महिलाएं अब स्वयं से चूड़ी बनाने की काम करेगी, जिसे वह स्वरोजगार करेगी और अपने परिवार में खुशियां लाएगी, हमसे जो सहयोग बन पाएगा हम उनकी मदद में हमेशा तैयार रहेंगे. संस्था अध्यक्ष भुनेश्वरी देवी ने सभी को धन्यवाद किया. वहीं सक्रिय सदस्य संजू देवी ने सभी को महिलाओं के द्वारा बनाया गया चूड़ी देकर सम्मानित किया .25 दिन प्रशिक्षण देने का काम ट्रेनर अशरफ अंसारी, सैयद अंसारी, ने बहुत मेहनत से महिलाओं का सीखाने का काम किया.

डीवीसी समितियों व साक्षात्कार बोर्डों में ओबीसी प्रतिनिधि शामिल करे : एसोसिएशन

संवाददाता। मैथन

डीवीसी कोलकाता मुख्यालय में गुरुवार को डीवीसी प्रबंधन के साथ ओबीसी इम्पलाईज वेलफेयर एसोसिएशन ने अपनी 15 सूत्री मांगों को लेकर वार्ता की. वार्ता में नेताओं ने डीवीसी ओबीसी इम्पलाईज वेलफेयर एसोसिएशन को मान्यता देने का मामला उठाया. इसके साथ ही एसोसिएशन के लिए प्रत्येक परियोजनाओं में एक आवासीय कार्यालय आंवटित करने की मांग की गई. एसोसिएशन के नेताओं ने डीवीसी के समस्त आधिकारिक समितियों एवं साक्षात्कार बोर्डों में ओबीसी प्रतिनिधि को शामिल करने, केन्द्र सरकार के नियमानुसार 27 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व व आरक्षण रोस्टर की नियमित समीक्षा करने, वरीयता को ध्यान में रखते हुए ओबीसी के अधिकारियों को परियोजना प्रधान बनाने की पुरजोर वकालत की. इसके अलावा ओबीसी कर्मचारियों व अधिकारियों के लिए पदोन्नति में वरिष्ठता सुनिश्चित कर उनके ऑनलाइन केपीए/एसीआर को तत्काल प्रभाव से बहाल करना और ओबीसी कर्मचारियों के उत्पीड़न को रोकने लिए ठोस कदम उठाने की मांग की.

गेस्ट हाउस बनाने की मांग : एसोसिएशन प्रतिनिधियों द्वारा वेल्लोर में इलाज के लिए सालों भर कर्मचारियों व अधिकारियों का आना जाना होता है, इसलिए वहां एक गेस्ट हाउस बनाने की मांग की गई. साथ ही डीवीसी मुख्यालय में डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर पुस्तकालय की विधिवत स्थापना सहित अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई. डीवीसी प्रबंधन ने सारे विषयों का समाधान करने का आश्वासन दिया और कुछ विषयों पर तत्काल प्रभाव से कार्यादेश जारी करने का आदेश भी दे दिया. वार्ता में डीवीसी प्रबंधन की ओर से सदस्य सचिव जॉन मथाई, कार्यपालक निदेशक (एचआर) राकेश रंजन, सीनियर जी एम (एच.आर) डीवी राजन, सीनियर जीएम एनके वर्मा, जीएम (एच.आर) राजेश कुमार तथा एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश रंजन, महासचिव केपी सिंह, नवीन कुमार, भरत कुमार, राजु कुमार, विनय शील अशोक शामिल थे.

डीवीसी कैजुअल कर्मी की 21 दिन बाद मौत

मैथन। डीवीसी के कल्याणेश्वरी सब स्टेशन में कार्यरत कैजुअल कर्मी साहेबलाल मुर्मू की मौत गुरुवार को दुर्गापुर के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई. बता दें कि पिछले माह 15 फरवरी को साहेबलाल सब स्टेशन में काम करने के दौरान करंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे. उन्हें दुर्गापुर के एक निजी अस्पताल में इलाज कराया जा रहा था. साहेबलाल की मौत के बाद उनके परिजनों व ग्रामीणों ने गुरुवार के शाम चार बजे शव के साथ कल्याणेश्वरी सब स्टेशन पहुंचे और मुख्य गेट के समक्ष शव रखकर मुआवजे की मांग कर रहे थे. परिजन आश्रित को स्थायी नौकरी एवं उचित मुआवजा की माग कर रहे हैं.

महाशिवरात्रि बाघमारा प्रखंड के झीझीपहाड़ी में भोले बाबा करते हैं भक्तों की मुराद पूरी

करें बूढ़ा बाबा का दर्शन, मंदिर में है अलौकिक शक्ति का वास

राम कुमार पाण्डेय । कतरास।

बाघमारा प्रखंड के झींझींपहाड़ी में स्थित बूढ़ा बाबा शिव मंदिर में भगवान भोले का आलोकित शक्ति का वास है यही कारण है कि यहां महाशिवरात्रि में पुजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है.ऐसी मान्यता है कि जो भी भक्त यहां सच्चे मन से भगवान भोलेनाथ से कामना करते बाबा अवश्य ही अपने भक्तों की मुरादें पूरी करते हैं. अपनी मनोकामना पूरी होने पर श्रद्धालु पूरे भक्ति भाव से मंदिर पहुंच कर पूजा-अर्चना करते हैं.पहली बार इस मंदिर में पहुंचे वाले श्रद्धालु मंदिर बनावट देख कर आश्चर्यचकित हो जाते हैं.

बड़े बड़े पत्थरों से बने मंदिर को देखकर हर कोई मंदिर से जुड़े रहस्य के बारे में जानने को उत्सुक हो जाते हैं . मंदिर पंचगढी बाजार से महज तीन किलोमीटर पर रामकनाली ओपी क्षेत्र के झींझींपहाडी में स्थित है.इस महाशिवरात्रि पर आप भी बूढ़ा बाबा का दर्शन कर अपने आप को धन्य कर सकते हैं.

बड़े बड़े चट्टानों से बना है मंदिर : लगभग बीस से पच्चीस फीट ऊंचा बूढ़ा बाबा शिव मंदिर अपने आप में एक अलग पहचान रखती है बड़े बड़े चट्टानों से निर्मित मंदिर में लैस मात्र भी कहीं सीमेंट चुना व मट्टी का उपयोग नहीं किया गया है केवल एक दुसरे पर चट्टानों को सजा मंदिर बनी है बाहर से देखने से लगता है कि तेज हवा के झोंके से मंदिर कभी भी गिर सकती है लेकिन आज वर्षों से यह मंदिर अपने आकृति पर जस की तस बनी हुई है.

खास बातें

- पूजा-अर्चना के लिए उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़
- चमत्कारी रूप से यहां भक्तों की हर मुराद पूरी होती है

मंदिर 1000 साल से भी पुराना

बताया जाता है कि अपने आप में अनोखा बूढ़ा बाबा शिव मंदिर 1000 साल से भी पुराना है . गांव के बड़े बुजुर्ग की मानें तो ईश्वर शक्ति से मंदिर रातों रात खुद बा खुद बनी है .हाल के दिनों में गांव के लोग मंदिर को पर्यटन स्थल बनाने की मांग कर रहे इसके लिए मंदिर संघ पुरी तरह प्रयास कर रही है मंदिर के अध्यक्ष लखन महतो विशाल महतो गणेश महतो महादेव सोनार सहित अन्य ग्रामीणों ने कई अधिकारियों से पत्रचार किया . जिसके बाद पुरातात्विक विभाग जांच करने पहुंची . जांचोपरांत विभाग ने 9 शताब्दी के आसपास होने की बात कही .

ब्रीफ खबरें

बाइक चोर गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

गोड्डा। मोटरसाइकिल चोरी करने वाले बड़े गिरोह का खुलासा कर चोरों को गिरफ्तार करने एवं चोरी गए आधे दर्जन से अधिक बाइक को बरामद करने में गोड्डा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. सदर एसडीपीओ जेपीएन चौधरी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि शहर में एकाएक बाइक चोरी घटना की वृद्धि को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष दल का गठन किया गया और इस पर काम किया जाने लगा. इसी क्रम में जानकारी मिलने पर पांच आरोपियों को विभिन्न जगहों पर से गिरफ्तार किया गया. इन्ही चोरों की निशानदेही पर अलग-अलग जगह पर से सात मोटरसाइकिल बरामद की गई.

जागरूकता वाहन को किया गया रवाना

गिरिडीह। गुरुवार को समाहरणालय परिसर से उप विकास आयुक्त दीपक दूबे ने दिनदयाल उपाध्याय कौशल विकास योजना के अंतर्गत गिरिडीह, बेंगाबाद, पिरटांड प्रखंड के लिए 03 कौशल जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. उन्होंने कहा कि दिनदयाल उपाध्याय कौशल विकास योजना एक महत्वकांक्षी योजना है, जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को प्रशिक्षण देते हुए रोजगार के अवसर मुहैया कराए जाते हैं.

मार्केट कॉम्प्लेक्स का ग्रामीणों ने किया विरोध

बोकारो। कसमार स्कूल चौक में जिला परिषद बोकारो के द्वारा मार्केट कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य का विरोध स्थानीय ग्रामीणों एवं दुकानदारों ने किया है. इसको लेकर गुरुवार को महावीर मंदिर परिसर में ग्रामीणों एवं दुकानदारों की बैठक हुई. बैठक में बताया गया कि जिला परिषद बोकारो के द्वारा कसमार स्कूल चौक में दो मंजिला मार्केट कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य का टेंडर बीते दिनों हुआ है. जल्द ही शिलान्यास भी होना है. इसपर ग्रामीणों ने इस निर्माण कार्य का विरोध करते हुए कहा कि चौक में बालक एवं बालिका मिडिल स्कूल, प्लस टू हाई स्कूल, बीआरसी कार्यालय संचालित है.

हनुमान जी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का शुभारंभ

धनवार (गिरिडीह)। धनवार थाना क्षेत्र के गंगापुर गांव में हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उपस्थित ग्रामीणों ने झंडा रोपण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया. इस महायज्ञ में कमेटी का गठन किया गया, जिसमें सर्वसमिति से रामजी विश्वकर्मा को अध्यक्ष चुना गया. उपस्थित सभी ग्रामीण और नवयुवक कमेटी गंगापुर के द्वारा चंदा लिया गया. जिसमें मुख्य रूप से मनोज हजाम,राजेश राम, विजय राम, शंकर हजाम, अनिल विश्वकर्मा, संदीप राम, संजय राम, अर्जुन ठाकुर ,शनिचर विश्वकर्मा ,मुख्य रूप से शामिल थे.

नए एसडीपीओ ने पदभार ग्रहण किया

पाकुड़। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पाकुड़ के पद पर नव पद स्थापित डी एन आजाद ने गुरुवार को स्वत प्रभार ग्रहण कर लिया. प्रभार लेने के पश्चात मीडिया से मुखातिब होते हुए सीडीपीओ आजाद ने कहा कि पाकुड़ में पुलिस की छवि साफ सुथरी स्थापित करना और आने वाले लोकसभा, विधानसभा चुनाव में वोटर को भय मुक्त होकर वोटिंग करने के लिए प्रोत्साहित करना उनकी प्राथमिकता होगी . इसके साथ-साथ पुलिस और आम जनता के बीच समन्वय स्थापित कर अपराध रोकने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे.

दिलचस्प होगा गिरीडीह लोकसभा का चुनावी दंगल, चुनाव को लेकर लोगों के बीच चर्चा तेज

चन्द्रप्रकाश, मथुरा और जयराम पर टिकी हैं निगाहें

अक्षय चौबे। तोपचांची/गिरिडीह

लोकसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे हर पार्टी के नेता अपना दमखम दिखाने में जुट गए हैं. झारखंड के गिरिडीह लोकसभा में इस बार चुनावी मुकाबला काफी दिलचस्प देखने को मिलने वाला है. पिछले लोकसभा चुनाव की बात की जाए तो गिरिडीह लोकसभा से आजसू पार्टी के उम्मीदवार चंद्र प्रकाश चौधरी विजय हुए थे, वहीं निकटतम प्रतिद्वंदी के रुप में जेएमएम पार्टी के नेता जगरनाथ महतो थे. परन्तु इस वर्ष लोकसभा चुनाव के मैदान में जेबीकेएसएस के केन्द्रीय अध्यक्ष जयराम महतो के आ जाने से चुनावी दंगल काफी दिलचस्प हो गया है. अभी तक वर्तमान में एनडीए ने गिरीडीह लोकसभा से उम्मीदवार की लिस्ट जारी नहीं की है और न ही इंडिया गठबंधन ने. ग्रामीणों के बीच इंडिया गठबंधन से मथुरा प्रसाद महतो को प्रत्याशी बनाने की चर्चा की जा रही है.

अगर गिरीडीह लोकसभा क्षेत्र से एनडीए चन्द्र प्रकाश चौधरी व इंडिया गठबंधन मथुरा प्रसाद महतो को लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी के रुप में उतारता है तो चुनावी दंगल और भी ज्यादा दिलचस्प हो जाएगा. मथुरा प्रसाद महतो टुंडी विधानसभा से विधायक हैं, क्षेत्र की जनता से काफी अच्छे संबंध हैं. भाषा व खतियानी आंदोलन के बाद जयराम महतो युवा दिलों की धड़कन बन गए हैं. ग्रामीणों में इनकी काफी ज्यादा फैन फॉलोइंग है. सोशल मीडिया में काफी ज्यादा एक्टिव हैं. वहीं वर्तमान सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी का अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध नहीं होना उन्हें नुकसान हो सकता है.

खास बातें

- मथुरा प्रसाद महतो टुंडी से विधायक हैं
- चन्द्रप्रकाश चौधरी गिरिडीह के सांसद हैं

शिवप्राण प्रतिष्ठा सह शतचंडी महायज्ञ

महायज्ञ के दूसरे दिन निकाली गई शोभा यात्रा, उमड़ी भीड़

संवाददाता। तिसरी (गिरिडीह)

तिसरी प्रखंड मुख्यालय के बड़ा छठ तालाब स्थिति नव निर्मित शिव मंदिर में भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा सह पांच दिवसीय श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ के दूसरे दिन भव्य शोभायात्रा निकाली गई.इस दौरान तालाब स्थित शिव मंदिर से गाजे - बाजे के साथ शोभा यात्रा निकाली गई. इस शोभा यात्रा में दर्जनों महिला व पुरुष गाजे - बाजे के साथ झूमते हुए प्रखंड मुख्यालय स्थिति दुर्गा मंडप, बजरंबली मंदिर, शिव मंदिर, साईं मंदिर समेत पांच मंदिरों का भ्रमण किया. इस दौरान शोभा यात्रा में प्रभु श्री राम,लक्ष्मण,मां जानकी और हनुमान समेत वानर सेना के रूप में झांकी भी निकाली गई थी. इसके पूर्व ही मंगलवार को पूरे विधि विधान के साथ कलश यात्रा भी निकली गई थी. जिसमें सैकड़ों महिला व युवतियों ने भाग लिया था. बताया गया कि कथावाचक आचार्य रंजीत मिश्रा,प्रदीप पांडे व अन्य सहयोगियों के साथ 5 मार्च से 8 मार्च तक शत चंडीपाठ व पूजन कार्य किया जाएगा. वहीं आचार्य सब कथावाचक मनोज पांडे जी महाराज द्वारा 5 से 7 मार्च तक हर दिन शाम 7:00 से शिव पुराण प्रवचन तथा संगीत कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा. वहीं 7 मार्च को दिन में भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा की गई.

छापेमारी में 8 क्विंटल जावा महुआ और 70 लीटर शराब जब्त

एक सप्ताह में तीसरी कार्रवाई से कारोबारियों में मचा हड़कंप

संवाददाता। बोकारो

बोकारो में दामोदर नदी किनारे अवैध शराब के अड्डे को नष्ट करती पुलिस.

बोकारो उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विजया जाधव के निर्देश पर पूरे जिले में उत्पाद विभाग की टीम द्वारा अवैध शराब चुलाई करनेवालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है. एक सप्ताह के अंदर तीसरी बार उत्पाद विभाग ने गुरुवार को हरला थानाक्षेत्र के दामोदर नदी किनारे बैधमारा गांव से सटे गढ़ाघर जंगल में अवैध शराब निर्माण स्थल में छापेमारी की. इस दौरान उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद टीम ने अभियान चलाकर 800 केजी जावा महुआ शराब एवं 70 लीटर अवैध चुलाई शराब को जब्त किया. वहीं,अवैध शराब निर्माण में इस्तेमाल किए जाने वाले वस्तुओं को नष्ट कर दिया. छापेमारी के क्रम में संदिग्ध अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की सूसंगत धाराओं के आधार पर अभियोग दर्ज किया जा रहा है. छापेमारी दल में उत्पाद विभाग के निरीक्षक संजीत देव, अवर निरीक्षक सदर कृष्णा प्रजापति व अन्य पुलिस बल शामिल थे. उत्पाद विभाग की लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है.

जेबीकेएसएस प्रखंड युवा मोर्चा समिति का विस्तार

बोकारो। कसमार प्रखंड के मंजूरा स्थित सपाहीटांड़ के बिनोद बिहारी महतो स्मारक महाविद्यालय फुटबॉल मैदान में झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति कसमार प्रखंड युवा मोर्चा समिति का विस्तार गोमिया विधानसभा पर्यवेक्षक सह प्रभारी अमरेश कुमार महतो की अध्यक्षता में किया गया. इस दौरान बैठक का संचालन कसमार प्रखंड अध्यक्ष प्रशांत कुमार ने किया. बैठक में कसमार प्रखंड प्रभारी बबलू अंसारी, प्रखंड महासचिव नरेंद्र घांसी, प्रखंड उपाध्यक्ष गयाराम महतो,अरविंद कुमार महतो, मीडिया प्रभारी रविंद्र महतो व बबलू मुख्य रूप से उपस्थित थे. इस दौरान कसमार प्रखंड युवा मोर्चा समिति का विस्तार किया गया, जिसमें प्रवीण कुमार महतो को अध्यक्ष, समीर सागर, रोहित कुमार महतो, धनेश्वर महतो एवं संतोष कुमार महतो को उपाध्यक्ष, सूरज कुमार गोस्वामी को महासचिव, जितेंद्र कुमार महतो, बलदेव महतो एवं राजकिशोर महतो को सचिव बनाया गया. इस दौरान जेबीकेएसएस के सक्रिय सदस्य के रूप में ब्रजेश कुमार, विरु, उमेश महतो, धर्मेंद्र, जनार्दन, राजू, रोहित, गोपाल महली, सुनील, प्रीतम, विनोद, जयराम, बालेश्वर, परमेश्वर, बिनोद, जगेश्वर, मुकेश, राजकिशोर, अशोक, जयवीर, विजय, सहदेव, जितेंद्र, बिरेंद्र, नरेंद्र, सागर, गोपाल, संतोष, शेखर, समरेश, सरफराज, किशोर, राहुल व अन्य युवा उपस्थित थे.

गिरिडीह कॉलेज में "पुरुष उत्पीड़न" विषय पर गोष्ठी का आयोजन

स्त्री-पुरुष के आपसी तालमेल से होगी आदर्श परिवार की स्थापना : डॉ. अनुज

संवाददाता। गिरिडीह

गिरिडीह कॉलेज में बुधवार देर शाम एनएसएस इकाई-2 और आईक्यूएसी के तत्वावधान में 'पुरुष उत्पीड़न' विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया. एनएसएस-2 की प्रभारी प्रो. अरुणिमा सिंह की अगुवाई में आयोजित गोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ अनुज कुमार ने की और संचालन प्रो. धर्मेंद्र कुमार ने किया. डॉ अनुज कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के समीप होने पर भी पुरुष उत्पीड़न जैसे नये मुद्दे पर संगोष्ठी विचारणीय है. उन्होंने कहा कि सदियों से पुरुष उत्पीड़ित होते आ रहे हैं. स्त्री पुरुष के आपसी तालमेल से ही आदर्श परिवार की स्थापना होगी.

उत्पीड़न की पृष्ठभूमि को भी समझना आवश्यक

प्रो. सतीश यादव ने कहा कि वर्तमान समय में पुरुषों का उत्पीड़न की पृष्ठभूमि को समझना आवश्यक है. पुरुष उत्पीड़न का प्रभाव मनोवैज्ञानिक रूप से घातक है. प्रो. विनीता कुमारी ने कहा कि महिला और पुरुष समाज के दो पहिए हैं, जिनके सहयोग से ही विकसित समाज का निर्माण होता है. इसलिए वर्तमान में दोनों को एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए. ताकि न ही महिला और न ही पुरुष का उत्पीडन हो. गोष्ठी में उत्कृष्ट विचार प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया.

24 सूत्री मांगों को ले सपा का धरना प्रदर्शन

पाकुड़। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री गोपीन हेंब्रम की अध्यक्षता में शहर से रैली निकालकर प्रखंड पाकुड़ में धरना प्रदर्शन किया गया. जिसमें पार्टी के द्वारा 24 सूत्री मांग को रखते हुए कहा गया कि ग्राम प्रधानों को 2000 के जगह 5000 सम्मानित राशि संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम 1949 के तहत जमीन लिज करने का प्रावधान नहीं है. क्रेशर खदान की जांच, बिजीआर कंपनी के डंपर में ओवरलोडिंग पर रोक, बीजीआर एवं डीवीएल कंपनी में शिक्षित बेरोजगारों को नौकरी सहित अन्य मांगों से जुड़ा आवेदन सौंपा गया.

रैली एवं प्रभात फेरी निकालकर पोषण के प्रति किया जागरूक

संवाददाता। पाकुड़

गुरुवार को उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल के निर्देश पर जिले भर के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया. आंगनबाड़ी केंद्रों में रैली, किशोरियों के साथ पोषण गोष्ठी एवं केन्द्रों पर पोषण स्टॉल का प्रदर्शिनी लगाई गई. सेविका एवं सहायिका, आंगनवाड़ी बालबाड़ी के बच्चें एवं किशोरियों द्वारा रैली एवं प्रभात फेरी निकालकर लोगों का पोषण के प्रति जागरूक किया गया. पोषण पखवाड़ा का उद्देश्य लोगों को सही पोषण के लिए जागरूक करने के साथ साथ गर्भावस्था व बच्चों को ऊपरी आहार, खानपान के प्रति सजग होने एवं शिशु जनित रोगों को कम करने के लिए जानकारी देना है. पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य बच्चों, किशोरों एवं महिलाओं को कुपोषण मुक्त, स्वस्थ को और मजबूत बनाना है.

चुनाव को लेकर बीडीओ और सीओ ने दिए निर्देश

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

आगामी लोक सभा चुनाव को लेकर गावां प्रखंड प्रशासन की ओर से तैयारी पूरी की जा रही है. इसे लेकर गुरुवार को प्रखंड सभागार कक्ष में बीडीओ महेंद्र रविदास की अध्यक्षता में बैठक की गई. सभी सुपरवाइजर को निर्देश देते हुए कहा गया कि बूथों में मुलभूत सुविधा, मतदाता सूची, पोस्टल वॉटिंग, सेक्टर मजिस्ट्रेट का दायित्व, मतदान केंद्र, रूट चार्ट एवं मतदान के सारी सुविधा उपलब्ध कराया जाय. साथ ही कहा गया कि बीएलओ अपने अपने बूथों पर अधिक से अधिक मतदान हो उसे लेकर गांवों में जागरूकता अभियान चलाएं. सीओ अविनाश रंजन ने कहा कि मतदान का बहुत बड़ा महत्व होता है. इसलिए अधिक से अधिक मतदान के लिए मतदाताओं के बीच जाकर जागरूकता लाना है. मौके पर थाना प्रभारी महेश चंद्रा, गोपाल कुमार, अनिल कुमार, बसंत साव, स्यामूल मुर्मू, सतीश चौधरी, कार्तिक विश्वकर्मा समेत सभी बीएलओ सुपरवाइजर उपस्थित थे.

बीडीओ और सीओ ने किया बूथ का निरीक्षण

बीडीओ महेंद्र रविदास व सीओ अविनाश रंजन ने गावां प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में स्थित मतदान केंद्र का गुरुवार को निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने बताया कि सभी बूथों पर बिजली, पानी, शौचालय और सड़क की सुविधा एवं मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, इसको लेकर बूथों का निरीक्षण किया जा रहा है. जिस मतदान केंद्र पर मतदाता जाएंगे वहां किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसको लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं. सीओ ने कहा कि सभी बूथों पर प्रयास होगा कि एक बार निरीक्षण कर वहां की स्थिति का आकलन अपने स्तर पर करें. उसके बाद पंचायत सचिव व बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया.

बोकारो के परीक्षित को राष्ट्रपति पुरस्कार

बोकारो। झारखंड-बंगाल का प्रसिद्ध छऊ नृत्य की चर्चा सिर्फ भारतवर्ष में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में हो रही है. इस लोकनृत्य को स्थापित करने और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में झारखंड-बंगाल के कई चर्चित कलाकारों ने कड़ी मेहनत की है. इनमें से एक बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड स्थित खेड़ाबेड़ा गांव निवासी परीक्षित महतो भी हैं. छऊ नृत्य कलाकार परीक्षित को बुधवार को लोककला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संगीत नाटक अकादमी अवार्ड से सम्मानित किया है. परीक्षित महतो ने इस लोक कला का प्रशिक्षण शिक्षा गुरु स्व धनंजय महतो से ली थी. परीक्षित महतो को राष्ट्रपति पुरस्कार मिलने पर नेता प्रतिपक्ष सह चंदनकियारी विधायक अमर कुमार बाउरी ने खुशी जाहिर की है. उन्होंने बताया कि छऊ नृत्य कलाकार परीक्षित महतो ने राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रपति से सम्मानित होकर पूरे राज्य के लोगों का मान बढ़ाया है. उनकी मेहनत और लगन के कारण आज उन्हें सम्मानित किया गया है. हम सभी के लिए यह गर्व का पल है.

चुनावी बॉन्ड मामले को लेकर कांग्रेस का एसबीआई शाखा के बाहर जोरदार प्रदर्शन

संवाददाता । साहिबगंज

गुरुवार को चुनावी बॉन्ड मामले में जिला कांग्रेस कमिटी साहेबगंज ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर साहेबगंज जिला मुख्यालय में जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान के नेतृत्व में चौक बाजार दुर्गा मंदिर स्थित एसबीआई बैंक के मुख्य शाखा के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया. जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि 6 मार्च 2024 तक एसबीआई यह बताए किसने कितना चंदा किस राजनीतिक दल को दिया है, तो फिर बैंक इस जानकारी को सार्वजनिक करने में इतनी आनाकानी क्यों कर रहा है.

बात गैर लोकतांत्रिक है : एसबीआई की ओर से 30 जून तक जानकारी दिए जाने की बात कहना गैर लोकतांत्रिक है. जिला अध्यक्ष ने कहा कि चुनावी बॉन्ड योजना की सबसे बड़ी लाभार्थी भाजपा को डर है कि उसके चंदा देने वाले मित्रों की जानकारी सार्वजनिक होते ही उसकी बेईमानी और मिलीभगत का भंडाफोड़ हो जाएगा. इसी डर को दबाने के लिए ये कदम उठाए जा रहा है. लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार अपने संदिग्ध लेन-देन को छिपाने के लिए देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रही है जिसका हम सभी कांग्रेस कार्यकर्त्ता एवं देश की आम जनता जोरदार विरोध कर रही है.अब न्यायालय को ही इस देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए आगे आना होगा. हम सभी कांग्रेसजन न्यायालय के फैसले के साथ हैं.

ये थे मौजूद : विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में अनुकूल मिश्रा, मोहम्मद कलीमुद्दीन, बासुकीनाथ यादव, अशोक पासवान, भोलानाथ महतो, सरफराज आलम, नित्यानंद गुप्ता, मंगल पासवान, कमरुल हक़, जनार्दन तिवारी, सुनील पासवान उमेश पांडे, रंजीत टुडू, ईखलाक नदीम, रिजवान अहमद, परवेज आलम, देवराज सिंह, रंजीत कुमार यादव, मोहम्मद फरीद अंसारी, एस्थिर मरण्डी, आफताब आलम, मोहम्मद इब्राहिम आलम, अल्ताफ हुसैन रिजवान शेख, आदित्य ओझा, जमुना दास, अब्दुल हफीज परवेज आलम, मोहम्मद कासिम एवं दर्जनों कांग्रेसजन मौजूद थे.

कांग्रेस का एसबीआई के समक्ष विरोध प्रदर्शन

गिरिडीह। शहर के भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य शाखा के समक्ष कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में आज गुरुवार को विरोध प्रदर्शन किया गया. विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व जिला अध्यक्ष धनंजय कुमार सिंह ने किया. जिला अध्यक्ष ने बताया कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा की चुनावी बॉन्ड योजना को असंवैधानिक करार दिया था. कोर्ट ने एसबीआई को 6 मार्च से पहले इस योजना के तहत विभिन्न राजनीतिक दलों को प्राप्त चंदे की लिस्ट सार्वजनिक करने का निर्देश दिया था. साथ ही चुनाव आयोग को लिस्ट की रिपोर्ट सौंपने को कहा था.

कोर्ट परिसर में किया कॉमन रूम का उदघाटन

बोकारो। बोकारो कोर्ट परिसर स्थित अधिवक्ता संघ परिसर में महिलाओं के लिए नव निर्मित कॉमन रूम का उद्घाटन धनबाद सांसद पशुपति नाथ सिंह एवं बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने किया. इस दौरान इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल काउंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने सांसद पशुपति नाथ सिंह को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया. रणजीत गिरि ने सांसद के समक्ष बोकारो सिविल कोर्ट से चंद्रपुरा, दुगदा, नावाडीह थाना को जोड़ने की मांग की. जिस पर विधायक एवं सांसद ने पहल करने का आश्वासन दिया. इस संबंध में एक ज्ञापन भी सौंपा गया. ज्ञात हो कि लगभग 15 लाख की लागत से सांसद मद से महिला कॉमन रूम का निर्माण किया गया है. महिला कॉमन रूम में महिलाओ के लिए सभी प्रकार के सुविधा मौजूद रहेगा. इसका निर्माण प्रथम तल पर किया गया है. पहले बोकारो बार में महिला अधिवक्ताओं के लिए कोई सुविधा मौजूद नही था, जिसके कारण महिलाओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था. अधिवक्ताओं ने सांसद पशुपति नाथ सिंह का आभार व्यक्त किया.

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सिद- कान्हू सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया

बेटियों को अधिक से अधिक शिक्षा दें: मोनिका किस्कू

संवाददाता। साहिबगंज

गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम सिद्धो-कान्हू सभागार, साहिबगंज में आयोजित किया गया. जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा , सिविल सर्जन डॉ. अरविंद कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता, कार्यपालक अभियंता एनआरईपी देवीलाल हांसदा, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक जेएसएलपीएस मार्टिन तारीक ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समाज में बेटा या बेटी में कोई फर्क नहीं होनी चाहिए.

खास बातें

- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना पर जिला स्तरीय कार्यक्रम
- बेटियां अब सभी क्षेत्रों में काम कर रही हैं

शिक्षा के लिए प्रेरित करें

उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बेटी अब बेटी नहीं रह गई है बल्कि वह सभी क्षेत्रों में पुरुषों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है. बेटी देश के सभी क्षेत्रों में चाहे वह इंजीनियरिंग, मेडिकल, चालक ,खेल, राजनीतिक या अन्य सभी क्षेत्रों में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही है. इसलिए आज अपने समाज में बेटियों को शिक्षा के लिए प्रेरित करें.

योजनाओं से अवगत कराया

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता ने झारखंड सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से लोगों को अवगत कराया और सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना,न्यादान योजना एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा चलने वाली विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी. सभी पदाधिकारियों ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के प्रचार- प्रसार के लिए जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया.

डीसी, एसपी को लिखा पत्र, मांगी सुरक्षा

संवाददाता। गिरिडीह

सहिया के कथित आतंक से घबराई स्वास्थ्य महकमा अब आला अधिकारियों से चैताडीह शिशु कल्याण केंद्र में सुरक्षा की गुहार लगा रही है. गुरुवार को सिविल सर्जन डॉक्टर एसपी मिश्रा ने जिले के उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा और पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शर्मा को पत्र लिखकर चैताडीह में चाक चौबंद सुरक्षा की मांग की है. मालूम हो की चैताडीह में सहिया द्वारा बहला-फुसलाकर आने वाली गर्भवती महिलाओं को स्थानीय नर्सिंग होम में ले जाने की होड़ मची रहती है. ऐसे नर्सिंग होम में सहिया सहित कई स्टेप पर मोटी रकम कमीशन के रूप में दी जाती है. मोटी कमीशन के लालच में सहिया सारे प्रावधानों को तक पर रख आने वाली गर्भवती महिलाओं को स्थानीय नर्सिंग होम में ले जाती है. डॉ. मिश्रा ने बताया कि सुरक्षा के साथ सहिया को बगैर मरीज के अंदर आने की अनुमति नहीं होगी. यहां गौर करने वाली बात यह है कि मरीजों को बहला फुसला कर ले जाने वाली सहिया की कार्यशैली पर अंकुश के लिए कई उपाय किए गए हैं, पर इसमें सुधार अब तक नहीं हुआ. इस बार सिविल सर्जन डॉ. मिश्रा ने हर हाल में अवांछित तत्वों के चैताडीह में प्रवेश पर रोक लगाने की ठानी है. मिली जानकारी के अनुसार सुरक्षा के लिए कम से कम दर्जन भर होमगार्ड जवानों को रखा जाएगा.

मृतक के परिजनों को मिला 7:50 लाख मुआवजा

चैताडीह स्थित जनता हॉस्पिटल में बुधवार को महिला मरीज की मौत मामले में पीड़ित परिजनों को अस्पताल प्रबंधन की ओर से 7 :50 लाख मुआवजा दिया गया. कांग्रेस तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा के स्थानीय नेताओं की पहल के बाद अस्पताल प्रबंधन और पीड़ित परिवार के बीच गुरुवार को करीब 3 घंटा समझौता वार्ता हुई. विदित हो कि बुधवार को बेंगाबाद प्रखंड के जीरुआडीह की रहने वाली मुस्कान खातून की मौत जनता हॉस्पिटल में इलाज के दौरान हो गई थी. मौत के बाद परिजनों ने जमकर बवाल किया था. समझौता वार्ता में अस्पताल प्रबंधन तथा पीड़ित परिवार की ओर से युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हसनैन अली, स्थानीय मुखिया विश्वनाथ साहू सहित कई लोग मौजूद थे.

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में 'मेरा पहला वोट देश के लिए' विषय पर व्याख्यान, मतदान के लिए किया जागरूक

नागरिक का वोट लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत : डॉ. पीके नायक

संवाददाता। हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के तरबा-खरबा स्थित मुख्य कैंपस सभागार में विश्वविद्यालय के एनएसएस इकाई के बैनर तले 'मेरा पहला वोट देश के लिए' विषय का व्याख्यान का आयोजन किया गया. कुलपति डॉ. पीके नायक, कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ. एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ. एमके मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के डीन व एचओडी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की.

इस दौरान मौजूद विद्यार्थियों को वोट की अहमियत से अवगत कराया गया. साथ ही मतदान को लेकर जागरूक भी किया गया. कुलपति डॉ. पीके नायक ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत नागरिक का मत होता है. इसलिए 18 वर्ष से ऊपर सभी लोगों को अपने इस अधिकार का प्रयोग करना चाहिए. वहीं डीन एकेडमिक प्रो. एमके मिश्रा ने भी मतदान की अहमियत को लेकर विद्यार्थियों को सकारात्मक संदेश दिए. राजनीति विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. श्वेता सिंह ने कहा कि भारत की धर्मनिरपेक्षता देश की सबसे बड़ी खूबसूरती है. धर्म, जाति, वर्ग, समुदाय से प्रभावित हुए बिना सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए, तभी हम स्वयं का और समाज का विकास कर सकते हैं.

एनएसएस अधिकारी डॉ. रूद्र नारायण व डॉ. प्रीति व्यास ने 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के हो चुके विद्यार्थियों को मतदाता पहचान पत्र बनाने के लिए प्रेरित किया. इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने भी मतदान की उपयोगिता पर अपने-अपने विचार रखे, जिसमें तन्नू श्री, परिणिता, वशु विश्वकर्मा, महेश कुमार, रिया वर्मा, डॉली कुमारी, प्रियंका व पूजा के नाम शामिल हैं. कार्यक्रम के दौरान मतदान करने एवं इसके लिए जागरुकता फैलाने को लेकर उपस्थित प्राध्यापक-प्राध्यापिकाओं, कर्मियों के अलावा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को शपथ भी दिलाई गई. मंच संचालन एनएसएस अधिकारी डॉ. प्रीति व्यास ने किया.

मतदाता जागरूकता की शपथ लेते विवि के अधिकारी प्राध्यापक एवं विद्यार्थी.

मतदाता जागरूकता
- विद्यार्थियों को मतदान की अहमियत से अवगत कराया
- अधिकारियों ने मतदान की उपयोगिता पर विचार रखे

मतदान लोकतंत्र की मजबूती का आधार : डॉ. मुनीष
कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद ने मतदान को लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व बताया. कहा कि मतदान लोकतंत्र की मजबूती का आधार है. साथ ही सरकार निर्माण में भी मतदाता की अहम भूमिका होती है. ऐसे में मतदान के अधिकार का प्रयोग किए जाने के साथ-साथ सभी को अपने-अपने स्तर से सुदूरवर्ती और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करने की भी आवश्यकता है.

होल्डिंग टैक्स के बकायेदारों का खाता फ्रीज करेगा निगम

संवाददाता। हजारीबाग

नगर प्रशासक सह नगर आयुक्त शैलेंद्र लाल ने नगर निगम के राजस्व शाखा के साथ वित्तीय वर्ष 2023-24 में किए जा रहे राजस्व से संबंधित समीक्षा बैठक की. बैठक में मेसर्स रितिका प्रिंटेक को होल्डिंग टैक्स, वाटर यूजर चार्ज, ट्रेड लाइसेंस एवं विज्ञापन शुल्क में शत-प्रतिशत वसूली करने का निर्देश दिया. साथ ही निगम क्षेत्र के सभी बड़े बकायेदार, जिन्होंने अभी तक होल्डिंग टैक्स का भुगतान नहीं किया है, उन्हें झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 184 के अंतर्गत नोटिस करते हुए उनके बैंक खाता को फ्रीज करने की कार्रवाई शुरू करने को कहा गया.

वहीं, पूर्व में नोटिस निर्गत करने के बाद भी होल्डिंग टैक्स का भुगतान नहीं करने वाले बड़े बकायेदारों के खाता को फ्रीज करने की कार्रवाई का निर्देश दिया. निगम के सभी तहसीलदारों को भी निर्देश दिया है कि वे एजेंसी के तहसीलदार के साथ बड़े बकायदारों से बकाया होल्डिंग टैक्स का भुगतान प्राप्त करें. एजेंसी को मार्च 2024 तक निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कर वसूली शत-प्रतिशत करने को कहा.

समीक्षा बैठक
- नगर आयुक्त ने की राजस्व शाखा के साथ बैठक की
- मार्च तक शत-प्रतिशत वसूली करने का दिया निर्देश

ब्रीफ खबरें

जेपी आंदोलन की 50वीं वर्षगांठ 18 मार्च को
हजारीबाग। जेपी आंदोलन की 50वीं वर्षगांठ मधुबन भवन में 18 मार्च को मनाई जाएगी. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिवानंद तिवारी होंगे. उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के संरक्षक हरीश श्रीवास्तव ने बताया कि इस सम्मेलन में 74 आंदोलनकारी के उद्देश्यों को याद करते हुए समीक्षा की जाएगी कि आंदोलनकारी के उद्देश्य क्या कहां तक पहुंचे और अब हम इस आंदोलनकारी के उद्देश्यों को पूर्ति करने के लिए क्या कर सकते हैं. इस अवसर पर स्वरूप चंद्र जैन द्वारा रचित 'इमरजेंसी मीशा' और 'मैं एक वकील' किताब का भी विमोचन किया जाएगा. वहीं अरविंद सहाय ने कहा कि हमें आगे की राजनीति तय करनी है. आंदोलन पुनः जीवित किया जाएगा.

12 कोयला खदान को डोजरिंग कर भरा गया
बड़कागांव। वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध कोयला खदान को डोजरिंग किया है. हजारीबाग पश्चिमी डीएफओ सब्बा आलम के निर्देशानुसार एसीएफ एके परमार तथा बड़कागांव रेंजर कमलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में राउतपारा में 8, रूदी तथा अंबा झरना में 4 अवैध कोयला खदान को डोजरिंग कर भरा गया. कोयला खदानों में डोजरिंग होने से खदान मालिकों में हड़कंप मचा हुआ है. इस कार्रवाई में एसीएफ व बड़कागांव रेंजर के अलावा बड़कागांव वन क्षेत्र वनपाल संतु कुमार, वनरक्षी केशव महतो , मृणाल भास्कर, महेश कुमार, अमर कुमार साव, बड़कागांव वन क्षेत्र, सदर वन क्षेत्र तथा बरही वन क्षेत्र के वनरक्षी एवं बड़कागांव थाना के पदाधिकारी तथा सशस्त्र बल शामिल थे.

शहरी जलापूर्ति योजना निगम को हस्तांतरित
हजारीबाग। शहरी जलापूर्ति योजना से स्थानीय शहर वासियों को पेयजलापूर्ति एवं योजना का रखरखाव एवं संचालन का कार्य पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, हजारीबाग द्वारा किया जाता रहा है. वहीं, सरकार के निर्देश एवं सांसद की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में गुरुवार को सभी परिसंपत्तियों सहित हजारीबाग शहरी जलापूर्ति योजना को नगर निगम को हस्तांतरित कर दिया गया है. इस कार्य के लिए औपचारिक बैठक कर कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, हजारीबाग द्वारा नगर आयुक्त सह प्रशासक, नगर निगम को शहरी जलापूर्ति योजना विधिवत हस्तगत कर दी गई है. अब शहरी जलापूर्ति योजना से पेयजलापूर्ति का कार्य एवं संचालन व रखरखाव की जिम्मेदारी नगर निगम निर्वहन करेगा.

भाजपा के सांसद प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने गिनाई प्राथमिकता, कहा

मैं हजारीबाग की माटी का बेटा

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग की माटी का बेटा हूं. जमीन से जुड़ा रहा हूं और मैंने राजनीति को सेवा का माध्यम बना कर कार्य किया है. कभी खुद को नेता नहीं समझा और आगे भी आमजनमानस के साथ ऐसे ही सुलभ, सहज, सरल बन कर उपलब्ध रहेंगे. जिन्हें भी जरूरत हो, अपने बेटे-भाई को आवाज दें, 24 घंटे मेरे दरवाजे उनकी समस्याओं के निबटारे के लिए खुले हैं.

उक्त बातें भाजपा के हजारीबाग लोकसभा सीट से सांसद प्रत्याशी सह सदर विधायक मनीष जायसवाल ने कही. वे भाजपा शीर्ष नेतृत्व द्वारा प्रत्याशी घोषित होने के बाद अपने सेवा कार्यालय परिसर में मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान भाजपा के कई पुराने कार्यकर्ता भी साथ थे. मनीष जायसवाल ने आगे कहा कि वे समग्र विकास पर विश्वास रखते हैं. सदर विधानसभा क्षेत्र की जनता ने जैसे दो बार प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया, यही अवसर अब उन्हें संसदीय क्षेत्र से मतदाता दें. वह विश्वास दिलाते हैं कि सभी हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के पांचों विधानसभा क्षेत्र में विकास की धारा बहेगी.

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जरूरतमंदों को भरपेट भोजन कराना, छठ महापर्व में व्रतियों के बीच पूजन साड़ी बांटना, हजारीबाग में वृहद स्तर पर युवाओं के बीच खेल सामग्री और जरूरी संसाधन का वितरण करना, शादी के दौरान जरूरतमंद बहनों के बीच लहंगा बांटने व गरीब एवं जरूरतमंद 25 जोड़े की शाही शादी कराने जैसे कार्य का ही सुखद फलाफल है कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उनकी जनसेवा की भावना देख उनपर यकीन जताया और उन्हें हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र का उम्मीदवार बनाया. इसके लिए वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, अमर बाउरी के साथ स्थानीय भाजपा नेता, कार्यकर्ता, समस्त जनता का तहेदिल से आभारी हैं.

सांसद जयंत सिन्हा से मिल कर लेंगे आशीर्वाद : भाजपा के सांसद प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने कहा कि वे हजारीबाग के सांसद जयंत सिन्हा से जल्द ही मुलाकात कर उनका आशिर्वाद प्राप्त करेंगे. उन्होंने कहा की पूर्व में पार्टी और क्षेत्र के विकास में उनकी भी अहम भूमिका रही है. इस सिलसिला को आगे बढ़ाने का उनसे आशीर्वाद मांगेंगे. प्रेस वार्ता के दौरान मंच संचालन भाजपा के जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने किया.

आवासीय कार्यालय में बोलते मनीष जायसवाल व मौजूद भाजपा के वरिष्ठ नेता.

प्रेस वार्ता
- क्षेत्र के समग्र विकास के लिए जनता से मांगा सेवा का मौका
- कहा- सेवा कार्यों को देख कर पार्टी ने जताया भरोसा
- राजनीति को सेवा का माध्यम बना कर अब तक कार्य किया

'लोकसभा क्षेत्र में विकास कार्य को तेज रफ्तार से बढ़ाना मेरा दायित्व'
मनीष जायसवाल ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की समस्त जनता, पार्टी के सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं के सहयोग से उनके संसद भवन पहुंचने का रास्ता साफ होगा. उन्होंने कहा कि सड़क, गली, नाली, बिजली, पानी, शिक्षा, खेल समेत हर क्षेत्र में पूर्व के भाजपा सांसदों ने जिस मुकाम पर हजारीबाग को पहुंचाया, वहां से अब क्षेत्र को आगे बढ़ाने का दायित्व उनका है. वह अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी और समर्पित भाव से निभाएंगे. यह भी कहा कि लोकसभा क्षेत्र में विस्थापन, पुनर्वास, बेरोजगारी, पैसेंजर ट्रेन बढ़ाने, हजारीबाग में एयरपोर्ट की लंबित योजना, सड़कों का विस्तारीकरण सहित आधारभूत संरचनाओं को पूरा करना भी उनकी प्राथमिकता होगी.

कार्यकर्तार्ता और जनता के अनुरूप मिला है उम्मीदवार : डॉ केपी शर्मा
भाजपा के वरिष्ठ नेता सह पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. केपी शर्मा ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में मनीष जायसवाल के लिए कृष्ण की भूमिका में सारथी बन कर काम करेंगे. उन्होंने कहा कि मार्गदर्शक की भूमिका निभा कर जीत का मार्ग प्रशस्त करेंगे. उन्होंने यह भी कहा की हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं और जनता के अनुरूप सांसद उम्मीदवार मिला है. भाजपा के युवा एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता सब साथ मिल कर उनकी जीत के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक देंगे. वहीं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष शंकर लाल गुप्ता और भाजपा के वरिष्ठ नेता केपी ओझा ने भी भाजपा के सांसद प्रत्याशी मनीष जायसवाल को सहयोग करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ने की बात कही.

समर्थकों ने पूर्व केंद्रीय मंत्री से मुलाकात कर दिया समर्थन का भरोसा

यशवंत सिन्हा से चुनाव लड़ने का आग्रह

संवाददाता। हजारीबाग

लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद सह पूर्व वित्त व विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा से डेमोटांड़ स्थित ऋषभ वाटिका में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सैकड़ों प्रमुख कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने मुलाकात कर अपना पूर्ण समर्थन देने का भरोसा दिलाया. समाज के विभिन्न वर्गों के प्रमुख लोगों ने उनसे लोकसभा चुनाव में उतर कर भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ लड़ाई में अपना पूर्ण समर्थन देने का वादा किया.

लोगों ने यशवंत सिन्हा से बार-बार आग्रह किया कि आप ही इस क्षेत्र के तारणहार हो सकते हैं. कहा, जो लोग आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं, उनके साथ हमारी लड़ाई है और हम आपको यह पूर्ण विश्वास दिलाते हैं कि इस लड़ाई में हर कदम पर हम आपके साथ हैं. मौके पर मुख्य रूप से बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कृष्ण बल्लभ सहाय के पौत्र वरिष्ठ कांग्रेसी नेता आशीष सहाय, पूर्व वार्ड पार्षद मो. नसीम, राजीव श्रीवास्तव, विवेक बरियार, ऋषि शर्मा, रामजी गुप्ता, टीएमसी के केंद्रीय सचिव कारी नौशाद आलम, दमदोइया पंचायत के पूर्व मुखिया मो. रउफ अंसारी, लक्ष्मण लाल, अनूप भाई वर्मा, जगतार सिंह, संतन सिंह सहित बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के गण्यमान्य लोग उपस्थित थे. उक्त जानकारी अनिल सिन्हा ने दी.

चुनावी मुलाकात
- भ्रष्टाचारियों के खिलाफ लड़ाई में साथ देने का वादा
- कहा- इस लड़ाई में हर कदम पर हम आपके साथ

महिलाएं अर्थव्यवस्था की एक मजबूत आधार : नगर आयुक्त

संवाददाता। हजारीबाग

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर नगर निगम द्वारा नगर भवन में सम्मान सह पारितोषिक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें विभिन्न बैंकों द्वारा स्वयंसेवी संस्था की महिलाओं को उद्यम विकास हेतु 60 लाख बैंक लिंकेज प्रदान किया गया. दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत नगर निगम अंतर्गत 464 महिला स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रशिक्षण का कार्य किया गया है.

इसमें प्रथम पेज में 183 तथा द्वितीय फेज में शामिल 281 महिलाओं को प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के पश्चात प्रमाण पत्र दिया गया. साथ ही नगर निगम द्वारा आयोजित साक्षात्कार के माध्यम से चयनित चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया. अपने संबोधन में नगर आयुक्त ने कहा महिलाएं अर्थव्यवस्था का एक मजबूत आधार स्तंभ हैं. उन्होंने महिलाओं को निरंतर आगे बढ़ाने हेतु प्रेरित किया.

महिला दिवस
- नगर निगम की ओर से महिलाओं को किया सम्मानित
- उद्यम विकास के लिए 60 लाख का बैंक लिंकेज दिया

'सबकी योजना, सबका विकास' पर ग्राम सभा

टाटीझरिया। वित्तीय वर्ष 2024-25 सत्र के लिए योजना बनाने हेतु मध्य विद्यालय, खंभवा में ग्राम सभा की गई. अध्यक्षता मुखिया कांति देवी ने किया. उन्होंने सबकी योजना, सबका विकास के बारे में विस्तार से बताया. सभा में गार्डवाल, पनसोखा, आम बागवानी, शौचालय, कूप मरम्मती समेत अन्य योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर सूचीबद्ध किया गया. मौके पर कंचन देवी, निरंजन प्रसाद, खुशबू देवी, प्रेमलता देवी, लोकनाथ गोप, रीता देवी, उर्मिला देवी, विवेक सिंह, राहुल सिंह, पप्पू प्रसाद, चमेली देवी, लक्ष्मण मंडल, लखिया देवी, कालिया देवी, पीतांबरी देवी, मनवा देवी, एतवारी देवी आदि मौजूद थे.

'ड्रोन प्रौद्योगिकी में व्यावहारिक दृष्टिकोण' पर कार्यशाला का चौथा दिन

आरजीयू में ड्रोन शो का शुभारंभ

संवाददाता। रामगढ़

राधा गोविंद विश्वविद्यालय में कार्यशाला के चौथे दिन गुरुवार को ड्रोन शो की शुरुआत हुई. कार्यक्रम में उपस्थित ट्रस्ट की सचिव प्रियंका कुमारी, कुलसचिव डॉ.निर्मल कुमार मंडल एवम सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ. रश्मि ने इसकर शुभारंभ किया. वहीं, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बीएन साह ने ड्रोन शो के सफल आयोजन के लिए विभाग को शुभकामनाएं दी.

इससे पूर्व कार्यशाला के प्रथम दिन का उद्घाटन कुलाधिपति बीएन साह, एनआईटी राउरकेला के प्रो. जे. श्रीनिवास, सहायक प्राध्यापक पीएस बालाजी एवं बीआईटी मेसरा के कौशिक कुमार ने किया था. वहीं, दूसरे दिन एनआईटी राउरकेला के सहायक प्राध्यापक डॉ. के. संपत कुमार ने ड्रोन के प्रारूप से छात्रों को अवगत कराया. तीसरे दिन राउरकेला के प्रोजेक्ट इंजीनियर डॉ. चिकेश रंजन ने ड्रोन सिमुलेशन एंड सॉफ्टवेयर के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की. वहीं, चौथे दिन एनआईटी राउरकेला एवं राधा गोविंद विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों ने व्यावहारिक सत्र के दौरान ड्रोन सहित हवाई जहाज के विभिन्न प्रोटोटाइप को खेल मैदान के खुले आसमान में फ्लाइट शो के रूप में दिखाया.

इसने सभी शिक्षकों एवं छात्रों को रोमांचित किया. ड्रोन शो की महत्ता बताते हुए कुलसचिव डॉ. निर्मल कुमार मंडल ने एनआईटी राउरकेला के सहयोग से हो रहे इस ड्रोन कार्यशाला की सराहना की और इंजीनियरिंग विभाग को बधाई दी. पांच दिवसीय कार्यशाला का नेतृत्व इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अवनीश कुमार, एनआईटी राउरकेला के प्रोजेक्ट इंजीनियर डॉ. चिकेश रंजन, कंप्यूटर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार एवं व्याख्याता विपुल कुमार कर रहे हैं.

पाठ्येतर गतिविधियां
- हवाई जहाज के प्रोटोटाइप का आसमान में फ्लाइट शो
- कार्यशाला में एनआईटी राउरकेला का भी रहा सहयोग

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सशक्तीकरण पर जोर
रामगढ़। पलाश जेएसएलपीएस द्वारा संचालित सभी संकुल संगठनों में गुरुवार को अंतराष्ट्रीय महिला दिवस सह मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान महिला सशक्तीकरण को लेकर किए जा रहे कार्यों पर चर्चा की गई. वहीं संकुल संगठन के सदस्यों द्वारा मतदाता जागरूकता रंगोली, रैली, मतदाता शपथ एवं महिला सभा की गई. इस क्रम में कुजू पश्चिम पंचायत भवन में पुंडी आजीविका महिला संकुल संगठन की महिलाओं ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया. मुख्य अतिथि जेएसएलपीएस की जिला कार्यक्रम प्रबंधक रीता सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. मौके पर मुखिया जय कुमार ओझा, बीपीओ भास्कर महापात्रा, जेडीएलपीएस कर्मचारी अनिल कुमार महतो, विकास उरांव, संकुल संगठन की पदाधिकारी साहिन खान, संदीप केसरी, पिंकी देवी, सरोज हांसदा सैकड़ों की संख्या में महिलाएं मौजूद थीं.

महाशिवरात्रि आज, पुलिस लाइन से निकलेगी भव्य शिव बारात

सज-धज कर तैयार हैं शिवालय

संवाददाता। हजारीबाग

शिव उपासना का महापर्व महाशिवरात्रि शुक्रवार को मनाया जाएगा. शिवालयों में पूजा-अर्चना और अखंड हरिकीर्तन की तैयारियां जोरों पर हैं. महाशिवरात्रि को लेकर पुलिस लाइन में भी तैयारी पूरी हो गई है. इस अवसर पर हजारीबाग पुलिस लाइन एवं कई शिव मंदिरों से दोपहर बाद भव्य शिव बारात निकाली जाएगी और रात में शिव-पार्वती का विवाह संपन्न होगा.

बता दें कि महाशिवरात्रि के अवसर पर हजारीबाग पुलिस लाइन में वर्ष 1969 से शिव बारात निकली जा रही जाता है. इस दौरान जवान भगवान शिव, माता पार्वती और गण समेत अन्य कई रूपों में दिखते हैं. इस वर्ष शिव बारात में पुलिस लाइन के जवान अरुण कुमार सिंह भगवान शंकर के रूप में दिखेंगे और दिलीप कुमार मां पार्वती के रूप में रहेंगे. इस शिव बारात में पीटीसी के घोड़े और बैंड बाजा के साथ नगर भ्रमण किया जाएगा. इस अवसर पर रेंज डीआईजी, सुनील भास्कर, उपायुक्त नैंसी सहाय, एसपी अरविंद कुमार सिंह, डीएसपी, पुलिस मेंस एसोसिएशन के महामंत्री उपेंद्र मिश्रा, संयुक्त मंत्री राणा प्रताप, सहित सभी जवान शामिल रहेंगे.

वहीं विधि व्यवस्था को लेकर शिवालयों एवं मंदिरों में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं. इसके आलावा ग्रामीण क्षेत्रों में डुमर पंचायत के बेडम, कोल्हू, डुमर, डुंगो खैरिका, होलंग के बाबा फौदारी मंदिर, टाटीझरिया के बाबा बालक नाथ मंदिर, इचाक प्रखंड के तिलरा के अलावे डहरभंगा, केसडा, झरपो, भराजो, अमनारी, खंभवा, धरमपुर, मंगरपट्टा, दुधमनिया, मुरूमातु, गोधिया, बौधा स्थित शिव मंदिरों पर दर्शन-पूजन और जलाभिषेक के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ेगी. शिवरात्रि को लेकर शिवालयों और मंदिरों को फूल माला, विद्युत झालरों से भव्य तरीके से सजाया गया है.

धार्मिक अनुष्ठान
- जवान अरूण भगवान शंकर व दिलीप माता पार्वती बनेंगे
- डीआईजी, डीसी और एसपी शिव बारात में मौजूद रहेंगे

सूरते हाल

अबुआ आवास योजना के योग्य लाभुकों का छीना जा रहा है हक, संपन्न लोगों को पहुंचाया जा रहा लाभ

प्रखंड कार्यालयों में बिचौलिये हावी, गरीब जनता आवास से महरूम

शुभम संदेश पड़ताल

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

जिले में अबुआ योजना इन दिनों सुर्खियों में है. कभी जनप्रतिनिधि के द्वारा अबुआ आवास दिलाने के नाम पर रिश्वत मांगने का ऑडियो वायरल होता है, तो कभी इंजीनियर परिवार को आवास का लाभ पहुंचाने का मामला प्रकाश में आता है. इस योजना के तरह वैसे लोगों को आवास मुहैया कराना है, जो गरीब वर्ग से आते हैं और उनके पास पक्का मकान नहीं है.

सरकार का उद्देश्य भी यही है कि राज्य में कच्चे मकान को हटा कर सभी को पक्का मकान दिया जाए. लेकिन बिचौलिया, पंचायत जनप्रतिनिधि एवं कुछ अधिकारी सरकार की योजना को ठेंगा दिखा रहे हैं. चंद पैसों की लालच में जरूरतमंद परिवार को मकान न देकर पहले से सुखी संपन्न परिवार को मकान दे रहे हैं. जिले में इचाक, केरेडारी, कटकमदाग, कटकमसांडी, पदमा, बरकट्ठा, गोरहर, चौपारण, विष्णुगढ़ सहित कई प्रखंडों में कुछ ऐसे ही मामले सामने आ रहे हैं.

बता दें कि पूर्व में योजना का लाभ देने के लिए पंचायत स्तर पर मुखिया द्वारा गांव में आम सभा की जाती थी. कच्चे मकान में रहने वाले परिवार का सर्वे होता था और योग्य लाभुक को पक्के मकान के लिए सरकार की ओर से सहायता राशि दी जाती थी. लेकिन अब पंचायत की सरकार को मकान देने का अधिकार छीन लिया गया है और अब पदाधिकारी के माध्यम से आवास की सुविधा दी जा रही है.

प्रखंड कार्यालय में बिचौलिया हावी हैं और वह संपन्न लोगों से पैसे लेकर पदाधिकारी को आवास देने की सिफारिश करते हैं. ऐसे में जरूरतमंद और गरीब परिवार आज भी झोपड़ी में रहने के लिए मजबूर है.

मची लूट
- बिचौलियों के कहने पर पास कर दिया जा रहा है आवास
- पहले मुखिया सर्वे करा कर जरूरतमंदों को देते थे आवास

केस - 01 इचाक प्रखंड के फरूका पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि का एक ऑडियो वायरल हुआ था. उसमें मुखिया प्रतिनिधि लाभुक को अबुआ आवास का लाभ दिलाने के नाम पर 10,000 रुपये की मांग कर रहा था. इसकी शिकायत पर जिला स्तर पर जांच टीम गठित की गई. हालांकि, जांच टीम की रिपोर्ट में आरोपी मुखिया प्रतिनिधि को निर्दोष बताया गया.

केस - 02 केरेडारी प्रखंड के बरियातू पंचायत के एक मुखिया पति आकाश कुमार पर अबुआ आवास दिलाने के नाम पर लाभुक से 10,000 रुपये की मांग करने का आरोप लगा. इसका एक ऑडियो भी वायरल हुआ था. शिकायत मिलने पर उपायुक्त हजारीबाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से मुखिया के कार्य भार पर रोक लगा दी है.

केस - 03 कटकमदाग प्रखंड के एक लाभुक को फोन कर 10,000 रुपये की मांग की गई. फोन करने वाले ने बताया कि वह डीसी ऑफिस का कर्मचारी हैं. मामला संज्ञान में आने के बाद डीसी ने इसे साइबर ठगी का मामला बताया. उन्होंने सभी लाभुकों से निवेदन किया कि अगर कोई आवास के नाम से पैसा मांगता है, तो पुलिस को इसकी सूचना दें.

केस - 04 इचाक प्रखंड अंतर्गत नवाडीह पंचायत में अबुआ आवास का लाभ लेने वाला व्यक्ति महाराष्ट्र में अच्छी नौकरी करता है. बेटा इंजीनियर है और पत्नी भी प्राइवेट सेक्टर में काम करती है. कल्लु चौक में इनका तीन मंजिला मकान है और पूरा परिवार करीब 40 वर्ष पहले ही गांव छोड़ चुका है. इसके बावजूद बिचौलिये ने अच्छी खासी रकम लेकर इस परिवार को अबुवा आवास देने की प्रखंड के अधिकारी से सिफारिश की. वहीं, पदाधिकारी भी किसी को जानकारी न हो, इसके लिए रात के अंधेरे में जियो टैग करने का आदेश दे दिए.

मवेशी लदा कंटेनर व विदेशी शराब लदी कार जब्त किया

संवाददाता। चौपारण

पुलिस ने कार से शराब की बड़ी खेप के साथ पशु लदे एक कंटेनर को पकड़ा है. जानकारी देते हुए थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना पर चोरदाहा चेक पोस्ट पर बैरिकेडिंग कर बरही की तरफ से आने वाले वाहनों की जांच शुरू की गई. इस बीच सुबह करीब 5:10 बजे हुंडई आई टेन कार (बीआर 06 एस 1916) का चालक सशस्त्र बल को देख कार छोड़ कर फरार हो गया.

कार की तलाशी में विभिन्न ब्रांड के 22 पेटी विदेशी शराब जब्त किए गए. सभी शराब की बोतल पर सेल फॉर पंजाब लिखा हुआ है. इस संबंध में चौपारण थाना में उत्पाद अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच की जा रही है. दूसरी ओर चोरदाहा चेक पोस्ट पर ही अवैध रूप से 41 बैल लदे एक कंटेनर को जब्त करते हुए चालक को गिरफ्तार किया गया है. पूछताछ में चालक ने बताया कि मवेशियों को बाराचट्टी की तरफ से चौपारण होते हुए बंगाल ले जाया जा रहा था. गिरफ्तार चालक की पहचान बिहार के कैमूर जिला के मोहनिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलौरी निवासी मुस्तकीम अंसारी के रूप में की गई. उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है.

पुलिसिया कार्रवाई
- 42 मवेशियों को बंगाल ले जा रहा था चालक, धराया
- कार से 22 पेटी विदेशी शराब बरामद, चालक फरार

रांची में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में लाभार्थियों के साथ मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन व अन्य नेतागण.

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने रांची में 2,452 अभ्यर्थियों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया

काबिल बनो कामयाबी झक मार के मिलेगी: बादल पत्रलेख

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने राजधानी रांची में गुरुवार को 2454 अभ्यार्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया. समारोह में मंत्री बादल पत्रलेख ने फिल्म थ्री इडियट्स के डायलॉग "काबिल बनो कामयाबी झक मार के मिलेगी" के साथ अपनी बातों का शुरुआत की और आगे उन्होंने कहा कि आप के हाथों में झारखंड के विकास का जिम्मा होगा. मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि आज के समय में जल, जंगल, जमीन, पहाड़ और पत्थर भगवान से भेंट में हो जाएगा लेकिन नौकरी नहीं मिलेगी, लेकिन आपको मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने नौकरी का नियुक्ति पत्र दिया. 2026 तक सभी रिक्त पदों को भर लिया जाएगा.

हगारीबाग के रहने वाले महेश कुमार यादव को पीजीटी शिक्षक की नियुक्ति पत्र मिली है. महेश को 2019 में उच्च विद्यालय के लिए शिक्षक के पद पर बहाली मिली थी. उसके बाद भी उन्होंने प्लस टू उच्च विद्यालय के शिक्षक बहाली में सफलता प्राप्त की.

साहिबगंज के रहने वाले मोहसेन अली को पथ निर्माण विभाग में कनिय अभियंता के लिए नियुक्ति पत्र दिया गया है. उन्होंने कहा कि आज मैं काफी खुश हूं. आज जो कुछ भी मिला है, मेरे माता पिता के कारण. वे दिव्यांग भी हैं.

दिव्या हांसदा को पेयजल विभाग में नियुक्ति मिली है. वे शादीशुदा है. उनका एक बच्चा भी है. इसे लेकर उनके परिवार के सदस्यों का कहना है कि आज उनके उपर उन्हें गर्व है. दिव्या ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार को दिया.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष किसी धार्मिक स्थल जाने का अवसर मिलेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. काफी समय से लंबित कार्य पूर्ण होंगे. उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे. किसी धार्मिक अनुष्ठान का योग बन रहा है.

वृषभ बिना कारण विवाद को हो सकता है. दौड़धूप अधिक रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. असमंजस की स्थिति बन सकती है. अन्न का दान करें. साथ ही मंदिर में झाड़ू का दान करें.

मिथुन जीवनसाथी के साथ आनंद का समय बीतेगा. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. व्यापार ठीक चलेगा. लाभार्जन होगा. परिवार के सदस्यों के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा. घी का दीपक शिवमंदिर में जलाए.

कर्क भोजन सोच विचार कर ही करें. पेट रोग से बचे. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. कार्य बनेगा पर लेन-देन में जल्दबाजी न करें. कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. बेकार बातों पर ध्यान न दें.

सिंह आपके पराक्रम से शत्रु पस्त होंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड लाभ देंगे. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. जल्दबाजी न करें. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

कन्या शिक्षा में खर्च होगा. माता का स्वाथ पर ध्यान दे. किसी भी तरह के विवाद में न पड़ें. बोलचाल में हल्केपन को न अपनाएं. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. परिवार में तनाव रह सकता है. यथासंभव यात्रा टालें.

तुला राजकीय सहयोग प्राप्त होगा. रुके कामों में गति आएगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. कुसंगति से हानि होगी. किसी तीर्थयात्रा की योजना बनेगी. अंगभंग व्यक्ति को भोजन दें और वस्त्र भी दान करें.

वृश्चिक नई योजना फलीभूत होगी. मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त होगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. समय की अनुकूलता का लाभ लें. प्रमाद न करें. किसी से ज्यादा बहस से बचें. चीनी का दान करें.

धनु मन प्रसन्न होगा. व्यावसायिक कार्य मनोनुकूल रहेगी. बेरोजगारी दूर होगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. शेयर मार्केट तथा म्युचुअल फंड लाभदायक रहेंगे. दुष्टजन तथा ईष्यालु व्यक्तियों से सावधान रहें.

मकर मानसिक शांति मिलेगी. वाणी पर नियंत्रण रखें. स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. माता दुर्गा पर लाल फूल अर्पण करें.

कुंभ समय बहुत अच्छा नही है. बाधा का योग बन रहा है. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य के नजरअंदाज न करें. समय अनुकूल है. आय में वृद्धि होगी. उत्साह व प्रसन्नता से काम कर पाएंगे.

मीन किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर प्राप्त हो सकता है. आत्मसम्मान बना रहेगा. कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा. सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी. गरीब को अन्न और पीला वस्त्र का दान करें.

राज्य में 2014 से चल रही है आईसीटी लैब स्थापित करने की योजना

एक भी सरकारी स्कूल में दो साल से नहीं बना लैब

सत्य शरण मिश्रा। रांची

छात्रों को स्कूल से ही डिजिटल शिक्षा देने के उद्देश्य से सभी सरकारी स्कूलों में आईसीटी लैब स्थापित करने की योजना 2014 से चल रही है. केंद्र प्रायोजित इस योजना तहत स्कूलों में कंप्यूटर और इंटरनेट से सुजज्जित लैब बनाया जा रहा है, लेकिन झारखंड में पिछले 2 साल में एक भी स्कूल में लैब की स्थापना नहीं हुई है. 2014 से 2022 तक राज्य के 2962 सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में आईसीटी लैब की स्थापना हुई. 2022-23 और 2023-24 में आईसीटी लैब स्थापित करने के लिए 2151 स्कूलों को स्वीकृति दी गई, लेकिन एक भी लैब नहीं बना. अब शिक्षा विभाग ने जून 2024 तक बचे हुए 1952 स्कूलों में मई 2024 तक आईसीटी लैब की स्थापना करने का निर्देश दिया है.

5036 स्कूलों में बनने थे आईसीटी लैब, सिर्फ 3036 में बने : इस योजना के तहत अबतक झारखंड के 5036 स्कूलों में आईसीटी लैब स्थापित करने की मंजूरी दी गई है, जबकि अबतक सिर्फ 3036 स्कूलों में ही लैब की स्थापना हो पाई है. अबतक 897 प्रारंभिक और 2166 माध्यमिक स्कूलों में लैब की स्थापना हुई है. मई 2024 तक 1495 प्रारंभिक और 457 माध्यमिक स्कूलों में आईसीटी लैब की स्थापना की जाएगी.

खास बातें

- 2022 से 24 तक स्वीकृत 2151 स्कूलों में लैब की स्थापना नहीं हुई
- शिक्षा विभाग ने मई तक 1952 स्कूलों में लैब बनाने का दिया निर्देश

प्रारंभिक विद्यालय

वर्ष	लैब के लिए स्वीकृत स्कूल	कितने स्कूलों में लैब बने
2021-21	375	375
2021-22	522	522
2022-23	221	0
2023-24	1274	0

माध्यमिक विद्यालय

वर्ष	लैब के लिए स्वीकृत स्कूल	कितने स्कूलों में लैब बने
2014-15	465	458
2017-18	449	435
2018-19	61	61
2019-20	488	488
2020-21	351	351
2021-22	374	373
2022-23	283	0
2023-24	173	0

कुएं में गिरने से बच्ची की मौत, पिता बोले- हत्या हुई

तोपचांची। तोपचांची थाना क्षेत्र के मानटांड़ में गुरुवार को 3 वर्षीय बच्ची की कुएं में गिरने से मौत हो गई. मृत बच्ची की शिनाख्त गांव के पंकज महतो की बेटी अंजना कुमारी के रूप में हुई. परिजनों ने बच्ची की हत्या की आशंका व्यक्त की है. ग्रामीणों ने बताया कि अचानक बच्ची के लापता हो जाने से परिजन परेशान होकर इधर-उधर खोजने लगे. जब कुएं में झग्गड़ डाला गया, तो बच्ची पानी के अंदर से निकली. उसे बाहर निकालकर परिजन साहोबहियार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए. जहां से धनबाद स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया. वहां डाक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया. बच्ची की नाक से झाग निकल रहा था. इसे देखकर पिता पंकज कुमार ने कहा कि उसकी बेटी की हत्या हुई है. पिता तोपचांची थाने में आवेदन देकर मामले की जांच कराने का आग्रह किया है. थाना प्रभारी संजय कुमार ने घटनास्थल पर पहुंच कर जांच-पड़ताल की.

रांची एयरपोर्ट पर ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास का स्वागत

संवाददाता। रांची

ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास गुरुवार को रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे, जहां भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य संजय कुमार जायसवाल ने उनका स्वागत किया.

संजय जायसवाल ने रघुवर दास को भगवान श्रीराम की तस्वीर और अंग वस्त्र भेंट किया. स्वागत करने वालों में राकेश, संजीव कुमार, संजीव चौधरी, शुभम कुमार जायसवाल, जॉनी वॉकर खान समेत कई लोग शामिल थे. स्वागत के बाद रघुवर दास एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से जमशेदपुर के लिए रवाना हो गये.

पेज एक का शेष

वे दिन हवा हुए जब पसीना गुलाब था...

अपने झारखंड, बिहार की हालत भी ऐसी ही है. हिमाचल की ताजा तरीन घटना ने आलाकमान को बेनकाब कर दिया है. दिल बहलाने के ख्याल से कह रहे हैं कि ऑपरेशन लोटस फेल हो गया है. लेकिन वे अभिषेक मनु सिंघवी की दारुण पराजय से शर्मिंदा नहीं हैं. उसके पाले से भाजपा नौ विधायक खींच ले गयी. जैसे ही 25 विधायकों वाली भाजपा ने तीन निर्दलीय और 40 विधायकों वाली कांग्रेस के समक्ष उम्मीदवार उतारा, उसी समय आलाकमान के कान खड़े हो जाने चाहिए थे. लेकिन जब बाजी पलट गयी और सरकार बचाने के लिए अपने ही छह विधायकों को अयोग्य ठहराना पड़ा, तब ताली पीटनेवालों की जमात खड़ी हो गयी. लेकिन वह सरकार अभी स्थिर नहीं है. वीरभद्र सिंह के पुत्र विक्रमादित्य सिंह के हाथ में अब भी उसकी गर्दन है और कहा ही गया है कि बकरे की मां कब तक खैर मनाएगी?

उधर बंगाल में अधीर रंजन चौधरी अधीर हो उठे हैं. वह यह लो अपनी लकुटि कमरिया बहुतहि नाच नचायो कहते हुए कब खिसक जायें कहना मुश्किल है. ऐसा कोई राज्य नहीं है जहां कांग्रेस टूट नहीं रही हो, तिल-तिल कर नष्ट न हो रही हो. क्या यह भगदड़ केवल ईडी, सीबीआई, आयकर के भय के कारण मची है ? यदि हां तो क्या कांग्रेस में भ्रष्ट नेताओं की भारी जमात है ? इन्हें पुष्पित-पल्लवित किसने किया ? दरअसल कांग्रेसियों को यह विश्वास होने लगा है कि उनका राजनीतिक भविष्य अब कांग्रेस में सुरक्षित नहीं है. कांग्रेसी तभी तक एकजुट रहते हैं जब तक सत्ता का सीमेंट चाटने को मिलता रहता है. यह एक तथ्य है कि 1984 के बाद से कभी भी कांग्रेस को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है और यह भी कि कांग्रेस जब भी कमजोर पड़ती है या हारती है तो टूटती है चाहे समानांतर टूटे या फुटकर में. 1977 में सत्ता गंवाने के बाद भी कांग्रेसियों को इंदिरा गांधी पर भरोसा था. 1980 में वह पूरा भी हुआ. लेकिन अब वह भरोसा टूट गया है. अब गांधी नामधारी किसी भी नेता में यह क्षमता नहीं है कि वह कांग्रेस का पुनरुद्धार कर सके. बचा है तो सिर्फ उसका दावेदारी या इंटाइटलमेंट का अहंकार.

कांग्रेस का इस तरह कमजोर हो जाना हमारे लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है, लेकिन किया ही क्या जा सकता है. मल्लिकार्जुन खरगे पार्टी अध्यक्ष जरूर हैं, लेकिन उनकी चलती नहीं है, क्योंकि वह गांधी परिवार की कृपा से ही अध्यक्ष बने हैं और उनके कृपापर्यंत ही बने रहेंगे. जो पार्टी के व्यावहारिक नेता हैं वे अब भी रागदरबारी गानेवालों से घिरे हैं. उन्हें यह अहसास ही नहीं है कि केवल जातीय गणना की हुंकार से यह समर नहीं जीता जा सकता, क्योंकि यह एक कच्चा घड़ा है और इसके सहारे दरिया पार नहीं किया जा सकता. जब मंडल आयोग के मसीहा वीपी सिंह ही कहीं के न रहे और उनकी पार्टी खंड-खंड हो गयी तब भला कांग्रेस क्या कर लेगी जो शुरू से इसके खिलाफ रही है. अदम गोंडवी के शब्दों में कहें तो-

बह गये कितने सिकंदर वक्त के सैलाब में
अक्ल इस कच्चे घड़े से, कैसे दरिया पार हो

गाजिया में खरकई व संजय तट पर...

यह इस क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होगा. इससे वे सालों भर खेती कर सकेंगे. इससे पूर्व यहां डबल इंजन की भाजपा सरकार थी जिसने झूठा प्रचार किया. न तो किसानों के न तो मजदूरों के लिए न ही स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए कोई काम किया. सरकार राजनगर और गम्हरिया प्रखंड में डिग्री कॉलेज सरकार खोलेगी. जिसके लिए सरकार ने गुरुजी-शिष्य क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत की है. यह भी कहा कि भाजपा को लोकसभा की एक भी सीट जीतने नहीं दें. कार्यक्रम में कृषि एवं सहकारिता एवं पशुपालन मंत्री बादल पत्रलेख, खरसावां विधायक दशरथ गागराई, ईचागढ़ विधायक सविता महतो, सुवर्णरेखा परियोजना के प्रशासक मंजू नाथ मजंत्री, मुख्यमंत्री सचिव अरवा राजकमल, अभियंता प्रमुख जल संसाधन विभाग नागेश मिश्रा आदि मंचासीन रहे.आयोजन को सफल बनाने में जिले के डीसी रविशंकर शुक्ला, एसपी मनीष टोप्पो, एसडीएम पारुल सिंह, गम्हरिया बीडीओ प्रवीण कुमार सिंह, सीओ कमल किशोर सिंह समेत जिले के प्रशासनिक अधिकारी एवं कई थानों के प्रभारी एवं पुलिस बल का जवान तैनात रहे.

सरकार में आए तो 30 लाख नौकरियां...

कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र में किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी देने का वादा किया गया है. आदिवासियों की जल, जंगल की लड़ाई हमारी लड़ाई है.आपके साथ हम खड़े हैं. जनसभा को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी संबोधित किया.

मार्च में 15 फीसदी से अधिक राशि निकासी पर लगी रोक

रांची। चालू वित्तीय वर्ष के लिए राज्य सरकार ने मार्च में कोषागार से राशि निकासी के लिए 15 फीसदी की सीमा तय कर दी गई. इसमें यह शर्त है की यह राशि कार्य के विरुद्ध के लिए हो. इसके अलावा अन्य योजना मध्य से वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त कुल आवंटन के 15 फीसदी की सीमा तक ही राशि की निकासी की जा सकेगी. पीएल खाते से भी 15 फीसदी की कीमत तक ही राशि की निकासी की जा सकेगी. वित्त विभाग ने इस संबंध में सभी विभागों को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश दिया है और संबंधित निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी एवं कोषागार पदाधिकारी द्वारा विपत्र तैयार करने तथा पारित करने की कार्रवाई इसी दिशा-निर्देश के अनुसार करने को कहा है.

लोहरदगा में आदिवासी कला भवन का किया उद्घाटन

आदिवासी संस्कृति को बचाना जरूरी: रामेश्वर उरांव

संवाददाता। रांची

वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने गुरुवार को लोहरदगा में आदिवासी संस्कृति कला भवन का उद्घाटन किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमें देश की संस्कृति को बचाना है. हमें आदिवासी कहते हैं तो आदिवासी की संस्कृति को बचाना है. सांस्कृतिक कला केंद्र आज लोहरदगा जिला के लिए बना है. राज्य के दूसरे जिलों में भी जगह-जगह कला केंद्र का निर्माण हो रहा है. ऐसे ऐसे विशाल भवन हमारी संस्कृति की रक्षा करेंगे और इसका उत्थान भी होगा. इसके माध्यम से लोग यहां इकट्ठा होंगे, नृत्य संगीत का कार्यक्रम होगा, आदिवासियों के बीच में जो समस्याएं होंगी, यहां विमर्श किया जाएगा. सुलझाने एवं निदान का उपाय भी निकाला जाएगा. उन्होंने कहा कि आदिवासी एवं मूलवासी के लिए सांस्कृतिक कला केंद्र का बड़ा महत्व है. पहली बार कोई सरकार इस पर ध्यान दे रही है. 2019 में मैं और मेरे सहयोगी धीरज प्रसाद साहू ने लोहरदगा की जनता से जो वादा किया था कि लोहरदगा का नक्शा बदलेंगे.

सुरक्षाबलों ने किया नक्सली कैंप को ध्वस्त

चाईबासा। चाईबासा में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के कैंप को ध्वस्त कर दिया. गुरुवार को नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान टोन्टो थाना क्षेत्र के जिम्की और ईकीर के बीच जंगली,पहाड़ी क्षेत्र में एक पुराने अस्थायी नक्सली कैंप को ध्वस्त कर दिया गया. इस कैंप में 95 लोगों की रूकने की व्यवस्था थी. जिसे सुरक्षाबलों ने ध्वस्त कर दिया. साथ ही नक्सली कैंप से विस्फोटक समेत दैनिक उपयोग में आने वाले सामग्री को बरामद किया. नक्सलियों के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है, जिसको लेकर जिले के गोईलकेरा थाना क्षेत्र के कुईडा, छोटा कुईडा, मारादिरी, मेरालगड़ा, हाथीबुरू, तिलायबेड़ा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय गांव के सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान शुरू किया गया है.

घमासान लोबिन की अन्याय यात्रा में आपस में भिड़े झामुमो कार्यकर्ता, भोगनाडीह में धारा 144

विरोध के कारण लोबिन को बंद करनी पड़ी अपनी यात्रा

विशेष संवाददाता। साहिबगंज/रांची

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के विधानसभा क्षेत्र में झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम के अन्याय यात्रा के दौरान पार्टी कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए. पूरे भोगनाडीह में तनाव कायम है. मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने भोगनाडीह में धारा 144 लगा दी है. गुरुवार को झामुमो के बागी विधायक लोबिन हेंब्रम साहिबगंज में अन्याय यात्रा करने पहुंचे थे. जैसे ही यात्रा शुरू हुई झामुमो कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए. जमकर नारेबाजी हुई. जानकारी के अनुसार अन्याय यात्रा में शामिल होने के लिए बरहेट से भी झामुमो कार्यकर्ता पहुंचे थे.

बरहेट के कार्यकर्ता द्वारा लगातार लोबिन हेंब्रम मुर्दाबाद के नारे लगाए. इस दौरान दोनों ओर से जमकर नारेबाजी हुई. जिसके बाद कार्यकर्ता आपस में उलझ गए. इस कारण थोड़े ही समय में लोबिन हेंब्रम अपनी यात्रा को बंद करना पड़ा.

हेमंत के खिलाफ लगातार मुखर रहे हैं लोबिन

मालूम हो कि झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम सदन से लेकर सड़क तक पूर्व सीएम हेमंत सोरेन और अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा करते रहे हैं. हेमंत सोरेन की सरकार के दौरान कई बार उन्होंने तल्ख टिप्पणी भी की थी. 2019 में जनता से जो वादें कर हेमंत सरकार सत्ता में आई थी उसे पूरा नहीं करने, जल जंगल जमीन की लूट, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे को लोबिन हेंब्रम लगातार उठाते रहे हैं.

समानता के लिए संघर्ष

सशक्त महिला के बगैर विकसित और उन्नत राष्ट्र की कल्पना नहीं की जा सकती है. इसी क्रम में अनेक शायरों ने महिला के आंचल को परचम बना लेने का आह्वान भी किया है. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 अपने सभी नागरिकों को समानता के अधिकार की गारंटी देता है, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो. संविधान पुरुषों और महिलाओं को समान अवसर और अधिकार प्रदान करता है. इसके अतिरिक्त भारत में महिला अधिकारों से संबंधित कई सकारात्मक क़ानून हैं. जैसे शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009, जो 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों (लड़कियों सहित) को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार की गारंटी देता है. परंतु फिर भी विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में देश की कुल महिला साक्षरता दर 69% है. समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 यह सुनिश्चित करता है कि पुरुषों और महिलाओं को समान काम के लिए समान वेतन मिले. हालांकि, विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 के अनुसार, भारत में पुरुष श्रम आय का 82% कमाते हैं, जबकि महिलाएं 18% कमाती हैं. जुलाई 2022 और जून 2023 के बीच, एक औसत वेतन भोगी भारतीय पुरुष ने एक महीने में 20,666 रुपये कमाए. जबकि एक महिला ने 15,722 रुपये कमाए. घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005, महिलाओं को उनके पति या रिश्तेदारों द्वारा शारीरिक, भावनात्मक और मौखिक दुर्व्यवहार से कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है. लेकिन राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में दर्ज महिलाओं के खिलाफ अपराध के 4,45,256 मामलों (जो 2021 की तुलना में 4% अधिक थे) में से पति अथवा रिश्तेदारों द्वारा घरेलू दुर्व्यवहार या क्रूरता के अपराध सबसे अधिक (31.4%) थे. इसके बाद महिलाओं का अपहरण (19.2%), महिलाओं पर यौन हमला (18.7%), और बलात्कार (7.1%) है और ये तो वो आंकड़े हैं जो दर्ज किये गये थे. ऐसे बहुत से मामले तो सामने नहीं आते और अनसुने रह जाते हैं. अक्सर बताया जाता है कि समय बदल रहा है और महिलाएं तथा लड़कियां अधिक संख्या में समाज में अपना उचित स्थान पाने की जंग कर रही हैं और असमान सामाजिक बंधनों को तोड़ रही हैं. इस कथन में थोड़ी बहुत सच्चाई हो सकती है, लेकिन जिस धीमी गति से यह परिवर्तन हो रहा है, उसने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को भी चेतावनी देने के लिए मजबूर किया है कि "मौजूदा ट्रैक पर, लैंगिक समानता 300 साल दूर होने का अनुमान है." लैंगिक समानता का तात्पर्य यह है कि सभी वर्गों की महिलाओं, पुरुषों, लड़कों और लड़कियों को समान अधिकारों, संसाधनों और अवसरों तक समान पहुंच प्राप्त है. इसके विपरीत, पितृसत्ता एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था है, जिसमें सत्ता, प्रभुत्व और विशेषाधिकार के पद मुख्य रूप से पुरुषों के पास होते हैं. इसलिए पितृसत्तात्मक समाजों में पुरुषों और महिलाओं के लिए सामाजिक मानदंड अक्सर बहुत भिन्न होते हैं और लैंगिक असमानताओं को जन्म देते हैं. ऐसे पुरुष प्रधान समाज में पुरुषों को महिलाओं की तुलना में अधिक महत्व दिया जाता है और उनके पास महिलाओं की तुलना में कहीं अधिक शक्ति, संसाधन, अवसर, अधिकार, विशेषाधिकार होते हैं.

> हालांकि, विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 के अनुसार, भारत में पुरुष श्रम आय का 82% कमाते हैं, जबकि महिलाएं 18% कमाती हैं. जुलाई 2022 और जून 2023 के बीच, एक औसत वेतन भोगी भारतीय पुरुष ने एक महीने में 20,666 रुपये कमाए.

सुभाषित

न चौर्यहार्यं न च राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्धत व नित्यं विद्याधनं सर्वधनप्रधानम।।

विद्या जैसा कोई धन नहीं हो सकता. विद्या एक ऐससा धन है, जिसे न चोर चुरा सकता है, न राजा ले सकता है, न भाई बांट सकता है, न कंधे पर बोझ है, खर्च करने पर यह हमेशा बढ़ता है, ऐसी शिक्षा सभी धन में प्रमुख है. इसलिए विद्या धन को प्राप्त करने का प्रयास किया जाना चाहिए.

पुरुषों से नहीं, पुरुषवादी सोच से चाहिए मुक्ति

महिलाएं समानता के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रही हैं, पर यह सच है कि नारी और समानता नदी के दो छोर की तरह रहे हैं. पुरुषों के बनाए मिथकों का अनंतजाल उन्हें समानता के पायदान पर खड़े होने से रोकता है. स्त्री ही स्त्री की दुश्मन है, त्रिया चरित्रं देवो न जानाति, माया महा ठगनी हम जानी, स्त्रियां सहनशीलता की देवी हैं, स्त्रियां ममता की मूर्ति हैं...ऐसे आधार वाक्य रच दिए गए हैं और इन्हें पुख्ता करने के लिए मिसालों की ढेर लगा दी गई है.

• देश-काल

चेतना झा

आठ मार्च यानी महिला दिवस पर हर साल एक सवाल इसके औचित्य पर उठता है. साथ ही पूछा जाने लगता है कि महिलाएं मुक्ति आखिर किनसे चाहती हैं. अपनी शारीरिक-प्राकृतिक विशेषताओं से, पिता, पति, भाई या बेटे से या दुनिया के तमाम पुरुषों से. एक बार फिर दुनिया की तमाम महिलाओं की तरफ से हम एलान करना चाहती हैं कि हमें न पुरुषों से मुक्ति चाहिए और न परिवार, समाज या देश से. हमारी लड़ाई बस पीढ़ी दर पीढ़ी स्थापित कर दी गई उस पुरुषवादी मनोवृत्ति से है, जो महिलाओं को खुद से कमतर समझते हैं. हमारी लड़ाई में भी हमारी जिम्मेदारी छिपी है, क्योंकि हम जानते हैं कि पुरुष कहीं दूसरी दुनिया से आयातित नहीं, बल्कि हमारी ही कोख से आया है. जाहिर है कि जब जन्म हमने दिया है तो उसकी परवरिश में हुई भूल चूक की जिम्मेदारी भी हमारी ही है.

हम जानते हैं कि लाख विरोध, लाख संघर्ष के बावजूद स्त्री और पुरुष की लड़ाई दो देश, दो नस्ल, दो जाति, दो दल या दो वर्ग की लड़ाई नहीं. यहां अमीर-गरीब, सवर्ण-दलित, गोरे-काले या सत्ता पक्ष-विपक्ष की तरह इंट्रेस्ट ग्रुप अलग नहीं. स्त्री और पुरुष में हारे जो कोई, प्रभावित दोनों होते हैं. परिवार और बच्चे पर इसका असर पडता है. शायद यही कारण है कि तमाम कानून से वाकिफ रहने के बावजूद महिलाएं कई बार चुप लगा जाती हैं, पर इस चुप्पी की भी वकालत नहीं की जा सकती. आवाज उठानी होगी.

अक्सर चावल या दाल पकाते समय हम एक दाना निकाल कर देखते हैं कि यह पका या नहीं. कुछ यही हाल है समाज में महिलाओं की अभिव्यक्ति का. अगर आप, आपके परिवार, पड़ोस या गांव में कोई महिला पीड़ित है तो इसका मतलब है कि और भी कई महिलाएं इस दर्द से गुजर रही हैं. अक्सर हम घर परिवार की इज्जत, समाज क्या कहेगा आदि के नाम पर उफ तक नहीं करते. महिला सशक्तीकरण के लिए काम कर रही महिलाओं ने इस सूत्र की पहचान कर अपने अनुभवों का निचोड़ देते हुए कहा है कि पर्सनल इज पॉलिटिकल. एक के प्रतिरोध में दूसरी कई महिलाओं की तकलीफों का इलाज छिपा है.

महिला दिवस पर एक बार फिर हम चीख कर कहना चाहते हैं कि हम महिला दिवस मनाते हैं, फेमिनिस्ट हैं, इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि हम मर्द बनना चाहतीं. हां, अपवाद में हुई है घटना कभी ब्रा बर्निंग की. पर सच यही है कि हमें अपनी प्राकृतिक संरचना पर गर्व है. जो हमारी शारीरिक-मानसिक संरचना है, हमें बेहद प्रिय है. हमें मातृत्व से मुक्ति नहीं चाहिए, मुक्ति चाहिए पुरुषों की उस सोच से, जो हमें जनने की मशीन समझता है. मुक्ति चाहिए उस दानवी सोच से, जो स्त्रियों के शरीर को बस भोग्या समझता है.

महिलाएं समानता के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रही हैं, पर यह सच है कि नारी और समानता नदी के दो छोर की तरह रहे हैं. पुरुषों के बनाए मिथकों का अनंतजाल उन्हें समानता के पायदान पर खड़े होने से रोकता है. स्त्री ही स्त्री की दुश्मन है, त्रिया चरित्रं देवो न जानाति, माया महा ठगनी हम जानी, स्त्रियां सहनशीलता की देवी हैं, स्त्रियां ममता की मूर्ति हैं...ऐसे आधार वाक्य रच दिए गए हैं और इन्हें पुख्ता करने के लिए मिसालों की ढेर लगा दी गई है. साहित्य से लेकर संस्कृति तक में इन आधार वाक्यों को साबित करने के लिए पुरुषों ने अपनी ऊर्जा झोंक दी है. हमारा सवाल है क्या दो पुरुषों में लड़ाई नहीं होती? देश के न्यायालयों के रिकॉर्ड निकाल कर देख लीजिए, मर्द-मर्द की लड़ाई की दास्तानें अधिक हैं या औरतों के झगड़े ये निबटा रहे. सच पूछिए तो महिलाओं को एकजुट होने से रोकने के लिए ये षड्यंत्र पुरुषवादी व्यवस्था ने रची है, ताकि हम एक होकर उनकी सत्ता को चुनौती नहीं दे सकें. इसीलिए तो कहा जाता है कि हिस्ट्री है हिज स्टोरी. दरकार है कलम अपने हाथ में लेकर हम महिलाएं खुद लिखें हर स्टोरी. परवरिश के दौरान सतर्कता बरतें, ताकि जिसे हमने नौ महीने कोख में रखा और बाद में भी शुरुआती बीस-पच्चीस वर्षों तक परवरिश की, वही महिलाओं को कमतर नहीं समझे. दरकार इस बात की है हम काम, गुण और प्रवृत्ति को औरताना मर्दाना खाना में बांटना बंद कर दें. इस संबंध में वर्षों पहले पढ़ा राष्ट्रीय महिला आयोग की तत्कालीन अध्यक्ष विभा पार्थसारथी का इंटरव्यू मुझे अक्सर याद आ जाता है. उन्होंने लिखा था कि नन्हें बेटे के लिए किताब खरीदने गईं तो देखा कि किताब चाहे हिन्दी में लिखी गई हों या इंग्लिश में, पुरुष ही पुरुष छाए हुए थे. उन्होंने कुछ चित्रों पर पेन चलाते हुए उन्हें स्त्री का रूप दिया. छोटी सी बात, पर गहरे असर वाली. ऐसे छोटे-छोटे प्रयास बड़े परिणाम लाएंगे. हम शर्माते हैं, अधिक महत्वाकांक्षा नहीं पालते, चूहों-कॉक्रोच से डरते हैं...दरकार हमारे खुद के इन प्रदर्शनों से मुक्ति की भी है. हम डरते हैं कि क्रोध, साहस, महत्वाकांक्षा के प्रदर्शन से हमें लेस फेमिनाइन मान लिया जाएगा.

अक्सर परिवार में यह तर्क भी दिया जाता है कि बच्चों को उनके लिंग के अनुरूप परवरिश नहीं देने पर आगे एडजस्टमेंट में दिक्कत होगी. मनोविज्ञान हमारी इस आशंका को निर्मूल मानता है. मनोविज्ञान स्पष्ट कर चुका है कि सफल और सुव्यवस्थित जीवन के लिए औरतों के गुण यानी स्नेह, ममता, सहनशीलता, उदारता की जितनी दरकार होती है, उतना ही जरूरी होता है साहस, वीरता, क्रोध जैसा पुरुषों का माने जाने वाला गुण. यानी एक अच्छा और सफल व्यक्तित्व वही है, जिसमें महिलाओं व पुरुषों, दोनों के गुण संतुलित मात्रा में उपलब्ध हों. मनोविज्ञान ऐसे व्यक्तित्व को एंड्रोजेनस कहता है. भारतीय संस्कृति में इसे ही अर्धनारीश्वर का नाम दिया गया है. यह सुखद संयोग है कि इसी अर्धनारीश्वर की आराधना (शिवरात्रि) हम इस महिला दिवस पर कर रहे हैं.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

धर्म का असर

एक व्यक्ति ने साधक से पूछा " क्या कारण है कि आज धर्म का असर नहीं होता?" साधक बोले- यहां से दिल्ली कितनी दूर है?, उसने कहा- दो सौ माईल. तुम जानते हो? मेरे पूछने पर उसने कहा- हां मै जानता हूं. क्या तुम अभी दिल्ली पहूँच गये? पहूंचा कैसे? अभी तो यहां चलूंगा, तब पहुंचूंगा. साधक बोले, यही तुम्हारे प्रश्न का उत्तर है, दिल्ली तुम जानते हो, पर जब तक तुम उस ओर प्रस्थान नहीं करोगे, तब तक दिल्ली नहीं पहुंच सकोगे. यही बात धर्म के लिए है. लोग धर्म को जानते हैं, पर जब तक उसके नियमों पर नहीं चलेंगे, उस ओर गति नहीं करेंगे, धर्म पा नहीं सकेंगे, अंगीकार किये बिना धर्म का असर कैसे होगा? एक शिष्य गुरु के पास आकर बोला, गुरुजी हमेशा लोग प्रश्न करते है कि धर्म का असर क्यों नहीं होता, मेरे मन में भी यह प्रश्न चक्कर लगा रहा है. गुरु समयज्ञ थे, बोले- वत्स! जाओ, एक घडा शराब ले आओ. शिष्य शराब का नाम सुनते ही आवाक् रह गया. गुरु और शराब! वह सोचता ही रह गया. गुरु ने कहा सोचते क्या हो? जाओ एक घडा शराब ले आओ. वह गया और एक छलाछल भरा शराब का घडा ले आया. गुरु के समक्ष रख बोला-आज्ञा का पालन कर लिया. गुरु बोले – यह सारी शराब पी लो. शिष्य अचंभित, गुरु ने कहा- शिष्य! एक बात का ध्यान रखना, पीना पर शीघ्र कुल्ला थूक देना, गले के नीचे मत उतारना. शिष्य ने वही किया, शराब मुंह में भरकर तत्काल थूक देता, देखते देखते घडा खाली हो गया. आकर कहा- गुरुदेव घडा खाली हो गया. तुझे नशा आया या नहीं? पूछा गुरु ने. शिष्य बोला-गुरुदेव! नशा तो बिल्कुल नहीं आया. अरे शराब का पूरा घडा खाली कर गये और नशा नहीं चढा? गुरुदेव नशा तो तब आता जब शराब गले से नीचे उतरती, गले के नीचे तो एक बूंद भी नहीं गई फ़िर नशा कैसे चढता. बस फिर धर्म को भी ऊपर ऊपर से जान लेते हो, गले के नीचे तो उतरता ही नहीं, व्यवहार में आता नहीं तो प्रभाव कैसे पडेगा. पतन सहज ही हो जाता है, उत्थान बडा दुष्कर है. दोषयुक्त कर्म प्रयोग सहजता से हो जाता है, किन्तु सत्कर्म के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता होती है. पुरुषार्थ की अपेक्षा रहती ही है. जिस प्रकार वस्त्र सहजता से फट तो सकता है पर वह सहजता से सिल नहीं सकता. बस उसी प्रकार हमारे दैनदिनी आवश्यकताओं में दूषित कार्य संयोग स्वतः सम्भव है तथा उस कारण अधोपतन सहज ही हो जाता है, लेकिन चरित्र उत्थान व गुण निर्माण के लिए दृढ पुरुषार्थ की आवश्यकता रहती है.

विकास का लाभ वंचितों को भी मिले

• विमर्श

अंजन राय

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने शुक्रवार को जारी सकल घरेलू उत्पाद में चौथी तिमाही में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाकर अर्थशास्त्रियों, विशेषज्ञों और वित्तीय बाजारों को भ्रमित कर दिया है. इन जीडीपी आंकड़ों के जारी होने से अर्थशास्त्रियों और टिप्पणीकारों के बीच यह साबित करने के लिए एक-दूसरे को मात देने का दौर शुरू हो गया है कि वे सांख्यिकीय बाजीगरी और कमियां ढूंढने में कितने अच्छे हैं. इस बार विस्तृत आंकड़ों ने लोगों को चौंका दिया है. आगामी संभावित विकास आंकड़े क्या हो सकते हैं, इस पर अर्थशास्त्री अपना अनुमान और आकलन देते हैं. यह एक स्थापित खेल बन गया है और समाचार पत्र से लेकर समाचार एजेंसियां और अन्य लोग विकास की संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त करते हैं. यह अब एक मानक खेल है. हुआ यह कि कोई भी अपने पूर्वानुमानों में वास्तविक आंकड़ों के करीब नहीं पहुंच सका. लगभग हर अनुमान 6 से 6.5प्रतिशत के बीच था. अब यह अनुमान से कहीं बहुत अधिक 8.4 प्रतिशत हो गया है, जैसा कि एनएसओ ने दिखाया है. अब सवाल यह है कि आंकड़ों में इस अन्तर का समाधान कैसे किया जाये? इससे सवाल उठता है कि एनएसओ की गणना कितनी सही है. यह चुनावी मौसम में सिर्फ एक सांख्यिकीय हेरफेर भी हो सकता है. आखिरकार, अगले दो महीनों में आम चुनाव होने वाले हैं और उस दौरान बढ़ती अर्थव्यवस्था सरकार के लिए सहायक साबित होगी. सरकार भारतीय अर्थव्यवस्था को उच्च विकास पथ पर ले जाने में अपनी सफलता का दावा कर सकती है. इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है. विकास की गति है और यदि आप किसी बाज़ार में जाते हैं तो आप इसे अपने चारों ओर देख सकते हैं. दुकानें भरी हुई हैं और भीड़भाड़ है, लोग सामान खरीद रहे हैं, कुछ वर्गों के बीच खर्च करने की होड़ चल रही है. यदि आप मेट्रो ट्रेनों में यात्रा कर रहे हैं, तो आपको अच्छे कपड़े पहने हुए और अच्छे कपड़े पहनने वाले लोग मिलेंगे. मामले की सच्चाई यह है कि अर्थव्यवस्था अपने दम पर है और कोई भी सरकार वास्तव में विकास पथ को काफी आगे नहीं बढ़ा सकती है. यह निश्चित रूप से इसे पटरी से उतार सकता है और खस्ताहाल अर्थव्यवस्था वाले देश के लिए अभिशाप ला सकता है. ऐसा प्रतीत होता है कि महत्वपूर्ण कारक सरकार के कृत्य और अकृत्य हैं, जो अर्थव्यवस्था की दिशा निर्धारित करते हैं- अल्पावधि के साथ-साथ दीर्घावधि में भी. दो उदाहरण लीजिये. वर्तमान सरकार द्वारा मुद्रा विमुद्रीकरण का अचानक लिया गया कदम अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका था और इससे ऐसी स्थिति पैदा हो गयी, जिसमें खिलाड़ियों का एक बड़ा हिस्सा बुरी तरह प्रभावित हुआ. अर्थव्यवस्था के कुछ हिस्से- मुख्य रूप से अनौपचारिक छोटे पैमाने के खिलाड़ी-रुक गये थे. वह अल्पावधि में था. बाद में अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ, लेकिन बहुत कुछ नुकसान हुआ. दूसरा उदाहरण- दीर्घकालिक नुकसान का-जो अधिक विवादास्पद है और कई लोग इससे इनकार करेंगे. भारत की पूर्व की संरक्षणवादी और अनेक निषेधों वाली अर्थव्यवस्था, जो आर्थिक प्रगति की ऊंचाइयों को सुरक्षित रखने के लिए थी, भी आपदा साबित हुई थी. दूरसंचार क्षेत्र को आरक्षित रखने से पूरा क्षेत्र प्रभावित हुआ. हम सभी को याद है- यानी, जो अब बूढ़े हो गये हैं- एकमात्र टेलीफोन कनेक्शन प्राप्त करना या उसके बाद कॉल करना कितना मुश्किल हुआ करता था. पिछली तिमाही की जीडीपी वृद्धि के तात्कालिक कारोबार से इस तरह के प्रयासों में जाने का कारण यह है कि लंबे समय से भारत के पास काम करने के लिए कमोबेश एक स्थिर ढांचा है और इससे जमीनी स्तर के खिलाड़ियों को अपनी तर्कसंगत निर्णय और बात रखने की कुछ हद तक आजादी मिलती है. इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में एक निश्चित उछाल है, भले ही तिमाहियों में दशमलव बिंदु पर बदलावों में कोई भी बदलाव आया हो. उछाल का एक प्रमुख कारण स्थिर राजकोषीय ढांचा प्रतीत होता है. अतीत के विपरीत, जब हर बजट के साथ उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क और असंख्य अन्य कर बदले जाते थे, अब हमारे पास एक स्थिर कर व्यवस्था है. जीएसटी प्रणाली ने केंद्र द्वारा उत्पाद शुल्क दरों और राज्यों में बिक्री करों में अचानक बदलाव से इंकार कर दिया है. यह भी कम महत्वपूर्ण नहीं है कि उद्योग अपने निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है, औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति के अभाव के कारण यह पिछले तीस वर्षों से अबाधित है.

> वर्तमान सरकार द्वारा मुद्रा विमुद्रीकरण का अचानक लिया गया कदम अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका था और इससे ऐसी स्थिति पैदा हो गयी, जिसमें खिलाड़ियों का एक बड़ा हिस्सा बुरी तरह प्रभावित हुआ. अर्थव्यवस्था के कुछ हिस्से- मुख्य रूप से अनौपचारिक छोटे पैमाने के खिलाड़ी-रुक गये थे.

गेहूं उत्पादन में ठहराव खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा

• कृषि

डॉ. वीरेन्द्र सिह

पिछले 6 वर्षों में सरकार द्वारा रिकार्डतोड़ गेहूं उत्पादन के दावों के विपरीत, गेहूं के उत्पादन और उत्पादकता में ठहराव देश की खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है. पिछले 50 वर्षों से, हरित क्रांति दौर की तकनीकों को अपनाने से मुख्य अनाज फसलों गेहूं-धान की पैदावार में लगातार विकास ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को स्थायित्व प्रदान किया है. भारत में गेहूं की खेती परम्परागत तौर पर उत्तरी प्रदेशों पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश आदि के मैदानी क्षेत्रों में भरपूर मात्रा में होती है. लेकिन पिछले 3 दशकों में सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि होने से देश के मध्य क्षेत्र के प्रदेश राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात आदि भी गेहूं उत्पादक राज्य बन गये हैं. वर्ष 2022-23 के दौरान, भारत में 110 मिलियन टन गेहूं उत्पादन हुआ और वैश्विक बाज़ार में 11,826.90 करोड़ रुपये की कीमत का कम गेहूं निर्यात किया गया. दुनियाभर में, भारत गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है. भारत में 2000 के बाद से, गेहूं उत्पादन करने वाले क्षेत्र में 17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि गेहूं उत्पादन में 40 फीसदी की वृद्धि हुई है. प्रकृति में, गेहूं की फसल को अच्छी पैदावार के लिए ज्यादा अवधि के सर्दकालीन ठंडे मौसम की ज़रूरत होती है, इसलिए गेहूं फसल की खेती को दक्षिण व तटीय प्रदेशों में बढ़ाना तकनीकी तौर पर सम्भव नहीं है.केन्द्र सरकार के सार्वजनिक सूचना ब्यूरो द्वारा 14 मार्च, 2023 को जारी जानकारी के अनुसार वर्ष 2022-23 में गेहूं लगभग 31.86 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर उगाया गया और वर्ष 2014 से 2023 के दौरान देश में गेहूं खेती के क्षेत्रफल में मामूली वृद्धि दर्ज हुई, जो मुख्यतः मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान आदि मध्य क्षेत्र के प्रदेशों में हुई है. जबकि परम्परागत गेहूं उत्पादक प्रदेशों उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा आदि में गेहूं खेती का क्षेत्रफल पहले से कम हुआ और हरियाणा में तो गेहूं की उत्पादकता में भी कमी दर्ज हुई है. देश में पिछले 6 वर्षों से 95 प्रतिशत सिंचित क्षेत्र में होने के बावजूद गेहूं फसल की उत्पादकता 33-35 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पर अटकी हुई है. जो देश में गेहूं की उत्पादकता में ठहराव का सूचक है. ऐसे में लगातार बढ़ती जनसंख्या की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए, वर्ष 2050 तक भारत को 140 मिलियन टन गेहूं की आवश्यकता का अनुमान सरकार द्वारा लगाया जा रहा है. लेकिन भविष्य में गेहूं खेती के क्षेत्रफल के बढ़ने की ज्यादा संभावना नहीं है. इसलिये गेहूं फसल की उत्पादकता को मौजूदा 34 से 47 क्विंटल प्रति हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखना होगा. जो कि देश में उपलब्ध उन्नत तकनीक के आधार पर असंभव तो नहीं, लेकिन मुश्किल ज़रूर रहेगा. क्योंकि उत्तर भारतीय गेहूं उत्पादक प्रदेशों पंजाब और हरियाणा आदि में गेहूं फसल की औसत पैदावार 45 क्विंटल प्रति हेक्टेयर के आसपास ठहर गई है, और मध्य भारत के प्रदेशों में, गेहूं फसल को कम अवधि के सर्द मौसम मिलने से, गेहूं की औसत पैदावार में एक-तिहाई की कमी रहती है. दुर्भाग्य से, भारत में उपलब्ध फसल उत्पादन के सरकारी आंकड़ों की विश्वसनीयता पर भी गहरा संकट छाया हुआ है. पिछले कुछ वर्षों से, पहले रिकार्डतोड़ फसल उत्पादन का दावा करने के बाद, सरकार स्वयं ही गेहूं जैसी मुख्य फसलों के आंकड़े घटाती रही है. वर्ष 2021-22 में, सरकार ने पहले 111 मिलियन टन से ज्यादा गेहूं उत्पादन का दावा किया था, लेकिन बाद में इन आंकड़ों को लगभग 6 प्रतिशत घटाकर 105 मिलियन टन करना पड़ा था. इन आंकड़ों के कारण ही सरकार वर्ष 2022-23 सीजन में 44.4 मिलियन टन लक्ष्य के मुकाबले मात्र 18.8 मिलियन टन और वर्ष 2023-24 सीजन में 34 मिलियन टन लक्ष्य के मुकाबले मात्र 26 मिलियन टन गेहूं की सरकारी खरीद कर सकी है. इसके दुष्प्रभाव से सरकार को अचानक गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाने पड़े थे. अमेरिका के कृषि विभाग के अनुसार, भारत में वर्ष 2018 से 2023 के दौरान, गेहूं का कुल उत्पादन औसतन 107 मिलियन टन और उत्पादकता 3.4 टन प्रति हेक्टेयर के आसपास थम गई है. इसी तरह धान की औसत पैदावार भी लगभग 4.1 टन प्रति हेक्टेयर पर ठहरी हुई है. इसी दौरान भारत के कुल धान उत्पादन में दर्ज हुई वृद्धि, धान क्षेत्र के बढ़ने (44 से 47 मिलियन हेक्टेयर) के कारण से हुई है. वर्ष 2023-24 में चावल उत्पादन 132 मिलियन टन रहा.अनुमान के अनुसार भारत में घरेलू खपत के लिए 105 मिलियन टन गेहूं और 109 मिलियन टन चावल वार्षिक की आवश्यकता होती है.

> देश में पिछले 6 वर्षों से 95 प्रतिशत सिंचित क्षेत्र में होने के बावजूद गेहूं फसल की उत्पादकता 33-35 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पर अटकी हुई है. जो देश में गेहूं की उत्पादकता में ठहराव का सूचक है. ऐसे में लगातार बढ़ती जनसंख्या की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए, वर्ष 2050 तक भारत को 140 मिलियन टन गेहूं की आवश्यकता का अनुमान सरकार द्वारा लगाया जा रहा है.

मीडिया में अन्यत्र

महिलाओं को अपनी पहचान चुनने का अधिकार

जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए समान अधिकारों की तलाश में, हर उस कृत्य को पूरी तरह त्याग दिया जाना चाहिए जो पदानुक्रम, अन्यीकरण, और पितृसत्तात्मक मानसिकता को उचित ठहराता है. अपनी खुद की पहचान चुनने का अधिकार पाने के लिए, सुश्री दिव्या मोदी टोंग्या ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी कि उन्हें अपने तलाक के बाद अपना शादी से पहले वाला नाम इस्तेमाल करने की इजाजत दी जाए. वह एक सरकारी अधिसूचना के रूप में बाधा का सामना करने के बाद अदालत पहुंचीं. इस अधिसूचना में कहा गया था कि अगर कोई विवाहित महिला तलाक के बाद अपना शादी से पहले वाला नाम इस्तेमाल करना चाहती है तो उसे तलाक के कागजात या अपने पति से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) पेश करना होगा. दिल्ली हाईकोर्ट ने 28 मई को अगली सुनवाई तक केंद्र सरकार का जवाब मांगा है. अपनी याचिका में, सुश्री मोदी टोंग्या का कहना है कि यह अधिसूचना 'लैंगिक दृष्टि से पक्षपातपूर्ण' है और अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उल्लंघन करते हुए, उन महिलाओं पर गैरजरूरी पाबंदियां थोपती है, जो अपना नाम चुनने (अपने मामले में उपनाम बदलने) के लिए संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल करना चाहती हैं. तलाक की कानूनी कार्यवाही चल रही हो या नहीं, एनओसी का पूरा विचार ही आपत्तिजनक है, और गहरी जड़ें जमाये उस स्त्रीद्वेष को दिखाता है जो एक व्यक्ति की तरजीह को नियंत्रित करना चाहता है. सुश्री मोदी टोंग्या जिस भी उपनाम के साथ सहज हैं उन्हें उसे चुनने में समर्थ होना चाहिए और उन्हें इसके लिए लड़ने की जरूरत नहीं होनी चाहिए. महिलाओं ने अक्सर यह शिकायत की है कि जब भी वे लीक छोड़कर चली हैं उन्हें परेशानी झेलनी पड़ी है. मसलन, जिन महिलाओं ने शादी के बाद पति का उपनाम नहीं अपनाने का

फैसला किया है, उन्हें बैंक खाता खोलने, या स्कूल में बच्चे के दाखिले, या पासपोर्ट के लिए आवेदन इत्यादि के समय ढेरों गैरजरूरी सवालों और बहुत सारी कागजी कार्रवाई से गुजरना पड़ता है. एक समाज जो पहले ही जाति-आधारित पदानुक्रमों से जूझ रहा है उसे किसी रिश्ते में किसी एक को ज्यादा मजबूत स्थिति प्रदान कर भेदभाव में इजाफा नहीं करना चाहिए, बल्कि लैंगिक पक्षपात, भेद और तिरस्कार से रहित ज्यादा महफूज जगहें बनाने की दिशा में काम करना चाहिए. दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत में, सुस्पष्ट लैंगिक असमानताएं बरकरार हैं, जो राजनीतिक भी हैं और सामाजिक भी. महिलाएं घर के अधिकांश अवैतनिक काम करती हैं, और अक्सर उन्हें विभिन्न वजहों से श्रम बल से बाहर धकेल दिया जाता है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मंगल/मंगला/मंगली

मंगल भवन अमंगल हारी, द्रवहुं सो दशरथ अजिर बिहारी. गोस्वामी तुलसीदास द्वारा विरचित यह चौपाई इतना लोकप्रिय है कि विद्वान से लेकर कम पढे लिखे या अनपढ़ तक की जुबान पर यह चौपाई जाने अनजाने आती रहती है. शायद ही कोई ऐसा दिन हो जब दो चार बार यह चौपाई किसी न किसी गायक की आवाज में कान तक नहीं पहुंचती हो. इस चौपाई में गोस्वामी जी अपने आराध्य देव भगवान राम की स्तुति करते हैं, जो मंगल का भवन और अमंगल का नाश करनेवाले हैं, वे महाराज दशरथ के आंगन में विचरण करनेवाले भगवान रामचंद्र जी मुझ पर द्रवित हों. मंगल तत्सम संज्ञा पुलिंग शब्द है. इसका अर्थ है कल्याण, भलाई, सप्ताह का एक दिन मंगलवार, सौर जगत का एक ग्रह, शुभ, आनंद, इच्छापूर्ति. मंगल शब्द का प्रयोग कई प्रकार से किया जाता है. जैसे कोई कहीं जा रहा हो तो हम कहते हैं मंगल यात्रा. शुभचिंतक या हितैषी को मंगलकाम कहते हैं. किसी को आशीर्वाद या बधाई देनी हो तो मंगलकामना करते हैं. जो शुभ है, आनंदप्रद है, कल्याणकारी है, वह मंगलकारक या मंगलकारी कहा जाता है. विवाह आदि शुभ अवसरों पर मंगलगान करते हैं. सुहागिनों के गले के एक अभूषण का नाम मंगलसूत्र है. मंगल शब्द का ही स्त्रीलिंग रूप है मंगला. भगवती दुर्गा की आराधना इस श्लोक से की जाती है- जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी, दुर्गा क्षमा शिवा धातृ स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते. मंगला के और भी कई अर्थ हैं. जैसे दूब, तुलसी, संदर स्त्री, मंगल के दिन जिस बालिका का जन्म हुआ हो. शुभ कार्य से पहले होनेवाले मंगलगान को मंगलाचरण कहा जाता है, वहीं सुख समृद्धि अथवा सदाचार के मार्ग को मंगलायन कहते हैं. विवाह के अवसर पर वर-वधू के कल्याण के लिए मंगलाष्टक का पाठ किया जाता है. ऐसा ही एक शब्द है मंगली, जिसका अर्थ है आनंदकारी, मंगलकारी, ज्योतिष के अनुसार जिसकी जन्मकुंडली के प्रथम, चौथे, आठवें या बारहवें स्थान में मंगलग्रह विराजमान हो.

मूर्खों से भरी पड़ी है यह पूरी दुनिया

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

दुनिया मूर्खों से भरी पड़ी है. एक ढूंढो हज़ारों मिलते हैं. कुछ अक्लमंद लोग मूर्खों से इतना परहेज़ करते हैं कि वे उनकी शक्ल नहीं तक नहीं देखना चाहते. ऐसे लोगों को एक महामूर्ख ने कहा है कि उन्हें अपने को किसी अकेली अंधी कोठरी में बंद कर लेना चाहिए. बल्कि उन्हें तो अपना आईना तक फोड़ देना चाहिए. ऐसा नहीं है कि बुद्धिमान लोग मूर्खता नहीं करते. लेकिन वे बस, शुरू शुरू में ही मूर्खता करते हैं. बाद में संभल जाते हैं. किन्तु बाद में जब वे मूर्खता करते हैं तो वह छोटी-मोटी मूर्खता नहीं होती. वह हिमालयी- मूर्खता होती है. किसी बड़े पद पर यदि कोई मूर्ख बैठा दिया जाता है तो एक पहाड़ पर बैठे इंसान की तरह उसे नीचे सब लोग बौने दिखाई देने लगते हैं. और मज़ा यह है कि नीचे के लोगों को वह भी बौना ही दीखता है! हमारा प्रजातंत्र जनता का राज है. ज़ाहिर है, जनता में बुद्धिमानों की बजाय अधिकतर लोग मूर्ख ही होते हैं. और बुद्धिमान भी मूर्खता करने से बाज़ नहीं आते. हम मूर्खों में से ही अपना नेता चुनते हैं और बाद में खुद ही रोते हैं कि हम बड़े मूर्ख हैं जो ऐसा नेता चुन लिया. ऐसी गलती न करने की हम कसम खाते हैं, लेकिन बार बार यही गलती कर बैठते हैं, क्या किया जाए, मूर्ख जो ठहरे. हमें कोई अधिकार नहीं है कि हम अपने को मूर्ख बनाएं, लेकिन दूसरों को मूर्ख बनाने में हम खुद ही बन बैठते हैं. एक मूर्ख और एक धूर्त में फर्क करना बड़ा कठिन होता है. आदमी मूर्ख पैदा हुआ है और ताउम्र मूर्ख ही बना रहता है. बच्चों की मूर्खताएं बचपना कहलाती हैं, जवानी की मुर्खता दीवानगी होती है (गधा-पचीसी). और बुढापे की नासमझी तो मूर्खता से भी गई-बीती है। मेरा पोता मोबाइल हाथ में लिए मुझसे कह रहा था, बाबा आप तो समझते ही नहीं हैं ! मैंने कहा, तुम ठीक कह रहे हो. जब मैं बच्चा था, मेरे पिता मुझसे कहते थे, इतनी बार बताया तू समझता क्यूँ नहीं है. बड़ा हुआ तो यही जुमलेबाजी मुझे अपने स्कूल और कालेज के अध्यापकों से सुननी पड़ती थी. विवाह के बाद पत्नी ने मुझे समझाने में कोई कोर-कसर नहीं रखी. पर मैं मूर्ख का मूर्ख. अब मेरा बेटा और मेरे बेटे का बेटा कहता है, आप समझते क्यों नहीं बाबा ! हम तो जन्मजात और ताउम्र मूर्ख ही ठहरे, समझें कैसे?

धर्म अध्यात्म

महाशिवरात्रि : भारत का प्राचीनतम पर्व

शिव हे उतरब पार कओने विधि ना

पुरातात्विक तथा अन्य साक्ष्यों के अनुसार, शैव धर्म विश्व का प्राचीनतम धर्म कहा जा सकता है. शैव धर्म के प्रादुर्भाव के संबंध में अनेक कथाएं विभिन्न वेद पुराणों में वर्णित हैं, पर शिव की पूजा के प्रथम ठोस साक्ष्य हमें हड़प्पा, मोहेन जो-दड़ो आदि स्थानों के पुरातात्विक उत्खनन से प्राप्त हुए हैं. अनेक स्थलों से खुदाईयों में हमें ऐसी सामग्रियां प्राप्त हुई हैं जो निर्विवाद रूप से यह सिद्ध करती हैं कि सिंधु घाटी में शिव की पूजा लगभग 4000 ईसा पूर्व से ही होती आ रही है. झारखंड में भी प्राचीन काल से भगवान शिव की अराधना के प्रमाण मौजूद हैं. पेश है ऐतिहासिक व पौराणिक परिपेक्ष्य में शिव-अराधना व झारखंड के प्राचीन शिवमंदिरों पर पुरातत्वविद और साहित्यकार हरेंद्र सिन्हा का आलेख...

हिमकर श्याम
साहित्यकार

कर्दम ऋषि की तपोभूमि है ध्वजाधारी पहाड़

जलाभिषेक मात्र से प्रसन्न हो जाते हैं यहां भोले बाबा

कोडरमा का ध्वजाधारी पहाड़ धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है. यह स्थल ब्रह्मा के मानस पुत्र कर्दम ऋषि की तपोभूमि के रूप में प्रसिद्ध है. कर्दम ऋषि के नाम पर ही इस जिले का नाम कोडरमा पड़ा. जिला मुख्यालय से करीब 500 मीटर दूरी पर स्थित ध्वजाधारी पहाड़ के पास से एनएच 31 गुजरती है. पहाड़ की तलहटी एवं शिखर पर मंदिर है. इसे ध्वजाधारी धाम के नाम से भी बुलाया जाता है.

777 सीढ़ी चढ़कर भोलेनाथ के दर्शन

शिखर पर बाबा भोलेनाथ विराजमान हैं. 777 सीढ़ी चढ़कर भोलेनाथ के दर्शन होते हैं. शिव के अलावा यहां बजरंगबली, राधाकृष्ण एवं नन्दी बाबा का मंदिर है. धाम परिसर में कर्दम ऋषि व राम संप्रदाय के रामानंदाचार्य की प्रतिमा स्थापित की गई है. यहां यज्ञशाला, विश्रामगृह और गौशाला भी है. पहाड़ की चोटी पर वॉच टॉवर का निर्माण कराया गया है. जहां से प्रकृति की सुरम्य वादियों को निहारना मनोहारी लगता है. अयोध्या के निर्मोही अखाड़ा से यहां महंत की नियुक्ति की जाती है.

यह है कथा

कहा जाता है कि भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कर्दम ऋषि ने यहां वर्षों तक घोर तपस्या की थी. तब यह क्षेत्र बहुत ही घने जंगलों तथा पहाड़-पठार से घिरा था. कर्दम ऋषि को ब्रह्माजी का मानसपुत्र माना जाता है. सृष्टि की रचना के लिए कर्दम ऋषि की उत्पत्ति बह्मा जी की छाया से हुई थी. उनका विवाह मनु की कन्या देवहूति से हुआ था. देवहूति ने नौ कन्याओं को जन्म दिया, जिनका विवाह प्रजापतियों से किया गया था. सांख्य दर्शन का प्रतिपादन करनेवाले महर्षि कपिल भी कर्दम ऋषि और देवहूती के पुत्र थे.

ध्वज और त्रिशूल अर्पण का महत्व

ध्वजाधारी धाम में ध्वज और त्रिशूल चढ़ाने का विशेष महत्व है. कहा जाता है कि कर्दम ऋषि की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें ध्वजा और त्रिशूल प्रदान किया था. तभी से इस पहाड़ का नाम ध्वजाधारी पड़ गया. यहां आने वाले भक्त भगवान शिव का जलाभिषेक करने के बाद ध्वजाधारी पहाड़ पर ध्वजा और त्रिशूल लगाते हैं और भगवान से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं. मान्यता है कि यहां जो भी भक्त सच्ची आस्था और भक्ति के साथ बाबा भोले का जलाभिषेक करते हैं, उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती है.

शिवरात्रि पर मेला

महाशिवरात्रि के मौके पर ध्वजाधारी धाम में दो दिवसीय मेला लगता है. मेले में पूजन सामग्री, खिलौने, श्रृंगार और खाने-पीने की दुकानें लगाई जाती हैं. बच्चों के मनोरंजन के लिए कई तरह के झूले लगाए जाते हैं. श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी ना हो इसका भी ध्यान रखा जाता है.

डॉ0 हरेन्द्र सिन्हा
पुरातत्वविद्

शिव पूजा की हमारी यह प्राचीन परंपरा, अर्थात् महाशिवरात्रि आज भी पूरी दुनिया में ही नहीं बल्कि झारखंड सहित देश भर में लोकप्रिय है. महाशिवरात्रि हिंदू धर्म के प्रमुख देवता शिव एवं देवी पार्वती के शुभ-लग्न के उपलक्ष्य में अत्यंत प्राचीन काल से मनाया जाता रहा है. शैव धर्म के प्रादुर्भाव के संबंध में अनेक कथाएं विभिन्न वेद पुराणों में वर्णित हैं, पर शिव की पूजा के प्रथम ठोस साक्ष्य हमें हड़प्पा, मोहेन जो-दड़ो आदि स्थानों के पुरातात्विक उत्खनन से प्राप्त हुए हैं. सिंधु घाटी सभ्यता से संबंधित अनेक स्थलों से खुदाईयों में हमें ऐसी सामग्रियां प्राप्त हुई हैं जो निर्विवाद रूप से यह सिद्ध करती हैं कि सिंधु घाटी में शिव की पूजा लगभग 4000 ईसा पूर्व से ही होती आ रही है. मोहेन जो-दड़ो, हड़प्पा की खुदाईयों में स्टिएटाइट पत्थर तथा पक्की मिट्टी की बनी अनेक ऐसी मोहरें मिली हैं जिस में शिव को विभिन्न रूपों में उत्कीर्ण किया गया है. एक मोहर में एक मानव आकृति को आसन पर बैठा हुआ दिखाया गया है, जिसके चारों ओर चार पशु ; क्रमशः बाघ, हाथी, भैंस, और बंदर बैठे हुए दिखलाए गए हैं. इसके सामने नीचे की ओर दो हिरण भी बैठे हुए अंकित किए गए हैं. इस मानव आकृति के सर पर दो चिन्ह भी प्रदर्शित है जो संभवत आगे चलकर शिव की मूर्तियों में त्रिशूल के रूप में विकसित हुए. इस प्रकार, अब तक प्राप्त साक्ष्यों के अनुसार, पशुपति शिव की ये पहली मूर्ति प्रतीत होती है. इसके अलावा भी मोहेन जो-दड़ो की खुदाई में नृत्य एवं योग मुद्राओं में शिव की, पकी हुई मिट्टी की, अनेक मूर्तियां प्राप्त हुई हैं. पुराणों के अनुसार शिव ने अपने आराधकों के लिए यह घोषणा की थी कि फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की 14वीं तिथि को जो भक्त विधि-विधान पूर्वक उनकी आराधना करेगा, उसे उनकी विशेष कृपा प्राप्त होगी. तब से लेकर आज तक शिव पुराण में वर्णित नियमों का विधिपूर्वक पालन करते हुए शिव भक्त पूर्ण श्रद्धा से महाशिवरात्रि की पूजा कर शिव का आशीष प्राप्त करते हैं.

हड़प्पन मोहर पर भगवान शिव की प्राचीनतम आकृति.

द्वादश ज्योतिर्लिंग

सभी धर्मावलंबियों ने वेद पुराणों का गहन अध्ययन कर शिव के संबंध में जो जानकारियां प्राप्त कीं, उनके आधार पर देशभर में कुल 12 ज्योतिर्लिंगों की भी स्थापना की गई, जिन्हें द्वादश ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जाता है. इन द्वादश ज्योतिर्लिंगों में श्री सोमनाथ और श्री नागेश्वर (गुजरात) ; श्री मल्लिकार्जुन (आंध्र प्रदेश), श्री महाकालेश्वर तथा ओंकारेश्वर (मध्य प्रदेश), श्री विश्वनाथ (उत्तर प्रदेश), श्री त्रयंबकेश्वर तथा श्री घुश्मेश्वर (महाराष्ट्र), श्री वैद्यनाथ (झारखंड), श्री केदारनाथ (हिमालय), श्री रामेश्वर (तमिलनाडु) एवं श्री भीमेश्वर (असम) के नाम से विख्यात हैं.

श्री सोमनाथ

श्री मल्लिकार्जुन

श्री महाकालेश्वर

श्री ओंकारेश्वर

श्री वैद्यनाथ

श्री भीमेश्वर

श्री रामेश्वर

श्री नागेश्वर

काशी विश्वनाथ

श्री घृनेश्वर

श्री केदारनाथ

श्री त्रयंबकेश्वर

शिवरात्रि पर अर्पित होता बिल्व पत्र-धतूरा

महाशिवरात्रि के दिन शिव की पूजा पूरे धूमधाम से की जाती है. भक्तगण उपवास रखकर सारी रात शिव की आराधना करते हैं. इस पूजा में शिवलिंग पर पवित्र जल, दूध, बिल्व-पत्र, धतूरा एवं अन्य फल आदि चढ़ाए जाते हैं. शिव मंदिरों को भव्य ढंग से सजाकर रात भर कीर्तन-भजन आदि किए जाते हैं.

झारखंड में पग-पग पर शिवधाम

झारखंड में भी शिव पूजा की परंपरा अनादि काल से चली आ रही है और आप झारखंड के अंदरूनी हिस्सों में जब भी यात्रा करेंगे तो गांव-गांव में शिवलिंगों की भरमार दिखाई देगी. जगह-जगह प्राचीन शिव मंदिरों के, मूर्तियों के अवशेष, विभिन्न मुद्राओं में शिव पार्वती की मूर्तियां तथा बड़ी संख्या में शिवलिंग आदि बिखरे पड़े दिखते हैं. विशेष कर खूंटी जिले में एक महादेव मंडा है जहां लगभग 40- 50 प्राचीन शिवलिंग दिखते हैं. इसी प्रकार गुमला जिला के अंजनधाम में भी शिवलिंगों की भरमार है. प्राचीन शिव मंदिर भी झारखंड में सैकड़ों की संख्या में पाये गए हैं, यथा; हर्राडीह, हरिन, देवड़ी, बेनुसागर, टांगीनाथ, खकपरता, देवघर, दुलमी, इटखोरी, उपचुड़िया, अखिलेश्वर, चित्रेश्वर, खुखरागढ़, इचागढ़, महादानी आदि के नामों से विख्यात हैं,जहां महाशिवरात्रि पर बड़े-बड़े मेले लगते हैं.

इस प्रकार, झारखंड के आदिवासी समाज में भी शिव की पूजा लगातार होती आई है, आज भी होती है और यहां के सभी वर्ग के सदस्य, चाहे वो आदिवासी हों, सदान हों या अन्य सनातनी हिंदू हों, सभी मिल-जुलकर शिव की आराधना करते हैं और महाशिवरात्रि का पर्व भी वृहद स्तर पर मनाते हैं. अखिलेश्वर धाम, अशोक धाम, देवघर आदि आज ऐसे अनेक स्थल हैं, जहां इस बात की पुष्टि होती है कि झारखंड में प्राचीन काल से ही शैव धर्म के ये बहुत महत्वपूर्ण केंद्र थे. झारखंड की कई जनजातियां सिंधु घाटी वासियों को ही अपना पूर्वज मानते हैं. तो संभव है कि शिव की पूजा भी इन्हीं के साथ सिंधु घाटी से झारखंड पहुंची हो और इसी कारण संभवतः समाज के हर क्षेत्र में महाशिवरात्रि को झारखंड के महत्वपूर्ण पर्वों में से एक माना जाता है.

पौराणिक ग्रंथों में शिवरात्रि

जहां तक महाशिवरात्रि पर्व के धार्मिक महत्व का प्रश्न है, तो वेद पुराणों में कई प्रसंग हैं जो हमें इस संबंध में प्रचुर जानकारी देते हैं. ऐसी ही एक कथा के अनुसार, जब देव असुर समुद्र मंथन कर रहे थे तो समुद्र से एक विष-घट निकल आया जो पूरे ब्रह्मांड को समाप्त करने के लिए काफी था. इसके ताप से भयाक्रांत देव-असुर, सहायता के लिए भागे-भागे शिव के पास कैलाश पर्वत पहुंचे और शिव को सारी स्थिति से अवगत कराया. तब इस विष-घट के दुष्प्रभाव से दुनिया की रक्षा के लिए शिव ने विष-घट का पान स्वयं कर लिया, किंतु उसे निगला नहीं बल्कि कंठ में ही रोक लिया. विष के प्रभाव से शिव का कंठ नीला पड़ गया और तभी से वो नीलकंठ कहलाए. कहा जाता है कि शिव द्वारा विश्व की रक्षा की अनुकरणीय इस घटना की स्मृति में ही महाशिवरात्रि मनाई जाती है.

महाभारत के 'शांति-पर्व' में वर्णित एक अन्य कथा में कहा जाता है कि शर-शैय्या पर पड़े भीष्म ने धर्म पर प्रवचन देते हुए राजा चित्रभानु के पूर्व जन्म की कथाएं सुनाईं जिससे महाशिवरात्रि के संबंध में एक अन्य जानकारी मिलती है. कथा के अनुसार, पूर्व जन्म में राजा चित्रभानु एक ग़रीब आदिवासी थे. एक दिन वो जलावन की लकड़ी लाने घने जंगल में गए और राह भूल गए. भटकते हुए रात हो गई. सुरक्षित रात बिताने के लिए वह एक पेड़ पर चढ़कर बैठ गए. चारों तरफ से जंगली जीव-जंतुओं की डरावनी आवाज़ें आ रही थीं. वो काफी डर गए और थोड़ी देर में उन्हें नींद भी आने लगी. नींद आने पर पेड़ से गिर जाने का भय था. अतः जगे रहने के लिए, वो शिव के नाम का जाप करते हुए, पेड़ से एक-एक पत्ता तोड़कर नीचे गिराने लगे. संयोगवश, वह बेल का पेड़ था और पेड़ के नीचे ही एक शिवलिंग भी स्थापित था. नींद तथा भय से बचने के लिए रात भर शिव के नाम का जाप करते हुए वो पत्ते तोड़कर नीचे गिराते रहे. इस प्रकार अनजाने में ही शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाकर की गई इस आराधना से शिव अत्यंत प्रसन्न हुए और उस आदिवासी युवक को उन्होंने वर देकर समस्त सुख समृद्धि प्रदान किया. यह घटना भी फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष के त्रयोदशी को ही घटी बताई जाती है. अतः यह धारणा बलवती हुई कि महाशिवरात्रि को विधि विधान पूर्वक शिव की आराधना करने से शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है. महाशिवरात्रि के संदर्भ में अनेक अन्य प्राचीन ग्रंथों में कई अन्य मनोरंजक कहानियां भी प्रचलित हैं.

झारखंड धाम : जहां शिव जी ने अर्जुन को पाशुपत अस्त्र प्रदान किया

युगल किशोर पंडित
साहित्यकार

झारखंड धाम एक ऐसा शिव धाम है जो पुरातन समय से लोक आस्था का केंद्र रहा है. गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड में अवस्थित इस बाबा धाम को झारखंडी बाबा या बाबा झारखण्ड नाथ के नाम से भी जाना जाता है. इस मंदिर से जुड़ी कई मान्यताएं हैं जिससे इसकी महत्ता परिलक्षित होती है. भक्तों की मुरादें पूरी होने से उनकी आस्था भी बलवती होती रही है. मंदिर में स्थापित शिवलिंग की एक खासियत यह है कि बाबा छत विहीन हैं. कहते हैं भक्तों ने कई बार छत ढलाई की कोशिश की पर शिव जी ने स्वप्न में आकर मना कर दिया. शिव जी यहां खुले में रहना पसंद करते हैं.

अर्जुन ने की थी तपस्या

मान्यता है कि इसी स्थल पर अर्जुन को शिव जी से पाशुपत अस्त्र प्राप्त हुआ था. महाभारत में इस स्थल को खांडव वन कहा गया है. कृष्ण ने इस दिव्य हथियार को प्राप्त करने के लिए तपस्या करने की सलाह अर्जुन को दिया तो अर्जुन ने इसके लिए खांडव वन (झारखण्ड नाथ धाम) को चुना. तपस्या की खबर पाकर दुर्योधन ने अर्जुन को मारने के लिए एक असुर (मुकासुर) को भेजा. मुकासुर ने अर्जुन की पूजा में बाधा डालने के लिए जंगली सूअर का रूप धारण किया. यह जानकर शिव जी उनकी परीक्षा लेने एक शिकारी के रूप में वहां प्रकट हुए. अर्जुन ने सूअर पर तीर चलाया और उसे मार डाला. उसी समय, शिव (किरात भेष में) ने भी अपने धनुष से एक बाण छोड़ा था. दोनों के बीच इस बात को लेकर वाद विवाद होने लगा कि सूअर को किसके तीर ने मारा है. दोनों के बीच तीर से वार होने लगा. अर्जुन ने मन ही मन एक माला चढ़ाई. आंख खोले तो देखा कि वह माला किरात के मुकुट पर थी. तब उन्हें समझ आया कि किरात भेष में ये साक्षात् भगवान शिव हैं. खुशी से अभिभूत होकर अर्जुन उनके चरणों में गिर पड़े. शिव जी प्रसन्न होकर पर्वती सहित अर्जुन को दर्शन दिए और उन्हें पाशुपतास्त्र का आशीर्वाद दिया.

रावण ने भी किया तप

दूसरी मान्यता यह है की लगातार 10 हजार वर्षों तक तपस्या करने के बाद भी जब रावण की मनोकामना पूर्ण नहीं हुई तो कैलाश पर्वत छोड़कर झारखंड नाथ की शरण में आए. यहाँ तपस्या के बाद जब उनकी मनोकामना पूर्ण हुई तो शिवलिंग लेकर लंका की ओर चले.

राजा गिरिवर ने शुरू कराई पूजा

एक किंवदंती यह भी है की रोज बढ़ते झारखंड नाथ शिवलिंग स्वरूप को जंगल में विचरण करनेवाले व्यक्तियों/चरवाहे द्वारा खंडित किया जाता था लेकिन अगले दिन फिर से बढ़ा हुआ मिलता. चूंकि

यह क्षेत्र पूरी तरह जंगलों से घिरा हुआ था सो चरवाहे पेड़ों से बेर तोड़कर इसी शिवलिंग पर बैठकर खाते थे. एक दिन संपूर्ण शिवलिंग को उनलोगों ने तोड़ दिया तो रक्त की धारा प्रवाहित होने लगी. लोग आश्चर्यचकित हो उठे. यह बात क्षेत्र में आग की तरह फैल गई. तत्कालीन समय में राजा गिरवर नारायण देव के पूर्वज के माध्यम से यहां राज्य संचालित हो रहा था. जब यह खबर राजा तक पहुंची तो उन्होंने सैनिकों को भेजा. बाद में राजा सपरिवार स्थिति का जायजा लेने पधारे. वापस लौटने पर रात को स्वप्न में शिवजी उनसे बोले- मैं झारखंड नाथ के नाम से भोलेनाथ ही हूं. मेरे पूजन की व्यवस्था करो राजन. तब करता राम, बोधा राम और जोधा राम (तीनों भाई) पुजारी के रूप में आमंत्रित किए गए. इन पुजारियों को चार गांव दान में मिला. ये चार गांव थे- सिंगारडीह, मुरखारी, सुरही, गोंदाडीह और नावागढ़. इस घटना के बाद लोगों की आस्था बलवती हो गई और शिवलिंग की पूजा होने लगी. तभी से यहां श्रृंगार पूजा की भी परंपरा शुरू हुई.

एक अरघे में है दो शिवलिंग

यहां का शिवलिंग द्वादश ज्योतिर्लिंग से अलग जागृत अवस्था में स्वयंभू के नाम से जाना जाता है. शायद यह एकमात्र उदाहरण है जहां एक अरघे में दो शिवलिंग हैं. एक स्वयंभू लिंग और दूसरा कामना लिंग. कहते हैं यहां कालसर्प का दोष भी कटित होता है. मंगलवर्ती, मंगलवर्ता, शनिवर्ती का दोष भी कटता है. इसे तपोभूमि के नाम से भी जाना जाता है. श्रद्धालु मनोकामना पूर्ति हेतु धरना देने बिहार, बंगाल, उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों से भी आते हैं. मन्दिर के पुजारियों की मानें तो बाबा की कृपा से डबल किडनी फेल हुआ मरीज भी ठीक हुआ है. पुत्र प्राप्ति, रोग मुक्ति, धन-यश प्राप्ति के लिए सालों भर शरणार्थी यहां जुटते हैं. मार्च से जून-जुलाई तक विवाह के लिए लोगों की भीड़ जुटी रहती है. सावन में कांवरियों का जत्था उमड़ता है. सोमवारी एवं पूर्णिमा को 4-5 लाख लोग जलार्पण हेतु उमड़ते हैं जबकि दो लाख के आसपास भक्त शिवरात्रि के अवसर पर जल चढ़ाते हैं. मंदिर परिसर में हनुमान, पंचमुखी महादेव, काली, दुर्गा, सरस्वती सहित अन्य देवी-देवताओं को भी स्थापित किया गया है. इसकी महत्ता को देखते हुए वर्ष 2018 में राज्य सरकार ने झारखण्ड महोत्सव कराने का निर्णय लिया. तब बड़े धूमधाम से महोत्सव का आयोजन भी हुआ था.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पांचवां टेस्ट : पहली पारी में 218 रन पर सिमटा इंग्लैंड, भारतीय बल्लेबाजों ने की ठोस शुरुआत

धर्मशाला के सर्द माहौल में छायी स्पिनबॉल की गर्मी

भाषा । धर्मशाला

बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव के पांच और 100वां टेस्ट खेल रहे ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के चार विकेट से इंग्लैंड को 218 रन पर समेटने के बाद भारत ने पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन एक विकेट पर 135 रन बनाकर अपना पलड़ा भारी रखा. कप्तान रोहित शर्मा (83 गेंद में नाबाद 52, छह चौके, दो छक्के) और यशस्वी जायसवाल (58 गेंद में 57 रन, पांच चौके, तीन छक्के) ने अर्धशतक जड़ने के अलावा पहले विकेट के लिए 104 रन की तेजतर्रार साझेदारी करके भारत को शानदार शुरुआत दिलाई. दिन का खेल खत्म होने पर शुभमन गिल 26 रन बनाकर रोहित का साथ निभा रहे थे. भारत अब इंग्लैंड से सिर्फ 83 रन से पीछे है जबकि उसके नौ विकेट शेष हैं. कुलदीप (72 रन पर पांच विकेट) ने इससे पहले पारी में चौथी बार पांच या इससे अधिक विकेट चटकाते हुए इंग्लैंड के शीर्ष और मध्य क्रम को समेटा तो वहीं अश्विन (51 रन पर चार विकेट) ने निचले क्रम को ध्वस्त किया. रविंद्र जडेजा (17 रन पर एक विकेट) ने भी एक विकेट चटकाए जिससे सभी 10 विकेट स्पिनरों के खाते में गए.

इंग्लैंड के शीर्ष स्कोरर रहे जैक क्राउली : इंग्लैंड की ओर से सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली (108 गेंद में 79 रन, 11 चौके और एक छक्का) शीर्ष स्कोरर रहे. अश्विन की तरह अपना 100वां टेस्ट खेल रहे जॉनी बेयरस्टो (18 गेंद में 29 रन), सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (27), जो रूट (26) और बेन फोक्स (24) अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे.

इंग्लैंड के पूरे 10 विकेट भारतीय स्पिनरों ने चटकाए

रोहित व जायसवाल ने दिलायी शानदार शुरुआत

भारत को रोहित और जायसवाल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई. रोहित ने मार्क वुड पर चौके से खाता खोलने के बाद इस तेज गेंदबाज की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा. रोहित को 20 रन के निजी स्कोर पर जेम्स एंडरसन की गेंद पर मैदानी अंपायर ने विकेट के पीछे कैच आउट करार दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर उन्हें अपना फैसला बदलना पड़ा क्योंकि गेंद पैड से लगकर गई थी. जायसवाल ने धीमी शुरुआत के बाद ऑफ स्पिनर शोएब बशीर का स्वागत चार गेंद में तीन छक्कों के साथ किया.जायसवाल ने बशीर पर लगातार दो चौकों के साथ 56 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और 21वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया.

स्कोर कार्ड

इंग्लैंड पहली पारी :
क्राउली बो कुलदीप 79, बेन डकेट का गिल बो कुलदीप 27
ओली पोप स्टं जुरेल बो कुलदीप 11
जो रूट पगबाधा बो जडेजा 26
जॉनी बेयरस्टो का जुरेल बो कुलदीप 29
बेन स्टोक्स पगबाधा बो कुलदीप 00
बेन फोक्स बो अश्विन 24
टॉम हार्टले का पडिक्कल बो अश्विन 06
मार्क वुड का रोहित बो अश्विन (00)
शोएब बशीर नाबाद 11
जेम्स एंडरसन का पडिक्कल बो अश्विन 0
अतिरिक्त : 05 रन<, कुल :57 .4 ओवर में सभी विकेट खोकर : 218 रन विकेट पतन : 1-64, 2-100, 3-137, 4-175, 5-175, 6-175, 7-183, 8-183, 9-218 गेंदबाजी : बुमराह 13-2-51-0 सिराज 8-1-24-0, अश्विन 11.4-1-51-4, कुलदीप 15-1-72-5, जडेजा 10-2-17-1
भारत पहली पारी :
यशस्वी जायसवाल स्टं फोक्स बो बशीर 57
रोहित शर्मा नाबाद 52
शुभमन गिल नाबाद 26
अतिरिक्त : 00<, कुल :30 ओवर में एक विकेट पर : 135 रन
विकेट पतन : 1-104, गेंदबाजी : एंडरसन 4-1-4-0, वुड 3-0-21-0, हार्टले 12-0-46-0, बशीर 11-2-64-1

तीन खिलाड़ियों के लिए धर्मशाला टेस्ट ऐतिहासिक

स्वास्थ्य समस्याओं से उबरकर पडिक्कल ने किया डेब्यू

बेंगलुरू । देवदत्त पडिक्कल गुरुवार को पदार्पण करते हुए रविचंद्रन अश्विन से भारत की टेस्ट कैप लेते समय काफी मुस्कुराए और इस 23 वर्षीय खिलाड़ी की खुशी ने यहां तक पहुंचने के लिए पिछले दो वर्षों के उनके संघर्ष को छिपा दिया. श्रीलंका के खिलाफ 2021 में टी-20 अंतरराष्ट्रीय के साथ भारत के लिए पदार्पण करने के बाद पडिक्कल के करियर का ग्राफ कोविड-19 संक्रमण और पेट से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उम्मीद के मुताबिक ऊपर नहीं गया. शुरुआती वर्षों में पडिक्कल को कोचिंग देने वाले इरफान सैत ने बताया कि उन दो वर्षों (2021 से 2023 की शुरुआत तक) में वह फिट और स्वस्थ रहने के लिए संघर्ष कर रहा था. उसका वजन भी कम हो रहा था. वह पेट की बीमारी से लगातार परेशान रहा. उन्होंने कहा कि हम एक-दूसरे से फोन पर बात करते रहे और संयोग से मैं भी इसी स्थिति का सामना कर रहा था. हम एक-दूसरे के जाने बिना जैन अस्पताल में एक ही डॉक्टर से सलाह ले रहे थे. पडिक्कल हालांकि बाधाओं से पार पाने को लेकर हमेशा प्रतिबद्ध रहे हैं. उन्होंने कहा कि उसने 2023 सत्र से पहले अपनी फिटनेस और खानपान पर कड़ी मेहनत की क्योंकि वह उस स्थान पर वापस जाना चाहता था जहां 2020-21 में था.

अश्विन व बेयरस्टो ने पूरा किया टेस्ट मैचों का शतक

टेस्ट क्रिकेट ही जीवन है: अश्विन

राहुल द्रविड़ से 100वां टेस्ट कैप प्राप्त करने के बाद अश्विन ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट जीवन के सबसे करीब है. आईपीएल एक बेहद लोकप्रिय टूर्नामेंट रहा है, बहुत सारे बच्चे टी-20 खेलना और आईपीएल में जाना चाहते हैं. मैं सचमुच चाहता हूं कि वे वहां पहुंचें, लेकिन एक बात याद रखें, यह प्रारूप (टेस्ट)... यह कई चीजों में है जो जीवन आपको नहीं सिखाएगा. उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट ही जीवन है.

100वां टेस्ट कैप मिलने के बाद अपनी मां और बहन के साथ भावुक हुए बेयरस्टो.

चैंपियंस लीग

रियल मैड्रिड व मैनचेस्टर सिटी क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी । मैड्रिड

चैंपियंस लीग में रियल मैड्रिड व मैनचेस्टर सिटी की टीम ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. स्पेन के क्लब रियल मैड्रिड ने दूसरे चरण में आरबी लीपजिंग के साथ 1-1 से ड्रॉ खेलकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. रियल मैड्रिड ने अंतिम 16 के पहले चरण में 1-0 से जीत दर्ज की थी, जिससे कुल 2-1 के स्कोर के साथ रियल मैड्रिड ने अंतिम 8 में प्रवेश किया. मैड्रिड के लिए मैच एक मात्र गोल विनीसियस जूनियर ने किया. मैच में लीपजिंग ने अच्छी शुरुआत की. हालांकि, टीम शुरुआत में मिले मौके को भुनाने में सफल नहीं हो पाई. टीम के फॉरवर्ड लोइस ओपेंडा ने गोल करने के दो अच्छे मौके गंवा दिए. पहला हाफ दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाई. दूसरे हाफ के शुरुआत में ही रेफरी के फैसले को लेकर विवाद हो गया. दरअसल मैड्रिड के प्लेयर विनीसियस जूनियर ने आरबी लीपजिंग के विली ओर्बन पर पीछे से अटैक किया और फिर उन्हें धकेल दिया. जिसके बाद रेफरी ने उन्हें येलो कार्ड दिया, जिसको लेकर सवाल उठे. रेफरी विनीसियस को रेड कार्ड देकर बाहर भेज सकते थे.

- रियल मैड्रिड ने दूसरे चरण के मुकाबले में लीपजिंग को 1-1 की बराबरी पर रोका
- पहले चरण के मुकाबले में 1-0 सेजीती थी रियल मैड्रिड की टीम

लगातार सातवीं बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा मैनचेस्टर सिटी

मैनचेस्टर । डिफेंडिंग चैंपियन मैनचेस्टर सिटी ने यूईएफए चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में लगातार सातवीं बार अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है. मैनचेस्टर सिटी ने राउंड 16 मुकाबले के दूसरे चरण में ट्रेबल होल्डर्स को एफसी कोपेनहेगन को 3-1 से हराया. पहले चरण के मुकाबले में मैनचेस्ट सिटी ने कोपेनहेगन को 3-1 से हराया था, जिससे 6-2 के कुल योग के साथ सिटी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है.

- 10 मैच से अपराजेय रही है मैनचेस्टर सिटी की टीम
- कुल 6-2 के अंतर से मैनचेस्टर सिटी ने कोपेनहेगन को हराया

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण जीतना है लक्ष्य : हरमनप्रीत

भाषा । नयी दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक को आगामी पेरिस खेलों में स्वर्ण पदक में बदलने का है. रिकॉर्ड आठ बार की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम ने 2021 में तोक्यो में कांस्य पदक के प्लेऑफ में 3-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जर्मनी को 5-4 से हराकर 41 साल के ओलंपिक पदक के सूखे को समाप्त किया था. भारत ने पिछला ओलंपिक स्वर्ण पदक 1980 में मास्को खेलों में जीता था. हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में पेरिस ओलंपिक के लिए भारत के ड्रॉ पर प्रतिक्रिया देते हुए हरमनप्रीत ने कहा कि तोक्यो में कांस्य पदक जीतना यादगार पल रहा और हम उसी लय को पेरिस ओलंपिक तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं. हमारा लक्ष्य पदक के रंग को बेहतर करके स्वर्ण पदक में तब्दील करना है. उन्होंने कहा कि शुरू में हमारा ध्यान एक समय में एक कदम उठाने का होगा, ग्रुप चरण से अगले दौर में पहुंचने और क्वार्टरफाइनल में जगह सुनिश्चित करने का होगा.

एशिया लॉन बॉल चैंपियनशिप

भारतीय पुरुष टीम ने जीता स्वर्ण

संवाददाता । रांची

थाईलैंड के पट्टाया में चल रहे एशिया लॉन बॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीम ने पुरुष फोर्स स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता. भारतीय टीम ने फाइनल में मलेशिया को 15-10 से हराया. बता दें कि पुरुष 4 की टीम में झारखंड राज्य के (सुनील बहादुर, आलोक लकड़ा और अभिषेक लकड़ा) तीन खिलाड़ी शामिल थे. सुनील बहादुर जैप में कार्यरत हैं वहीं आलोक लकड़ा झारखंड पुलिस में कार्यरत हैं. खिलाड़ियों ने सफलता के लिए कोच डॉ मधुकांत कांत पाठक को श्रेय दिया है. मधुकांत पाठक ने कहा कि लगातार झारखंड के खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे है. अभी के प्रतिभावान खिलाड़ी लगातार अभ्यास कर रहें है. झारखंड में खेल प्रेमीयो में खुशी का लहर है. चंद्रदेव सिंह, शिवकुमार पांडेय, आलोक मिश्र, सशांक भूषण, रामप्रसाद, कृष्ण कुमार, योगेश , रंजीत केशरी समेत अन्य लोगों ने विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी.

आईपीएल के बाद संन्यास ले सकते हैं दिनेश कार्तिक

धर्मशाला । भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक 22 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 सत्र में अंतिम बार इस लुभावनी लीग में खेलने की तैयारी रहे हैं और इस टी-20 लीग के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय संन्यास पर फैसला करेंगे. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की ओर से खेलने वाले 38 वर्षीय कार्तिक 2008 से आईपीएल के सभी 16 सत्र में खेले हैं. इस दौरान 16 सत्र में वह सिर्फ दो मैच नहीं खेले. बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम नहीं छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया कि 2024 सत्र उनका (दिनेश कार्तिक का) आखिरी आईपीएल होगा. वह आईपीएल के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय संन्यास पर फैसला करेंगे.

प. सिंहभूम ने लातेहार को 201 रन से हराया

अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता

संवाददाता । चाईबासा

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में रांची के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में गुरूवार से शुरू हुए अंतर जिला सीनियर (एलिट ग्रुप) क्रिकेट प्रतियोगिता (एच पी बोधनबाला ट्राफी) के उद्घाटन मैच में पश्चिमी सिंहभूम ने लातेहार को एकतरफा मुकाबले में 201 रनों के भारी अंतर से पराजित किया. टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पश्चिमी सिंहभूम की टीम ने निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 429 रनों का पहाड़ सा स्कोर खड़ा किया. शिवम कुमार ने मात्र 42 गेंदों पर दो चौकों एवं ग्यारह छक्कों की मदद से 101 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली. जबकि मयंक पॉल ने 68 गेंदों पर नौ चौकों एवं पांच छक्कों की मदद से 96 रन बनाए और मात्र चार रन से शतक बनाने से चूक गया.

पारी की शुरुआत करने आए बामहस्त विकेटकीपर बल्लेबाज अरविंद कुमार ने भी दस चौकों एवं तीन छक्कों की सहायता से 84 रन, आयुष पाल ने तीन चौकों एवं पांच छक्कों की मदद से नाबाद 55 रन तथा जय प्रकाश राजपूत ने दो चौकों एवं चार छक्कों की सहायता से 42 रनों का योगदान दिया. लातेहार की ओर से हर्ष राणा ने व प्रभात दो-दो विकेट चटकाए जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी लातेहार की टीम ने पूरे 50 ओवर खेलकर नौ विकेट के नुकसान पर 228 रन ही बना सकी.

टेनिस

बीएनपी परिबास ओपन से राफेल नडाल ने अपना नाम वापस लिया

'लकी लूजर' के रूप में नागल ने मुख्य ड्रॉ में जगह बनायी

भाषा । इंडियन वेल्स

भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने स्पेन के महान खिलाड़ी राफेल नडाल के बीएनपी परिबास ओपन से हटने पर 'लकी लूजर' के रूप में टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई. शीर्ष स्तर पर खेलने के लिए तैयार नहीं होने का हवाला देकर नडाल टूर्नामेंट से हट गए. छब्बीस साल के नागल क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के दूसरे दौर में हार गए थे लेकिन उस ड्रॉ में शीर्ष खिलाड़ी होने के कारण उन्हें मुख्य ड्रॉ में जगह मिली. वह अभी एटीपी रैंकिंग में 101वें स्थान पर हैं. नागल पहले दौर में 2016 विंबलडन के फाइनल में जगह बनाने वाले मिलोस राओनिक से भिड़ेंगे. इससे पहले 37 साल के नडाल ने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया. स्पेन का यह खिलाड़ी चोटों से जूझ रहा है और पिछले सत्र में उन्हें कूल्हे का ऑपरेशन कराने को बाध्य होना पड़ा था. टूर्नामेंट द्वारा जारी बयान में नडाल ने कहा कि यह आसान फैसला नहीं है, यह मुश्किल है लेकिन मैं स्वयं से और अपने हजारों प्रशंसकों से झूठ नहीं बोल सकता. उन्होंने कहा कि मैं कड़ी मेहनत और अभ्यास कर रहा हूं.

- क्वालीफाइंग के दूसरे दौर में हार गए थे सुमित नागल
- मुख्य ड्रॉ के पहले दौर में राओनिक से भिड़ेंगे नागल

एकतरफा मुकबले में एंडी मरे जीते

एंडी मरे ने संभवत : अपने अंतिम बीएनपी परिबास ओपन में आसान जीत के साथ शुरुआत करते हुए पहले दौर में डेविड गोफिन को 6-3, 6-2 से हराया. तीन बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन और दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मरे ने बुधवार को हुए मुकाबले में तीन बार गोफिन की सर्विस तोड़ी और उन्हें एक बार भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा. स्कॉटलैंड के 36 साल के मरे ने गोफिन के खिलाफ अब तक सभी आठ मुकाबलों में जीत दर्ज की है. इंडियन वेल्स में 2009 के उप विजेता मरे ने पिछले महीने कहा था कि वह मौजूदा सत्र खत्म होने से पहले संन्यास ले सकते हैं.

- क्वालीफाइंग के दूसरे दोर में हार गए थे सुमित नागल
- मुख्य ड्रॉ के पहले दौर में राओनिक से भिड़ेंगे नागल

केन विलियमसन और टिम साउदी आज खेलेंगे अपना 100वां टेस्ट

भाषा । वेलिंगटन

शीर्ष बल्लेबाज केन विलियमसन और कप्तान टिम साउथी शुक्रवार से क्राइस्टचर्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड के लिए अपना 100वां टेस्ट खेलेंगे जिसे जीतकर मेजबान टीम श्रृंखला ड्रॉ करवाना चाहेगी. विलियमसन और साउथी का न्यूजीलैंड क्रिकेट में योगदान अतुल्नीय है. साउथी 16 जबकि विलियमसन 14 वर्ष से टीम का हिस्सा हैं. विलियमसन न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं. विलियमसन के नाम टेस्ट क्रिकेट में 8,675 रन हैं जो कि देश के अगले सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रोस टेलर से लगभग हजार रन अधिक हैं. उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 18 हजार से अधिक रन हैं. साउथी के नाम 378 टेस्ट विकेट हैं और वह न्यूजीलैंड की सर्वकालिक सूची में रिचर्ड हैडली (431) के बाद दूसरे स्थान पर हैं. वनडे में उनके नाम 221 विकेट हैं जिससे वह डेनियल विटोरी और काइल मिल्स के बाद तीसरे स्थान पर हैं. इस सत्र की शुरुआत में वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 150 विकेट लेने वाले किसी भी देश के पहले गेंदबाज बने. साउथी इसके साथ ही तीनों प्रारूपों में 100 मैच खेलने वाले दुनिया के चौथे और न्यूजीलैंड के दूसरे खिलाड़ी बन जाएंगे. विलियमसन बेसिन रिजर्व में पहले टेस्ट की पहली पारी में दूसरी गेंद पर शून्य पर रन आउट हो गए और दूसरी पारी में नौ रन बनाए. इस मैच को ऑस्ट्रेलिया ने 172 रन से जीता. इससे पहले उन्होंने अपने पिछले आठ टेस्ट मैचों में से सात में शतक बनाए जिसमें श्रीलंका के खिलाफ दोहरा शतक और इस सत्र की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की प्रत्येक पारी में शतक भी शामिल है.

खास बातें

- न्यूजीलैंड के सर्वाधिक टेस्ट स्कोरर हैं विलियमसन
- तीनों प्रारूपों में 100 मैच खेलने वाले दूसरे खिलाड़ी बनेंगे साउदी

ब्रीफ खबरें

महिला ने फंदे से लटक कर दे दी जान

दरभंगा । दरभंगा के बिरौल थाना क्षेत्र अगरेडीह गांव में एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. बताया जा रहा है कि विवाहिता का उसके पति के साथ फोन पर विवाद हुआ था. विवाद इतना बढ़ गया था कि कमरे में जाकर उसने सुसाइड कर लिया. मायके वाले का कहना है कि रीना देवी की शादी चार वर्ष पूर्व समस्तीपुर जिला के रहनेवाले मुकेश दास के साथ हुई थी. उसका पति मुम्बई में रहकर मजदूरी किया करता है. वह फोन पर अक्सर विवाद करता रहता था. गुरुवार रात भी दोनों के बीच बातचीत हुई.

बस दुर्घटनाग्रस्त, छह यात्री हुए घायल

बेगूसराय । घटना भगवानपुर थाना क्षेत्र के भगवानपुर हरिचक पथ के जगदीशपुर चौक के समीप की है. बताया जा रहा है कि बुधवार देर रात एक बस बारात में जा रही थी. उसी वक्त बस चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे बने चाय नाश्ते की दुकान से जा टकराई. गनीमत रही की दुकान में सो रहे दुकानदार को शारीरिक क्षति नहीं पहुंची. पीड़ित दुकानदार की पहचान जगदीशपुर निवासी अभिषेक कुमार के रूप में की गई है. वहीं दुकानदारों का कहना है कि तकरीबन 10 लाख की संपत्ति का नुकसान हुआ है. फिलहाल लोगों के द्वारा क्षतिग्रस्त दुकान के लिए मुआवजे की मांग की जा रही है.

जमुई मे सड़क हादसे में वृद्ध की मौत

जमुई । जमुई-सिकंदरा मुख्य मार्ग स्थित बिजली ऑफिस के समीप अपने भतीजे के नवनिर्मित मकान के गृह प्रवेश में आए वृद्ध चाचा को एक बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दिया. जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए. जिसे परिजनों ने एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत नाजुक होने पर डॉक्टर ने उन्हें पटना ले जाने की सलाह दी. जिसके बाद परिजन द्वारा घायल को इलाज के लिए पटना ले जाने के लिए क्लीनिक से निकले लेकिन रास्ते में ही दम तोड़ दिया. मृतक की पहचान खैरा थाना क्षेत्र की चांगोडीह गांव निवासी कार्यानंद सिंह के रूप में हुई है.

लैंड फॉर जॉब स्कैम

भोला सहित 2 के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर

संवाददाता । पटना

नौकरी के बदले जमीन घोटाले मामले में राजद सुप्रीमो लालू यादव की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. सीबीआई ने नौकरी घोटाले के लिए तत्कालीन रेल मंत्री के विशेष अधिकारी सहित 3 आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोप-पत्र दाखिल किया है. सीबीआई ने तीन आरोपितों अशोक कुमार, बबीता कुमारी और भोला यादव के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है. भोला यादव लालू के निजी सचिव थे. विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि भोला यादव लालू के सचिव थे, वे ही प्रबंधन कर रहे थे और उनके निर्देश ही अधिकारियों तक जाते थे. भोला के कंप्यूटर से कुछ दस्तावेजी साक्ष्य भी प्राप्त किए गए थे. बता दें कि अदालत ने मामले में बीते वर्ष पूर्व केंद्रीय रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और 14 अन्य के खिलाफ समन जारी किया था. सीबीआई ने इस घोटाले में लालू, राबड़ी, उनकी बेटी मीसा भारती और 13 अन्य के खिलाफ अक्टूबर 2022 में मुख्य आरोप पत्र दायर किया था.

सीएम नीतीश कुमार विदेश दौरे पर रवाना

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार सुबह दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं. शुक्रवार को वह यूनाइटेड किंगडम यानी ब्रिटेन के लिए वहां से प्रस्थान करेंगे. एक सप्ताह के लिए विदेश दौरे पर जा रहे हैं. इससे पहले गुरुवार को पटना से दिल्ली के लिए मुख्यमंत्री रवाना हुए.

विदेश जाने के लिए पिछले दिनों ही उन्होंने पटना स्थित रीजनल ऑफिस में जाकर अपना पासपोर्ट रिन्यूअल कराया था. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 7 मार्च से 14 मार्च तक विदेश दौरे पर रहेंगे. बताया जा रहा है कि ब्रिटेन में वह सबसे पहले स्कॉटलैंड जाएंगे. जहां आधुनिक साइंस सिटी का दौरा करेंगे. विदेश जाने से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 5 मार्च को विधान परिषद चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया.

मोतिहारी जिले के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र में नाबालिग से दरिंदगी

बारात देखने गई लड़की से दो युवकों ने किया दुष्कर्म

संवाददाता । मोतिहारी

जिले में एक नाबालिग के साथ दरिंदगी की गई है. घटना मोतिहारी जिले के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र की है. यहां के एक गांव की नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप किया गया है. दरअसल, नाबालिग मंगलवार की रात गांव में बारात देखने गई थी. इसी दौरान गांव के ही दो युवक नाबालिग लड़की को नशा सूंघाकर बाइक पर ले गए और फिर उसके साथ गैंगरेप किया. गैंगरेप करने के बाद दोनों युवक बाइक से नाबालिग लड़की को घर छोड़ने आए, तभी नाबालिग लड़की की मां की उस पर नजर पड़ी. युवती को बेहोश हालत में देखकर उसने शोर मचाया, लेकिन तब तक दोनों युवक बाइक से फरार हो गए.

स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ भी घर के पास जमा हो गई. इसके बाद इस घटना की सूचना पकड़ीदयाल थाने को दी गई. सूचना पर पकड़ीदयाल पुलिस घटना स्थल पहुंची. उसके बाद नाबालिग की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे पकड़ीदयाल रेफरल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया.

लड़की को नशा सूंघाकर बाइक पर ले गए फिर उसके साथ युवकों ने ज्यादती की

लड़की का इलाज चल रहा है

हालांकि, अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां नाबालिग लड़की का इलाज चल रहा है. नाबालिग लड़की अभी बेहोश है. होश में आने के बाद पूरा मामला स्पष्ट हो पाएगा. वहीं पीड़ित नाबालिग लड़की की मां ने बताया कि, गांव में दो-तीन बारात आई थी, जिसे देखने मेरी लड़की गई थी. इसी दौरान दो युवक उसे नशा सूंघा कर मोटरसाइकिल पर कहीं ले गए और उसके साथ गैंगरेप किया. पीड़ित की मां ने बताया कि, गैंगरेप करने के बाद दोनों युवक बेहोशी की हालत में मेरी लड़की को घर पहुंचाने आए, तभी मेरी नजर पड़ी. इसके बाद मैंने हल्ला मचाया, लेकिन जब तक ग्रामीण आते तब तक दोनों युवक मेरी लड़की को छोड़कर फरार हो गए. वहीं, घटना के बारे पकड़ीदयाल थानाध्यक्ष शकुंतला कुमारी ने जानकारी देते हुए बताया कि, घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पुलिस दल बल के साथ पहुंची.

पटना के डाकबंगला चौराहे पर हुई वारदात

ज्वेलर को गोली मारी, सोना लूटा

- लूट का किया विरोध तो चला दी गोली, घायल को अस्पताल में कराया गया है भर्ती

संवाददाता । पटना

पटना के डाक बंगला पर स्वर्ण व्यवसायी को अपराधियों ने गोली मार दी है. उनकी हालत गंभीर है. बताया जा रहा है कि दिनदहाड़े तीन अपराधी स्वर्ण व्यवसायी से लूटपाट कर रहे थे. विरोध करने पर अपराधियों ने गोली चला दी. गोली लगते स्वर्ण व्यवसायी रोड पर गिर गए. इसके बाद तीनों अपराधी ने उनका बैग छीन लिया और फरार हो गए. इधर, घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई.

इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. घटनास्थल पर पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है. सिटी एसपी पश्चिम चंद्र प्रकाश ने बताया कि पुलिस हर पहलुओं पर गहराई से छानबीन कर रही है. अपराधियों की तलाश में छापेमारी चल रही है.

बाइक से तीन युवक पहुंचे थे, सम्राट होटल के नजदीक मारी गोली

बताया जा रहा है कि दिल्ली के करोल बाग निवासी स्वर्ण व्यवसायी एहतेशाम अली डाक बंगला इलाके में ही एक होटल में ठहरे थे. गुरुवार को अपने बैग में सोने के जेवर लेकर किसी व्यापारी के यहां जा रहे थे. इसी क्रम में डाक बंगला स्थित सम्राट होटल के नजदीक तीन युवक उनके पास पहुंचे और बैग को छीनने का प्रयास करने लगे. विरोध करने पर अपराधियों ने स्वर्ण व्यापारी को गोली मार दी और फरार हो गए. आनन-फानन में लोगों ने इसकी सूचना कोतवाली थाने को दी. सूचना मिलते ही सिटी एसपी पश्चिम, डीएसपी विधि व्यवस्था कोतवाली थाना के थाना प्रभारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे.

मामले की जांच हो रही है

घटना की पुष्टि करते हुए सिटी एसपी ने कहा कि पूरे मामले की पुलिस गहराई से छानबीन कर रही है. उन्होंने बताया कि पिता और पुत्र किसी व्यापारी से सोने की लेनदेन के लिए डाक बंगला स्थित होटल से निकलकर जा रहे थे. इसी क्रम में अपराधियों के द्वारा उन पर गोली चलाई गई. यह घटना लूटपाट की है या फिर लेनदेन के विवाद की, इसकी जांच की जा रही है. वहीं विधि व्यवस्था डीएसपी ने बताया कि पिता और पुत्र से बातचीत के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा.

बिहार में बड़े पैमाने पर आईएएस का तबादला 3 जिलों के डीएम बदले

पटना । लोकसभा चुनाव से पहले बिहार सरकार ने बड़े पैमाने पर आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है. कई विभागों के प्रधान सचिव और सचिव बदल दिये गये हैं. वहीं कई को अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है. साथ ही तीन जिलों के डीएम की भी ट्रांसफर-पोस्टिंग हुई है. इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी गयी है. जारी अधिसूचना के अनुसार, दीपक कुमार सिंह भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग का अपर मुख्य सचिव बनाया गया है. वहीं, धर्मेंद्र सिंह को खान एवं भूतत्व विभाग का सचिव बनाया गया है. खान एवं भूतत्व विभाग के अपर मुख्य सचिव परमार रवि मनुभाई को मुख्य जांच आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है.

गिरिराज सिंह का लालू यादव पर निशाना

राबड़ी को सीएम बनाया, बिहार में और कोई यादव नहीं थे क्या

संवाददाता । पटना

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने परिवारवाद को लेकर चल रही बयानबाजी के बीच लालू यादव पर पलटवार किया. सिंह ने कहा कि, लालू यादव ने परिवारवाद का एक ऐसा नमूना पेश किया है जो बिहार की जनता जानती है. लालू ने राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया और कोई यादव परिवार से बिहार में नहीं था क्या. प्रधानमंत्री की ओर से दिए दिया गए बयान की राजद के लिए उनका परिवार ही सब कुछ है. इस पर सिंह ने कहा, मैं डंके की चोट पर कहता हूं कि लालू परिवार तक ही सीमित हैं. लालू इमोशनल ब्लैकमेल करके वोट ले लें, लेकिन राज्य और देश की जनता जानना चाहती है कि, जब वो जेल जा रहे थे तो उन्हें कोई नहीं मिला. गिरिराज सिंह ने कहा, उन्होंने परिवारवाद को स्थापित कर दिया. राज्यसभा का टिकट दिया तो वो भी अपने ही संबंधी को हरियाणा से लाकर दिया. उन्होंने कहा कि अभी विधानसभा में बेटे और विधान परिषद में अपनी पत्नी को नेता बनाया. इससे बड़ा परिवार का नमूना क्या हो सकता है. जहां-जहां परिवारवाद है, वही लोग आज पीएम मोदी का विरोध कर रहे हैं.

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शॉर्प शूटर्स मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी बॉर्डर से गिरफ्तार

पटना । लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शॉर्प शूटर्स को मुजफ्फरपुर डीआईयू (डिस्ट्रिक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट) की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार शूटर्स में सुनील बारोलिया और शहनवाज शाहिद का नाम शामिल है. दोनों को पुलिस ने मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी बॉर्डर पर एक बस से धर दबोचा है. सुनील मूलरूप जयपुर का रहने वाला है. जबकि शहनवाज सीतामढ़ी का निवासी है. लेकिन वो भी जयपुर में रह रहा था. सुनील बारोलिया और शहनवाज शाहिद कई मामलों में वांटेड भी हैं. जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरपुर डीआईयू की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शॉर्प शूटर्स नेपाल भागने वाले हैं. सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने चेकिंग अभियान चलाया. इसी दौरान मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी बॉर्डर पर दोनों शॉर्प शूटर को पुलिस ने धर दबोचा. डीआईयू टीम ने हरियाणा पुलिस को इसकी जानकारी दे दी है.

कारोबार

स्पाइसजेट ने एशलॉन के साथ विवाद निपटाया

नयी दिल्ली । मुश्किलों से उबरने की कोशिश में लगी स्पाइसजेट ने गुरुवार को कहा कि उसने विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी एशलॉन आयरलैंड मैडिसन वन लिमिटेड के साथ 413 करोड़ रुपये का विवाद सुलझा लिया है. यह पिछले दो हफ्ते में इस तरह का तीसरा विवाद है जिसका स्पाइसजेट ने निपटारा किया है. एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि एशलॉन के साथ कानूनी विवाद का निपटान होने से 4.8 करोड़ डॉलर की बचत होगी. इस विवाद निपटान के तहत स्पाइसजेट दो एयरफ्रेम का अधिग्रहण करेगी.

चीन का व्यापार बेहतर होने की उम्मीद

हांगकांग । साल 2024 के पहले दो महीनों में चीन के निर्यात और आयात आंकड़ों ने पूर्वानुमानों को पीछे छोड़ते हुए मांग में सुधार आने का संकेत दिया है. गुरुवार को जारी सीमा शुल्क आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी-फरवरी की अवधि में चीन का निर्यात एक साल पहले की तुलना में 7.1 प्रतिशत बढ़ा. इसके पहले दिसंबर में निर्यात वृद्धि 2.3 प्रतिशत रही थी. इसी तरह चीन का आयात भी पिछले दो महीनों में एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 3.5 प्रतिशत बढ़ गया. दिसंबर में यह सिर्फ 0.2 प्रतिशत बढ़ा था.

मुक्का प्रोटीन्स का शेयर 57 प्रतिशत चढ़ा

नयी दिल्ली । मछली के तेल और संबद्ध उत्पादों के निर्माण एवं विपणन से जुड़ी कंपनी मुक्का प्रोटीन्स के शेयर बृहस्पतिवार को निर्गम मूल्य के मुकाबले 57 प्रतिशत चढ़कर सूचीबद्ध हुए. बीएसई पर इसके शेयर ने 57.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44 रुपये के भाव पर कारोबार की शुरुआत की. एनएसई पर भी कंपनी का शेयर 28 रुपये के निर्गम मूल्य से 42.85 प्रतिशत चढ़कर 40 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ. इस तरह सूचीबद्धता के दिन कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,147.20 करोड़ रुपये रहा. सोमवार को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के अंतिम दिन मुक्का प्रोटीन्स को 136.89 गुना अभिदान मिला था.

दुनिया में क्रेडिट कार्ड रखने वालों की संख्या सबसे तेजी से भारत में ही बढ़ रही है

ग्राहकों को अब मिलेगा मनचाहा क्रेडिट कार्ड

- नया नियम 6 सितंबर 2024 से प्रभावी होगा
- दिसंबर में 19 लाख क्रेडिट कार्ड जारी हुए थे
- अभी देश में पांच अधिकृत क्रेडिट कार्ड नेटवर्क हैं

भाषा । नयी दिल्ली

आरबीआई ने रूपे कार्ड को वर्ष 2012 में लांच किया था

क्रेडिट कार्ड के जरिए कर्ज वितरण कर रही हैं

एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और एसबीआई सबसे बड़े क्रेडिट कार्ड जारी करने वाले बैंक हैं. आरबीआई क्रेडिट कार्ड जारी करने वाले उन वित्तीय संस्थानों और फिनटेक कंपनियों पर लगाम लगाना चाहती है जो हाल ही में बाजार में उतरी हैं और क्रेडिट कार्ड के जरिए कर्ज वितरण कर रही हैं. दूसरी बात, कार्ड नेटवर्क कंपनियों का अलग-अलग फाइनैंशल इंस्टिट्यूशन के साथ टाइअप है. इस कारण ग्राहक को अपने पसंद का कार्ड नेटवर्क चुनने का ऑप्शन नहीं मिलता है. अभी देश में पांच अधिकृत क्रेडिट कार्ड नेटवर्क हैं जिन्हें बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ गठजोड़ करने का लाइसेंस है. ये हैं अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉरपोरेशन, डाइनर्स कल्ब इंटरनैशनल, मास्टर कार्ड एशिया व पैसिफिक, एनसीपीआइ-रूपे और वीजा वर्ल्डवाइड. आरबीआई ने रूपे कार्ड को वर्ष 2012 में लांच किया था.

समझौता या व्यवस्था न करें, जो ग्राहकों को दूसरे नेटवर्क की सर्विसेज लेने से रोकता हो. नया नियम 6 सितंबर 2024 से प्रभावी होगा. आरबीआई ने सर्कुलर में कहा कि मौजूदा कार्डहोल्डर्स के लिए यह विकल्प कार्ड का अगला रिन्यूएशन कराते समय दिया जा सकता है. दिसंबर माह में ही 19 लाख क्रेडिट कार्ड जारी किए गए थे. दुनिया में क्रेडिट कार्ड रखने वालों की संख्या सबसे तेजी से भारत में ही बढ़ रही है.

यह निर्देश उन क्रेडिट कार्ड जारीकर्ताओं पर लागू नहीं होगा जिनके द्वारा जारी सक्रिय कार्डों की संख्या 10 लाख या उससे कम है. इसके अलावा खुद के अधिकृत कार्ड नेटवर्क पर क्रेडिट कार्ड जारी करने वाले संस्थानों को निर्देशों से बाहर रखा गया है. कार्ड नेटवर्क लेनदेन को सुरक्षित, सुचारू और कुशल तरीके से संभव बनाने के लिए आपके बैंक, मर्चेंट और आपको जोड़ता है. जब आप अपने कार्ड को स्वाइप या टैप करते हैं तो कार्ड नेटवर्क बैकग्राउंड में चुपचाप काम करते हैं. कार्ड नेटवर्क क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड जैसे कार्ड-आधारित प्रॉडक्ट जारी करने की सुविधा प्रदान करते हैं. फाइनेंशल प्लानर कार्तिक झवेरी कहते हैं कि इस नए नियम से कार्ड जारी करने वाली एजेंसियों के बीच प्रतिस्पर्धा हो सकती है.

फिक्की फ्रेम्स 2024

गुरुवार को मुंबई में फिक्की फ्रेम्स 2024 के दौरान एक सत्र में तुर्की अभिनेता हांडे एर्सेल

कार्यक्रम

नवविवाहित बॉलीवुड कलाकार रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी गुवाहाटी में एक कार्यक्रम के दौरान.

फरवरी में वाहनों की खुदरा बिक्री 13% बढ़ा

नयी दिल्ली । फरवरी में यात्री और दोपहिया वाहनों समेत सभी खंडों में तगड़ी खरीदारी आने से देश में वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 13% बढ़ गई. संगठन फाडा ने गुरुवार को यह जानकारी दी. पिछले महीने कुल 20,29,541 वाहनों की खुदरा बिक्री हुई जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 17,94,866 इकाई थी. यात्री वाहन खंड में पिछले महीने बिक्री 12% बढ़कर 3,30,107 इकाई हो गई, जो फरवरी, 2023 में 2,93,803 इकाई थी.

निफ्टी मामूली तेजी के साथ हुआ बंद

1.38 लाख करोड़ बढ़ा मार्केट कैप

मुंबई । गुरुवार को कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ है. सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली तेजी रही हालांकि एफएमसीजी स्टॉक्स में जोरदार खरीदारी देखने को मिली है. गुरुवार के ट्रेड में मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी रही है. कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 33 अंकों के मामूली उछाल के साथ 74,119 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 19 अंकों के उछाल के साथ 22,493 अंकों पर क्लोज हुआ है. सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही अपने ऐतिहासिक हाई पर बंद हुआ है. गुरुवार के ट्रेड में एफएमसीजी, आईटी, पीएलयू बैंक, फार्मा, मेटल, मीडिया, कमोडिटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर सेक्टर के स्टॉक्स में उछाल देखने को मिला है. जबकि बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, एनर्जी, रियल एस्टेट और इंफ्रा स्टॉक्स गिरकर क्लोज हुए.

2024 की तीसरी तिमाही की रिपोर्ट आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस

क्लेम सेटलमेंट का उद्योग-अग्रणी अनुपात कायम रखा

एजेंसी । नई दिल्ली

वित्तीय नियोजन की अगर बात करें, तो जीवन बीमा इसका एक अनिवार्य घटक है, जो परिवार और आश्रितों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है. यह पॉलिसीधारक की असामयिक मृत्यु की स्थिति में परिवार की वित्तीय भलाई सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा किया गया एक वादा है. इन अर्थों में यह किसी प्रियजन को खोने के कारण उत्पन्न वित्तीय संकट को कम करने का एक बेहतर तरीका है. जीवन बीमा के मामले में क्लेम एक सच्चाई है और इसलिए किसी को उसी ब्रांड से पॉलिसी खरीदना चाहिए, जिस पर वे भरोसा करते हैं. क्लेम सेटलमेंट अनुपात और दावा निपटान में लगने वाले औसत समय के मूल्यांकन के आधार पर ग्राहक अपने अनुकूल जीवन बीमाकर्ता का चुनाव कर सकते हैं. क्लेम सेटलमेंट के मामले में टर्नअराउंड समय भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सुनिश्चित करता है कि लाभार्थियों को दावे की राशि शीघ्र प्राप्त हो.

हालांकि, जिम्मेदारी पूरी तरह से बीमा कंपनी की नहीं है. ग्राहक खरीदारी के समय सभी प्रकार की जानकारी का सच्चाई से खुलासा करने की जिम्मेदारी भी निभाते हैं, इससे नामांकित लोगों के लिए त्वरित और परेशानी मुक्त दावा अनुभव सुनिश्चित किया जा सकता है. नियमों के अनुसार, जीवन बीमाकर्ता तिमाही आधार पर अपने दावा निपटान अनुपात की घोषणा करते हैं. आखिरकार व्यक्ति यह सुनिश्चित करने के लिए जीवन बीमा खरीदते हैं कि किसी भी स्थिति में उनके आश्रित वित्तीय रूप से सुरक्षित रहें. खास बात यह है कि आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के पास लगातार दावा निपटान अनुपात ट्रैक रिकॉर्ड है, जिसमें वित्त वर्ष 2024 के शुरुआती नौ महीनों के लिए उल्लेखनीय 98.6 प्रतिशत दावा निपटान अनुपात शामिल है.दावा निपटान अनुपात में निरंतरता भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पॉलिसीधारक को मानसिक शांति प्रदान करता है कि जब वे आसपास नहीं होंगे, तो उनका परिवार आर्थिक रूप से कमजोर नहीं होगा.

वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ का दावा निपटान अनुपात 98.10 फीसदी था, दूसरी तिमाही में यह 98.14 प्रतिशत रहा और तीसरी तिमाही में अनुपात 98.52 फीसदी था. उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2023 को समाप्त नौ महीनों की अवधि के लिए, सभी प्रासंगिक दस्तावेज जमा करने के बाद गैर-जांच किए गए दावों के लिए औसत दावा निपटान समय केवल 1.3 दिन था.

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने 'क्लेम फॉर श्योर' सेवा पहल भी शुरू की है, जिसके तहत यह सुनिश्चित किया जाता है कि सभी दस्तावेज प्राप्त होने के बाद सभी योग्य मृत्यु दावों का एक दिन में निपटान किया जाए. यदि इस पहल के तहत दावे को प्रोसेस करने में कोई देरी होती है, तो आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ लाभार्थी को दावे की राशि पर अर्जित ब्याज के साथ मुआवजा देती है.

10 ग्राम का भाव 65,049 रुपये

सोना पहली बार 65 हजार के पार

चांदी 72,121 रुपए प्रति किलो बिक रही

नयी दिल्ली । सोने का भाव गुरुवार को पहली बार 65,000 रुपए के पार पहुंच गया. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 556 रुपए महंगा होकर 65,049 रुपए हो गया है. वहीं, चांदी में भी गुरुवार को बढ़त देखने को मिल रही है. ये 411 रुपए महंगी होकर 72,121 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई है. इससे पहले ये 71,710 रुपए पर थी.

चांदी ने बीते साल 4 दिसंबर को 77,000 का ऑलटाइम हाई बनाया था. आने वाले दिनों में सोने में तेजी जारी रह सकती है. इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 67 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है. साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 31 दिसंबर को 63,246 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया था. यानी साल 2023 में इसकी कीमत में 8,379 रुपए (16%) की तेजी आई. वहीं, चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई.

ब्रीफ खबरें

स्कूल में आग लगने से 4 वर्षीय बच्ची की मौत

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल बीजापुर जिले में एक सरकारी आवासीय विद्यालय में आग लगने से चार साल की एक बच्ची की मौत हो गई. अधिकारियों ने बताया कि बालिका की पहचान लिपाक्षी के रूप में हुई है, जो स्कूल की छात्रा नहीं थी और वह पिछले कुछ दिनों से अपनी बड़ी बहन के साथ रह रही थी. लिपाक्षी की बड़ी बहन स्कूल की छात्रा है. घटनास्थल के दृश्य और तस्वीरों से जानकारी मिली है कि केबिन की संरचना आग से पूरी तरह से जल गई है.

हाथी ने किसान को कुचलकर मार डाला

इरोड (तमिलनाडु)। इरोड जिले में स्थित सत्यमंगलम बाघ अभयारण्य (एसटीआर) के अंतर्गत आने वाले कदंबूर जंगल में एक हाथी ने 65 वर्षीय किसान को कुचलकर मार डाला. पुलिस के अनुसार, 65 वर्षीय मरप्पन बुधवार शाम को एसटीआर के अंतर्गत आने वाले कदंबूर जंगल के कदगनल्ली में अपनी भेड़ें चरा रहा था. उसी दौरान एक हाथी झाड़ी से बाहर आया और उसने मरप्पन पर हमला कर उसे कुचलकर मार डाला. कदंबूर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

डीयू के पूर्व प्रो. साईबाबा नागपुर जेल से रिहा

नागपुर। माओवादियों से कथित संबंध के मामले में बंबई उच्च न्यायालय द्वारा बरी किए गए दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जी. एन. साईबाबा को गुरुवार को नागपुर केंद्रीय कारागार से रिहा कर दिया गया. अदालत ने साईबाबा को मंगलवार को बरी किया था. उन्हें कथित माओवादी संबंध मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी. महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले की एक अधीनस्थ अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद साईबाबा 2017 से यहां जेल में बंद थे.

मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के लिए पोज देतीं मॉडल

गुरुवार को 71वीं मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की प्रतियोगी मुंबई के जियो कन्वेंशन सेंटर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के जश्न के दौरान तस्वीरों के लिए पोज देती हुईं. -फोटो : पीटीआई

आर्टिकल 370 हटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पहला कश्मीर दौरा

पीएम ने किया परियोजनाओं का उद्घाटन

भाषा। कश्मीर

जम्मू-काश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त किये जाने के बाद कश्मीर घाटी की पहली यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6,400 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया. इस दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सैंकड़ों समर्थक राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंगों वाली पगड़ी पहनकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे.

वहीं, इस स्थिति में सुरक्षाकर्मियों को भीड़ को संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी. अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन पर वहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है, लेकिन लोगों की आवाजाही पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगाया गया है. अधिकारियों ने कहा कि पूरी कश्मीर घाटी में जनजीवन सामान्य है और यहां अधिकांश दुकानें एवं अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठान खुले हैं.

1400 करोड़ के पर्यटन से जुड़े प्रोजेक्ट

पीएम मोदी श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में विकसित भारत विकसित जम्मू कश्मीर कार्यक्रम में शामिल हुए और केंद्र शासित प्रदेश में कृषि-अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए लगभग 5,000 करोड़ रुपये की योजनाओं का उद्घाटन किया. इसमें 'स्वदेश दर्शन' और 'प्रशाद' (तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन ड्राइव) योजनाओं के तहत 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की पर्यटन क्षेत्र से संबंधित राष्ट्रव्यापी परियोजनाएं शामिल हैं, जिसमें एकीकृत विकास के लिए एक परियोजना भी शामिल है.

सरकारी कर्मचारियों को सौंपें नियुक्ति पत्र

पीएम मोदी ने चैलेंज बेस्ड डेस्टिनेशन डेवलपमेंट (सीबीडीडी) योजना के तहत चयनित पर्यटन स्थलों की घोषणा करने के अलावा 'देखो अपना देश पीपुल्स चॉइस टूरिस्ट डेस्टिनेशन पोल' और 'चलो इंडिया ग्लोबल डायस्पोरा' अभियान भी लॉन्च किया. इसके अलावा पीएम ने जम्मू-कश्मीर में लगभग 1,000 नए भर्ती हुए सरकारी कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया और महिलाओं, किसानों और उद्यमियों सहित विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के लाभार्थियों के साथ बातचीत भी की.

कई स्कूल बंद, बोर्ड परीक्षा भी स्थगित

श्रीनगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के मद्देनजर श्रीनगर में प्रधानमंत्री के दौरे वाले रास्ते में पड़ने वाले कई स्कूल बुधवार और गुरुवार के लिए बंद कर दिए गए हैं, जबकि बुधवार को होने वाली बोर्ड परीक्षाएं अगले महीने तक के लिए स्थगित कर दी गई हैं.

श्रीनगर में ड्रोन उड़ाने पर लगा अस्थाई बैन

पीएम मोदी की यात्रा के मद्देनजर श्रीनगर शहर में ड्रोन और क्वाडकॉप्टर की उड़ान पर अस्थायी रूप से बैन लगा दिया गया. बुधवार को लागू हुए श्रीनगर पुलिस के निर्देश में कहा गया है कि शहर में सभी अनधिकृत ड्रोन चलाने पर सख्त कार्रवाई की जा सकती है.

पीएम उज्ज्वला योजना की सब्सिडी की समय सीमा बढ़ी

भाषा। नयी दिल्ली

पीयूष गोयल ने बताया कि गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में छह फैसलों पर मुहर लगी है. केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि आज कैबिनेट ने निर्णय लिया है कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 300 रुपये प्रति सिलेंडर की सब्सिडी दी जाती है, जिसकी अवधि 31 मार्च 2024 तक तक थी उसे 1 वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है. अब 300 रुपए प्रति सिलेंडर सब्सिडी का लाभ एक वर्ष में 12 सिलेंडर की सीमा तक 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को मिलेगा. साथ ही कच्चे जूट का न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाया गया है. इसमें 285 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है. वहीं, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 10,372 करोड़ रुपये के व्यय के साथ पांच साल के लिए 'इंडिया एआई मिशन' को मंजूरी दे दी है. केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि इस राशि का इस्तेमाल बड़े कंप्यूटिंग ढांचे के सृजन पर किया जाएगा.

गोवा के समुद्र तटों पर को-वर्किंग बनाने की तैयारी

पणजी। गोवा आने वाले पर्यटकों के लिए राज्य के मोरजिम और अश्वेम समुद्र तटों पर जल्द ही सह-कार्यस्थल (को-वर्किंग स्पेस) बनाए जाएंगे, जहां पर वे पर्यटन के साथ काम भी कर सकेंगे. राज्य के पर्यटन सचिव संजीव आहूजा ने यात्रा व्यापार प्रदर्शनी 'आईटीबी बर्लिन' में कहा कि गोवा सरकार न केवल अपने समुद्र तटों बल्कि अन्य गतिविधियों के लिए भी राज्य को एक पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देना चाहती है. उन्होंने कहा कि हम खासकर यूरोप से और अधिक खर्च करने वाले पर्यटकों को समग्र अनुभव देकर ज्यादा संख्या में गोवा बुलाना चाहते हैं. इसी क्रम में गोवा के समुद्र तटों पर सह-कार्यस्थल की अवधारणा पेश की गई है.

अदालत ने केजरीवाल को 16 मार्च को किया तलब

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में कथित रूप से समन का पालन नहीं करने पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा फिर से की गई शिकायत पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बृहस्पतिवार को समन जारी किया. अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट दिव्या मल्होत्रा ने केजरीवाल को 16 मार्च को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया. प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन जांच में समन का पालन नहीं करने के लिए केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने का अनुरोध करते हुए अदालत में बुधवार को नयी शिकायत दर्ज कराई थी.

भारतीय युद्धपोत ने बचाई चालक दल की जान

नयी दिल्ली। भारतीय युद्धपोत 'आईएनएस कोलकाता' ने अदन की खाड़ी में बारबाडोस के ध्वज वाले मालवाहक जहाज पर मिसाइल हमले के बाद उस जहाज से एक भारतीय नागरिक सहित चालक दल के 21 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया है. मिसाइल हमले के कारण बुधवार को वाणिज्यिक जहाज 'एमवी टू कॉन्फिडेंस' में आग लग गई थी. नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि अदन की खाड़ी में समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए तैनात आईएनएस कोलकाता घटनास्थल पर पहुंचा और एक भारतीय नागरिक सहित चालक दल के 21 सदस्यों को बचा लिया.

पीएम 'ना बताऊंगा, ना दिखाऊंगा' पर अड़े: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा चुनावी बॉन्ड का ब्यौरा देने के लिए उच्चतम न्यायालय से और समय की मांग किए जाने को लेकर गुरुवार को आरोप लगाया कि 'न्यू इंडिया' (नए भारत) में लुका-छिपी का खेल चल रहा है जिसमें देश ढूंढ रहा है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'छिपा रहे हैं.' पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' की बात करने वाले प्रधानमंत्री अब 'ना बताऊंगा, ना दिखाऊंगा' पर अड़े हुए हैं.

शिवरात्रि विशेष

Shree Construction
Near Plaza Chowk, East Jail Road
and Beside Debuka Nursing Home
Burdhwan Compound, Lalpur, Ranchi
Dayanand Complex, Main Road, Ranchi
Ph : **9334965657/ 9155817899**

धन्वन्तरि क्लीनिक

डॉ. सचिन
B.A.M.S. (D.U.) Reg. 130897
जनरल आयुर्वेदिक फिजिसियन
नोट : गठिया, चर्म एवं यौन रोग विशेषज्ञ
फोन : 9431173568

स्वर्गीय बासुदेव चटर्जी के
शाश्वत स्मृति में
उनके सुपुत्र
श्री राजीब चटर्जी
द्वारा साल 2020
में स्थापित संस्था
"बासुदेव चटर्जी स्मृति फाउंडेशन",
विगत दो वर्षों से आम जन मानस के लिए हर स्तर पर अपना यथासंभव योगदान करते आ रही है. यह संस्था समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व निष्पादित करने के लिए सदैव कर्तव्यबद्ध है.

Chotanagpur Sanskritik Sangh
Estd.1968
HI-98, Harmu Housing Colony
Doranda Ranchi-834002
Phone - 9504900583

Dr. Sachi Kumari
Chief Executive
Chotanagpur
Sanskritik Sangh

महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. ए. के. वर्मा
हड्डी जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
उदय ऑर्थो डे केयर
हरमू हाउसिंग कॉलोनी
सम्पर्क करें :
9386257021, 7903827479
HOSPITAL TIMING
9:30 AM TO 11:30 AM
SUNDAY & THURSDAY OFF
यहां एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध है

सभी झारखंडवासियों को महाशिवरात्रि
की हार्दिक शुभकामनाएं

एएस देओल उर्फ बटर सिंह
प्रवक्ता झारखंड मुक्ति मोर्चा, जिला रांची

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)